

सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी लड़ी गई



धन्यवाद, भाई ऑरमैन। प्रभु आपको आशीष दें।

² सुप्रभात, मित्रों। आज सुबह फिर से यहां आकर बहुत खुश हूं, और मुझे लगता है कि यहाँ आना एक प्रकार से अपने आप के लिए थोड़ी उम्मीद नहीं थी, और मुझे यकीन है कि यहाँ सभा के लोगों के लिए भी ऐसा हुआ होगा। और मैं अभी पढ़ रहा था और... धन्यवाद, बहन। और ऐसा प्रतीत हुआ कि प्रभु ने मेरे हृदय पर कुछ तो रखा है, जिसे कलीसिया के लिए लाना है, और मैंने सोचा कि ऐसा करने का यह समय आ गया है। और अब यह...

³ जब मैं पहुंचा, और फिर यह नहीं जानते हुए कि हम इस रविवार को यहां पर होंगे या नहीं, मैंने घोषणा की थी कि मेरे पास कलीसिया के लिए एक—एक संदेश है। और मैं चाहता हूं, यदि परमेश्वर की इच्छा हुई तो, इस संदेश को अगले रविवार को लाऊँ। और वहां पर इसके लिए काफी लंबा समय लगेगा, तो, यह संभव है साढ़े बारह, एक बजे से पहले नहीं निकलेंगे, हो सकता है, यदि उस समय तक समाप्त हो भी जाये। यह बात लंबे समय से मेरे हृदय में थी, और मुझे लगता है कि लोगों को जवाब देना ये मेरा कर्तव्य है कि मैं बाहर प्रचार के क्षेत्र में सक्रिय क्यों नहीं रहा हूँ। और मैंने इसके आसपास बहुत कुछ प्रचार किया है, लेकिन मुझे यकीन है कि यह कभी साफ और सीधे उस तरह नहीं कहा गया जैसा होना चाहिए था। तो मैं सोचता हूँ, प्रभु ने चाहा तो, अगले रविवार, मैं बस अपना समय लेकर और इसे रखना चाहता हूँ, कारण और वजह समझाना चाहता हूँ, और आप आत्मिक तौर से जान जाये, कि क्या हो रहा है, देखे, यह सब असल में किस विषय में है। क्योंकि, मैं शायद उसके बाद तुरंत ही विदेश या कहीं और चला जाऊँगा। अब मैं प्रतीक्षा कर रहा हूँ यह देखने के लिए कि वह मुझे किस ओर जाने के लिए बुलाता है। अंतिम...

⁴ लगभग तीन रात पहले, या दो रात पहले, मुझे मध्य रात के करीब एक फोन आया था; और यह अस्पताल में भर्ती किसी महिला के लिए प्रार्थना

करने के लिए था। और उन्होंने मुझे फ़ोन किया, और कहा, “प्रार्थना करे।” और मैं वह नाम को भूल गया जो उन्होंने मुझे दिया था, जो कि... कहा कि यह श्रीमती जेम्स बेल की एक मित्र है, जो यहाँ कलीसिया में हमारी बहन हैं, एक अश्वेत बहन, बहुत ही ईमानदार, सभ्य महिला है। मुझे लगता है कि उसका नाम शेफर्ड था, जो मुझे दिया गया था। इसलिए मैं बिस्तर से उठा और घुटने टेके, और—और अपनी पत्नी को बताया। फोन की घंटी बजने से वो जाग गई थी। और मैंने कहा, “हमें श्रीमती शेफर्ड के लिए प्रार्थना करनी चाहिए, वो एक बहन जिसने फ़ोन किया, जो श्रीमती जेम्स बेल की मित्र है।” सो हमने उसके लिए प्रार्थना की, फिर वापस बिस्तर पर लेट गए।

5 और फिर अगले दिन लगभग दस या ग्यारह बजे, मुझे फिर से एक फोन आया। ये बिली था। और उसने कहा कि यह श्रीमती शेफर्ड नहीं थी, कहा कि यह श्रीमती बेल खुद थी, ना ही श्रीमती बेल की मित्र। “यह श्रीमती बेल थीं, और वो अस्पताल में हैं, बहुत गंभीर हालत में हैं।” और मैं अस्पताल की ओर भागा, लेकिन वह जा चुकी थी। प्रभु ने श्रीमती बेल को घर बुला लिया था।

6 श्रीमती बेल कई वर्षों से यहाँ हमारी कलीसिया में विश्वासयोग्य रूप से हमारे साथ संगति करती रही हैं। उसका पति, जेम्स, और मैं, मेरे पिता के एक साथ मिलकर बाहर काम करते थे, बाहर, बहुत वर्ष पहले, चलाते... मुझे लगता है कि लगभग तीस साल पहले, या उससे भी अधिक समय पहले, हमने पेनसिल्वेनिया से यहाँ कोलगेट में ये रेलवे की छोटी लाइनें बिछाई थीं। और हम बहन बेल से प्रेम करते हैं। वह एक शानदार व्यक्ति थी।

7 और मैं समझता हूँ कि उसे पित्ताशय की थैली की समस्या का गंभीर दौरा पड़ा था, और वे... उसका डॉक्टर, जो उसकी बीमारी को अच्छी तरह से जानता था, उस समय वह शहर से बाहर था। और उसकी जांच के लिए एक नया डॉक्टर आया था, और—और उसने आपातकालीन ऑपरेशन की सलाह दी, और वह इसमें बच नहीं पाई। और—और वह... मुझे लगता है कि वह... जिस तरह से मैं इसे समझता हूँ, कि बहन के नियमित डॉक्टर ने ऑपरेशन को निर्धारित नहीं किया होता, क्योंकि बहन का वजन ज़्यादा था और उसकी पित्ताशय की थैली स्थिति खराब थी। और उसमें पथरी

हो गई थी, मुझे लगता है, या उसमें कुछ तो था, और—और प्रभु दयालु था। उस पर पहले भी ऐसे दौरे पड़े थे और प्रभु ने उसे बहुत बार संभाला था। लेकिन ये बस ऐसा हुआ कि... तो ठीक है, यदि हम इसके पूरी तरह से परिणाम पर आए, तो हम यह कहेंगे: परमेश्वर ने बहन बेल को बुलाया था, और इसे इसी तरह से लिया जाना था, आप देखिए।

8 और कैसे वह चूक... इस बात को मेरे पास लाया गया, कि मैंने सोचा कि यह श्रीमती... कुमारी शेफर्ड थी। मैं कुमारी शेफर्ड को नहीं जानता था। वह महिला आज सुबह यहां हो सकती है, और यदि मैं उसके चेहरे को देखता हूं तो मैं उसे पहचान सकता हूं। लेकिन, यह बताया गया था कि यह एक श्रीमती शेफर्ड थी। और क्या यह सब इसी तरह से इसलिए किया गया था, ताकि यदि ये... यदि मुझे पता होता कि यह श्रीमती बेल उस अवस्था में है, तो संभव है मैं वहाँ पर जाकर तुरंत उसके लिए मध्यस्थता को कर रहा होता। और फिर, देखो, कि, शायद परमेश्वर की मर्जी नहीं थी कि हम ऐसा करें। इसलिए, “हम जानते हैं कि ये सारी बातें मिलकर उनके लिए भलाई को उत्पन्न करती हैं जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं।”

9 और मुझे यकीन है कि बहन बेल हमारे प्रभु से प्रेम करती थी। वह एक भली महिला थी। अब, वो हम में से एक है। यहाँ पर, हमारे पास रंग का कोई भेदभाव नहीं है। परमेश्वर का परिवार रंग के भेदभाव को नहीं रखता। चाहे हम लाल, भूरे, काले, या पीले हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, या सफेद। यह जो भी हो, हम मसीह में भाई और बहन हैं। और इसलिए हम—हम उससे प्रेम करते हैं। और हम उसे आराधनालय में याद करेंगे। मैं कैसे भूल सकता हूं, बहन बेल को, उन बड़े, जोर से, तेज “आमीनों को” वहां पीछे कोने में सुनता था। और उसे घर ले जाते हुए उससे बात करता, वह प्रभु यीशु के बारे में बात करती।

10 और यदि मैं इसे सही से समझ रहा हूं, मुझे कुछ समय पहले तक पता ही नहीं था, लेकिन मुझे लगता है कि उसका अंतिम संस्कार की सभा को ठीक यहां कलीसिया में किया जाना है। [भाई नेविल कहते हैं, “यह सही है।”—सम्पा।] यह आने वाले मंगलवार को [“एक बजे।”] एक बजे। और मैं सोचता हूं कि आपको और मुझे संचालन करना है [“यह सही है।”] इस अंतिम संस्कार की सभा में।

11 लेकिन, बस हमारी इस सभा में, आज सुबह हम एक सदस्य की कमी

को महसूस कर रहे हैं, हमारी बहन बेल के सम्मान में, आइए बस कुछ क्षण के लिए अपने पैरों पर खड़े हो जाए, जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं।

12 जीवन का परमेश्वर, जो जीवन को देता है और लेता है, जैसा कि पुराने समय के अय्यूब ने कहा था, “प्रभु ने दिया और प्रभु ने ले लिया; प्रभु का नाम धन्य हो।” कुछ वर्षों पहले, आपने बहन बेल को हमारे बीच भेजा, ताकि हमारे साथ परमेश्वर के महान राष्ट्रमंडल की एक नागरिक बने। और हम आपको उस हर एक प्रेरणा के लिए धन्यवाद देते हैं जो वह हमारे लिए थी, किस तरह से वो गीत गाना और गवाही देना पसंद करती थी, और वह आत्मा से इतनी भर जाती थी कि वह चिल्लाती थी और जयजयकार करती थी। और वह यीशु मसीह के सुसमाचार से लज्जित नहीं थी, क्योंकि, उसके लिए, यह उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य थी। उसके वर्षों की संख्या को देखते हुए, और वो समय आता है जब हम सभी को अवश्य ही उत्तर देना है। और आज सुबह आपने उसे हममें से ले लिया है, कि आपकी उपस्थिति में रहे। क्योंकि, यह सचमुच में ऐसा ही है, जब हम यहां से जाते हैं, हम परमेश्वर की उपस्थिति में होते हैं।

13 हे परमेश्वर, हम आपको सभी के लिए धन्यवाद देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसके पति, मेरे मित्र जेम्स को आशीषित करेंगे; उसके बेटे, उसकी बेटियों को, उन सभी को। हम समझते हैं कि उसका लड़का जर्मनी से हवाई जहाज से आ रहा है, जो सशस्त्र सेना बल में काम कर रहा है, कि वो घर आकर, अंतिम सम्मान को दे जो वह धरती पर अपनी दिवंगत मां को दे सकता है। आज सुबह उस नौजवान का हृदय कैसे धड़क रहा होगा। मैं उसके लिए प्रार्थना करता हूँ, प्रभु। परमेश्वर, उसे आशीष दे। जिमी को आशीषित करें, और वह कैसे... उसे वहाँ देखते है, घंटों-घंटों तक परिश्रम करता है, ताकि अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह महान परिवार अलग नहीं होगा, लेकिन परिवार का चक्र उस पार उस देश में अटूट रहेगा।

14 होने पाए, प्रभु, अब हम अपने हथियार और कमर को कस ले, थोड़ा और अधिक कसकर बांध ले, और अब लड़ाई के अंदर उतरे, जितने हमारे पास एक हफ्ता पहले थे, अब उससे एक कम हो गया है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें तैयार करेंगे और हमें मजबूत करेंगे, और हमारी सहायता करेंगे जैसा कि हम आगे बढ़ते हैं, और किसी दिन होने पाये हम सब फिर

से एक साथ दूसरी ओर मिलें। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं।
आमीन।

15 अब होने पाए हमारी प्यारी बहन का प्राण शांति में विश्राम करें। मैं यह कहना चाहूंगा कि उसका—उसका अंतिम संस्कार का प्रचार रविवार को यहां पर किया जायेगा, या मंगलवार को, और हम... जो कोई भी आना चाहता है उसका स्वागत है। मुझे लगता है कि भाई नेविल ने यहां पर व्यवस्था की है, और उनसे अवगत है। अब, आज, मैं बस...

16 देखो, वहां बहुत अधिक लोग नहीं हैं। क्या वहां पीछे भाई और बहन के स्लॉटर के लिए कहीं बैठने के लिए स्थान हो सकता है। मुझे आपका फोन आया, बहन स्लॉटर, और मैं आपके लिए प्रार्थना करने के लिए गया... दूसरी बहन स्लॉटर के लिए, बहन जीन स्लॉटर को रेबिट बुखार हो गया था, अर्थात् टुलारेमिया। निश्चय ही बहन की बुरी स्थिती थी, लेकिन हम परमेश्वर पर भरोसा कर रहे हैं कि वह चंगी हो जाएगी।

17 अब हम कुछ वचन को पढ़ना चाहते हैं। और मैं बस आज सुबह शिक्षा देना चाहता हूं, अपना समय लेते हुए, क्योंकि जब से मैं एरीजोना से वापस आया हूं, तो, मेरा गला थोड़ा सा खरखरा रहा है।

18 और अब, अगले रविवार, मत भूलना, और मैं सोचता हूं कि बिली ने पहले ही उन—उन विज्ञापनों को डाक से भेज दिया है। और ये काफी लंबी सभा होगी, हम सोचते हैं, इसलिए जितना जल्दी हो सके आ जाए। हम आरंभ करना चाहते हैं, ठीक साढ़े नौ बजे, या मेरा मतलब दस बजे आरंभ करेंगे। और हो सकता है, याद रखें, लगभग एक या एक—... हो सकता है, या बारह—तीस, एक बजे, कुछ तो इसी तरह से, तीन या चार घंटे, या उससे अधिक, मैं लेना चाहूंगा, और बस वचनों को लेंगे। अपनी पेंसिल और कागज लाए, और बस इसे लिख कर रखे। कोई भी प्रश्न है, इसे आप पूछें—पूछें, आप देखिये, और हो सकता है हम इसको समझा सकते हैं, जो हम सहायता कर सकते हैं वह करेंगे।

19 अब आइए पहले कुछ वचनों को पढ़ें, अब। मेरे पास बाइबल में तीन स्थानों में से हैं, जिन्हें मैं पढ़ना चाहता हूं। और सबसे पहले उनमें से एक, यदि आप इसे चिह्नित करना चाहते हैं, और यदि आपके पास पेंसिल है, तो मैं आज सुबह उल्लेख करना चाहता हूं, बहुत से लेखों के लिए जो मैं... या मेरा मतलब है, बहुत से वचनों के लिए, जिसका मैं उल्लेख करना चाहूंगा। पहले

पहला पतरस 5:8-10, इफिसियों 6:10-17, और दानिय्येल 12:1-14 होंगे। अब, पढ़ने के लिए, अपना समय लेंगे।

20 और लगभग सभी लोग बैठे हुए हैं। सो, कुछ लोग अभी भी खड़े हैं, वहां पीछे और इस ओर बगल में। लेकिन हम जितनी जल्दी हो सके उसमें से जाने की कोशिश करेंगे और आपको छोड़ देंगे, उसके बाद हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

21 आज सुबह यहाँ एक छोटी महिला लेटी हुई है, जो बहुत ही बीमार है। मैं समझता हूँ कि वह कल बहुत ही बीमार थी। और मैं—मैं बस चाहता था कि वह आज सुबह पहले संदेश को सुने ले, इससे पहले कि मैं उसके लिए प्रार्थना करूँ। और मैं उस छोटी महिला की स्थिति को जानता हूँ। और वह बहुत बीमार है, लेकिन हमारे पास एक महान स्वर्गीय पिता है जो सारी बीमारियों पर जयवंत से भी बढ़कर है। और मेरे पास एक—एक छोटा सा...

22 मैंने श्रीमती वुड्स से पूछा कि क्या वह इसे पढ़ेगी, लेकिन वह—वह ऐसा करने में थोड़ी हिचकिचा रही थी। एक लेख, जहां एक डॉक्टर निश्चित रूप से आश्चर्यचकित हो गया था। जबकि, वह दैविक चंगाई का एक आलोचक था और यहां तक कि किसी को भी अपने ऑफिस में इस बारे में बात नहीं करने देता था; और अपनी नर्स को भी नहीं। तो, ऐसा हुआ, कि एक मरीज था जिसे एक कैंसर की बीमारी थी, एक बड़ा कैंसर। वह उस मामले को अपने हाथ में नहीं लेना चाहता था, इसलिए उसने उसे दूसरे अस्पताल में भेज दिया। वे वहां पर उस मामले को अपने हाथ में नहीं लेना चाहते थे, इसलिए उन्होंने उसे वापस भेज दिया। इसलिए वे... ओह, यह छाती पर था, और यह एक भयानक स्थिति में था। और इसने सारी खाल को खा लिया था। और कैंसर, यह छाती में और पसलियों में चला गया। मैं समझता हूँ आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है।

23 उन्हें नॉर्वे के हमारे छोटे डॉक्टर मित्र मिले जो आज सुबह हमारे साथ बैठे हुए हैं।

24 और उसने अपना सारा डॉक्टर का सामान तैयार कर लिया, क्योंकि उसने कहा कि वह जानता था कि—कि वह चाहती है कि उसका ऑपरेशन करे और स्तन को निकाल दिया जाए। और यह बहुत ही लहलुहान काम था। और—और उसके पास उसकी सारी डिग्रियां और हर एक चीज थी।

नर्स ने महिला को तैयार किया और वो उस महिला को ऑपरेशन के कमरे में ले आयी, और फिर वह औजारों को लेने के लिए वापस चली गई... जिसे डॉक्टर और उसके सहायक नर्स के द्वारा प्रयोग किया जाना था, ताकि स्तन को निकाल सके। और इसलिए उनके पास तौलिये और अन्य चीजें थी जो उस महिला के ऊपर रखी हुई थी। और सो उन्होंने आरंभ किया...

25 जब डॉक्टर पीछे की ओर मुड़ने लगा, उसका पति जानना चाहता था कि क्या वह उस कमरे के कोने में बैठ कर प्रार्थना कर सकता है। वह एक पवित्रता का प्रचारक था। और वह वहां पलंग के पैर के पास बैठ गया, और प्रार्थना कर रहा था। निश्चय ही, डॉक्टर इससे अधिक संतुष्ट नहीं था, आप जानते हैं, वहां पर उस व्यक्ति का होना। लेकिन जब तक वह नहीं देखेगा, और इससे उसे कोई तकलीफ़ नहीं होगी, क्यों, “मैं समझता हूँ कि इसमें कोई बात नहीं; वो मूर्च्छित तो नहीं—नहीं होगा।”

26 इसलिए जब वो बैठा हुआ था, प्रार्थना कर रहा था, वहां कमरे में एक फड़फड़ाहट सी हुई। और डॉक्टर मुड़कर... अपने औजारों को लेता है, ताकि स्तन को निकालना आरंभ करे। वो एक के बाद एक पट्टी को हटाने लगा। तो वहां स्तन पर एक निशान भी नहीं था; यहाँ तक एक भी निशान नहीं। उसने कहा, “क्या—क्या यह ऐसा होता है... क्या यह हटता है?” और उसने आरंभ किया... और नर्स ने अपनी गवाही दी। वे दोनों ही बाहर चले गए और पेंटीकोस्टल बन गए, पवित्र आत्मा से भर हुए, प्रभु की सेवा कर रहे हैं। यहाँ तक एक भी निशान नहीं!

27 डॉक्टर होलब्रूक ने स्वयं गवाही दी, कहा, “इससे एक मिनट पहले वहां, वहां पर वह—वह महिला वहां पर लेटी हुई थी, और वहां नर्स थी, और वह बहुत ही बड़ा कैंसर पूरी तरह उसके स्तन पर उभर आया था। और एक मिनट के बाद, वहां एक निशान भी नहीं था जहां से ये चला गया था।” यह यहां अमेरिका में हमारे अच्छे डॉक्टरों में से एक है। उसने कहा कि उसे उसी समय यकीन हो गया था। और वह, तौभी, वह एक कलीसिया में एक डिकन था। समझे?

28 देखिए, लोग बस सोचते हैं कि कलीसिया कुछ तो ऐसी चीज है जिसमें आप बस ऐसे ही जाते हैं, और ऐसा है, “ओह, तुम वहां जाकर अच्छा बनना सीखते हो, या ऐसा ही कुछ।” मित्र, ऐसा नहीं है। नहीं। परमेश्वर,

परमेश्वर है। वह आज भी उतना ही महान है जितना वह कभी था। और वह हमेशा एक सा रहेगा। और वह एक... हम बस उससे प्रेम करते हैं।

29 अब, हम पहले पतरस से पढ़ना चाहते हैं, 5वां अध्याय, 8वां और 10वां पद, आरंभ करने के लिए।

सचेत हो, ... जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान, ... गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए:

जिसका दृढ़तापूर्वक... विश्वास में सामना करें, यह जानकर उसका सामना करो कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुःख भुगत रहे हैं।

अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिसने तुम्हें यीशु मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुःख उठाने के बाद, आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा।

30 परमेश्वर की स्तुति हो! अब इफिसियों की किताब में। हम यहां इफिसियों की किताब की ओर जाना चाहते हैं, 6वां अध्याय, और 10वें से लेकर 17वें पद को पढ़ना चाहूंगा, मैंने चिह्नित किया है।

अंत में, मेरे भाइयों, प्रभु में, और उसकी सामर्थ के प्रभाव में बलवन्त बनो।

परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, जिससे कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।

क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध मांस और लहू से नहीं, परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, इस संसार के—संसार के अंधकार के उन शासकों से और इस दृष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो ऊंचे ठिकानों में हैं।

इसलिए अपने ऊपर परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो, कि तुम बुरे दिन का सामना कर सको, ... और सब कुछ पूरा करके, स्थिर रह सको।

इसलिये स्थिर रहो, सत्य से अपनी कमर कसकर, ... और धार्मिकता की झिलम पहनकर;

और पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहनकर;

उन सब के बातों से बढ़कर, ... विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो, जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको।

और उद्धार का टोप और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो:

31 अब दानियेल की किताब में से, मैं कुछ और भी पढ़ना चाहूंगा। अब, दानियेल 12वां अध्याय। मैं 1ले पद से आरंभ करना चाहता हूँ, और इसके एक—एक लंबे भाग को पढ़ना चाहता हूँ, चौदह पदों तक।

और उसी समय... मीकाएल नाम बड़ा प्रधान जो तेरे जाति-भाइयों का पक्ष करने को खड़ा रहता है, वह उठेगा: तब ऐसे... संकट का समय होगा, जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी न हुआ होगा: परन्तु उस समय तेरे लोगों में से जितनों के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुए हैं, वे बच निकलेंगे।

और बहुत से जो धरती की मिट्टी में सोए रहेंगे वे लोग जाग उठेंगे, और कितने तो सदा के जीवन के लिये, ... कितने अपनी नामधराई और सदा तक अत्यन्त घिनौने ठहरने के लिये।

और तब सिखाने वालों की चमक आकाशमण्डल की सी होगी; और वे जो बहुतों को धर्मी बना देते—बना देते हैं वे हमेशा और हमेशा के लिए तारों की नाई प्रकाशमान रहेंगे।

परन्तु हे दानियेल, तू इस—इस... पुस्तक पर मोहर करके इन वचनों को अन्त समय तक के लिये बन्द रख: बहुत लोग पूछ-पाछ और ढूँढ़-ढाँढ़ करेंगे, और इस से ज्ञान बढ़ भी जाएगा।

और यह सब सुन मुझ दानियेल ने दृष्टि करके क्या देखा कि और दो पुरुष खड़े हैं, ... एक तो नदी के इस तीर पर है, और दूसरा... उस नदी के उस तीर पर है।

और तब जो पुरुष सन का वस्त्र पहने हुए नदी के जल के ऊपर था, तो उस पुरुष से एक ने पूछा, इन... आश्चर्यकर्मों का अन्त होने में कितना समय लगेगा?

तब जो पुरुष सन का वस्त्र पहिने हुए नदी के जल के ऊपर था उसको सुना, जब उसने मेरे सुनते दाहिना और बायाँ अपने दोनों हाथ स्वर्ग की ओर उठाकर, और जो युगानुयुग जीवता है उसकी शपथ खाकर कहा, कि ये दशा साढ़े तीन काल के समय तक ही रहेगी; और जब वो पवित्र लोगों की सामर्थ को तितर-बितर कर चूका होता है, ... तो यह बातें पूरी हो जाएगी।

32 मैं सोचता हूँ कि मैं ठीक यहाँ पर रुक जाऊंगा। मैं एक विषय को लेना चाहता हूँ, यदि वहां से इसके एक विषय को लिया जाए, उसमें से, इसके निष्कर्ष को निकालने के लिए: सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी लड़ी गई। यही है जो मैं एक विषय के लिए उपयोग करना चाहता हूँ।

33 अब, मैं आज सुबह के लिए इस विषय पर किस तरह से आया: हम अभी-अभी वापस आए हैं; कुछ ट्रस्टी, जो यहां कलीसिया में है, और मैं स्वयं, हम बाहर एरीजोना में थे। और हम वास्तव में फिनिक्स में एक सभा को करने के लिए गये थे, भाई शरिट के साथ, उसके आराधनालय में। लेकिन जब मैंने पाया कि एक—एक भाई शहर में था, वो एक तंबू में सभा को कर रहा है, तो, तब मुझे एक सभा को रखने के विषय में थोड़ी हिचकिचाहट महसूस हुई। मैंने सोचा कि हो सकता है मैं इसे रविवार की दोपहर को लूँ ताकि उनकी कलीसिया में कोई भी परेशान ना हो। लेकिन, पता चला, कि उसके पास रविवार दोपहर की सभायें भी थी। और मैं एक—एक सभा को लेने के विषय में थोड़ा चिंतित था।

34 और इसलिए जैसे कि हम शिकार पर थे, हम भाई लोग बजाए इसके कि हम दिन भर वहीं रहे, हम शहर में चले गए, और तैयार हो गए, और भाई ऐलन की सभाओं में चले गए। भाई ए.ए. ऐलन सभाओं को ले रहे थे। इसलिए हम सभाओं में गए, और भाई ऐलन ने एक जबरदस्त उपदेश को प्रचार किया। हमारे पास एक—एक समय था, एक अच्छा समय, भाई ऐलन को सुनते हुए, उन—उन गीत गाने वालों को सुनते हुए, और इत्यादि, उन्होंने जिस तरह से गाया, और जयजयकार किया, और यह एक महान सभा थी।

35 और फिर हमने देखा, सारे रास्ते भर, प्रभु का हाथ था। जहां कहीं भी हम गए, प्रभु यीशु हमसे भेंट करता। और जब आप अकेले होते हैं, दूर रेगिस्तान में होते हैं, तो उस अनुभव में कुछ विशेष बात होती है। इसके

विषय में कुछ तो बात है, कि यदि आप कभी इस तरह से अकेले होते हैं, तो वहां कुछ तो होता है जो आपको खींचता है। यही है, मैं सोचता हूं, यही एक कारण है कि मैं उन दूर-दराजों के स्थानों को पसंद करता हूँ। आप शत्रु की शक्ति से दूर हो जाते हैं, इतना अधिक जैसे हम यहाँ उससे दूर हैं।

36 एक शैतान लगभग हानि नहीं कर सकता है जब तक कि उसके पास काम करने के लिए कुछ ना हो। उसके पास... आपको वो मनुष्य याद है वे दुष्टात्मायें जिसमें से सेना के दल को बाहर निकाला गया था? उनके पास... वे और अधिक नुकसान पहुँचाना चाहती थी, इसलिए वे सूअरों के झुंड में जाना चाहती थी। इसलिए, शैतानों के पास काम करने के लिए कुछ तो चीज होना चाहिए, कोई तो जिसके ज़रिए से वे काम कर सकें।

37 और इसी तरह से परमेश्वर भी करता है। उसे हमारी आवश्यकता है। वो हम पर निर्भर रहता है, कि हमारे ज़रिए से काम कर सके।

38 और जब हम यात्रा पर थे, तब बहुत से लोग सपनों के साथ हमारे पास आए। और प्रभु यीशु कभी भी विफल नहीं हुआ, लेकिन सही अनुवाद को सही तरह से दिया, और बस वैसे ही, ये बिल्कुल ठीक उसी तरह से होता है।

39 और फिर वह हमारे लिए भला था, कि हमें शिकार की ओर अगुवाई करें और हमें बताएं कि यह कहां पर था। और, आप जानते हैं, बस इस तरह से उसका आसपास होना, यह बस अद्भुत बात है। वहां पर, रात को, शिविर में आग को जलाकर उसके चारों ओर बैठना, हर किसी से दूर, मीलों और मीलों और मीलों तक, और उस—उस चट्टानी किनारों के चारों ओर शिविर में टिमटिमाती हुई जलती हुई आग को देखना। और, ओह, यह जबरदस्त था!

40 वहां एक भाई था, जो अपनी पत्नी की बात को लेकर उसके साथ परेशान था, जिसमें... कई वर्ष पहले, उसकी पत्नी ने सभा में अपना सिर को ऊपर उठाया, जहां पर मैं सभा ले रहा था। और मैंने उनसे अपने सिर को नीचे रखने के लिए कहा था; वहां एक दुष्ट आत्मा थी जो एक—एक स्त्री को मंच पर नहीं छोड़ रही थी। और उस महिला ने, बस इस बात की परवाह नहीं की, किसी भी तरह से अपना सिर ऊपर उठाया। और आत्मा ने स्त्री को मंच पर छोड़ दिया, और उसके पास चली गई। और यह लगभग चौदह वर्ष की बात है, और महिला की स्थिति गंभीर है; इतना अधिक,

यहां तक कि मानसिक रूप से भी, यहाँ तक कि वह बस ऐसी बातों को करती है जो यहां तक कि सही भी नहीं है। उदाहरण के लिए, उसने अपने ही पति को छोड़ दिया और दूसरे पुरुष से विवाह कर लिया जिस समय वह अपने पति के साथ रह रही थी; उसने दावा किया कि वह नहीं जानती थी कि उसने ऐसा किया है। और इसलिए उन्होंने—उन्होंने इसके लिए उसे जांचने की कोशिश की... आप इसे क्या कहते हैं, जब आप... भूलने की बीमारी? यह... ओह, जो भी इसका नाम है। मुझे लगता है कि यह सही है, डॉक्टर। लेकिन यह ऐसा नहीं था। यह एक आत्मा थी। और वह... और वह स्त्री मेरी एक अच्छी मित्र थी। लेकिन उस रात से लेकर, उसके बाद से, उसने किसी इरादे से मुझसे घृणा की। निश्चय ही, आप देख सकते हैं कि ऐसा क्यों था।

41 लेकिन फिर जब उसका पति आया, और हमने कमरे में प्रार्थना करने के लिए घुटने टेके, तब पवित्र आत्मा नीचे उतर आया। ऐसा ही था। तब वो उस रात उसके पति को एक सपने में दिखाई दिया। वह एक सपने के साथ वापस मेरे पास आया, उसने सोचा कि यह मजाक था। बाद में पता चला, कि यह वास्तव में उसकी पत्नी की चंगाई का वही उत्तर था। किस तरह से पवित्र आत्मा ने व्यवहार किया!

42 आगे ट्यूसान के अंदर, भाई नोरमन और उन लोगों के साथ, और वहां प्रभु ने फिर से महान, सामर्थी चीजों के साथ काम करना आरंभ किया और बातों को प्रकट किया।

43 एक रात, जिसने मुझे यहां इस निष्कर्ष तक पहुंचाया, मैं भाई वुड और भाई सोथमन के साथ खड़ा हुआ था। और हम... ये रात के लगभग दस बजे थे, और और मैं आसमान की तरफ देख रहा था, और मुझ पर एक गहरा भय छा गया। और मैंने कहा, “जरा देखो! वे सारी महान, स्वर्गीय समूह!” और मैंने कहा, “हर एक चीज पूरी तरह से तालमेल में है।”

44 और भाई वुड ने कहा, “दो छोटे तारों की ओर देखते हुए जो आपस में इतने नजदीक है, कि, मानो वे एक ही रोशनी के तरह हो।”

45 मैंने कहा, “लेकिन, आप जानते हैं, भाई वुड, विज्ञान के अनुसार, उस तारामंडल में, छोटे तारामंडल में, बड़े तारामंडल में, वे तारे लगभग दो इंच से अधिक दूर नहीं दिखते; और हालांकि वे एक दूसरे से बहुत ही दूर होते हैं उतना ही जितना कि हम उनसे दूर हैं। और यदि वे इस पृथ्वी

की ओर आना आरंभ करे, यह हजारों मील प्रति घंटे की गति से आते हैं, तो इससे उन्हें धरती पर पहुंचने में सैकड़ों और सैकड़ों वर्ष लग जायेंगे।” और मैंने कहा, “इस यहाँ पूरी बड़ी, विशाल प्रणाली में, और फिर भी वे हमें बताते हैं कि वे दूरबीनों में से होकर देख सकते हैं, और वहाँ बाहर करोड़ प्रकाश वर्ष वहाँ बहुत ही दूर तक देख सकते हैं; और वहाँ अब भी चाँद और तारे हैं। और—और, फिर भी, परमेश्वर ने उनमें से हर एक को बनाया। और वह उनके बीच में विराजमान है।”

46 और मैंने कहा, “उसी में कहीं, मुझे एक बार एक वेधशाला में दिखाया गया था, उस नक्षत्र में; जिसकी शुरुआत कन्या राशि से होती है, फिर कर्क राशि के युग से गुजरते हुए आगे बढ़ती है, और अंत में सिंह राशि, यानी लियो द लायन पर जाकर खत्म होती है। मसीह का पहला आगमन, कुंवारी के द्वारा; दूसरा आगमन, यहूदा के गोत्र के सिंह के द्वारा होता है।” और मैंने कहा, “मैंने उस नक्षत्र को देखने की पूरी कोशिश की है, और मैं इसे नहीं देख सकता। लेकिन, फिर भी, यह वहाँ पर है। वे जो प्रशिक्षित हैं, वे जानते हैं कि यह वहाँ पर है। अय्यूब ने इसे देखा। बहुत लोग इसे देखा करते थे। यह एक समय पर, ये एक बाईबल थी। लेकिन उन करोड़ों और अरबों प्रकाश के—के वर्षों के उस पूरे विशाल समूह में, परमेश्वर इन सब के बीच में विराजमान है, और वह नीचे की ओर देखता है। पौलुस वहाँ पर है। मेरी मां वहाँ पर कहीं तो है, नीचे देख रहे है।”

47 और मैंने उस स्वर्गीय सेना की व्यवस्था क्रम के बारे में सोचा, उनमें से एक भी अपने स्थान से नहीं हटता है। हर एक जन उसके समय को सिद्ध तरीके से बनाए रखता है। परमेश्वर की महान सेना! मैंने उन सैनिकों के विषय में सोचा; किस तरह से यदि वो चन्द्रमा उसके व्यवस्था क्रम से बाहर हो जाए, तो बस कुछ ही मिनटों में धरती फिर से पानी से ढँक जाएगी। धरती ठीक वैसी ही हो जाएगी जैसी यह तब थी जब परमेश्वर ने इसका उपयोग करने का निर्णय लिया, क्योंकि उसे हमें यहां इस पर रखना था। “यह धरती बैडोल थी, और सुनसान थी, और घोर अंधकार छाया हुआ था, और धरती के ऊपर जल था।” और यदि वह चंद्रमा अपने स्थान से कभी हट जाता है, तो यह फिर से उसी चीज को करेगा। जब चंद्रमा पृथ्वी से थोड़ा दूर हटने लगता है, तो ज्वार उठने लगता है। और जब यह नीचे जाता है, तो समुद्र का पानी भी उसी ज्वार के साथ नीचे चला जाता है। यह परमेश्वर की महान सेना है। और जब मैंने इस विषय में सोचा... कि

परमेश्वर की महान सेना वहां पर है...

48 अब, हम बिस्तर पर चले गए। और फिर मैं सोचने लगा कि उनमें से एक भी अपने स्थान से नहीं हटता है। वे सब अपने स्थान पर व्यवस्थित बने रहते हैं। और यदि उनमें से किसी की, कहीं भी, हलचल होती है, तो वह किसी कारण से होती है, और ये इस धरती को प्रभावित करेगा। हम बस अभी इसके परिणाम को देख रहे हैं, उनमें से कुछ अपने दूसरे स्थानों में आगे बढ़ रहे हैं। यह प्रभावकारी है। यह हर चीज को प्रभावित करता है।

49 और मैंने सोचा, तब, यदि वो महान स्वर्गीय सेना, इस प्रकार की, उसे अपने स्थान में बने रहना होता है, ताकि हर एक चीज को व्यवस्था क्रम में बनाए रखें, तो धरती पर की सेना के अपने व्यवस्था क्रम से हटने के विषय में क्या है? कैसे, जब कोई एक व्यवस्था क्रम से बाहर हो जाता है, कैसे यह सभी चीजों को अस्त-व्यस्त कर देता है! परमेश्वर की सारी योजना गड़बड़ा जाती है, जब एक सदस्य व्यवस्था क्रम से बाहर होता है। हमें निरंतर आत्मा के व्यवस्था क्रम को बनाए रखने का प्रयास करते रहना चाहिए।

50 और आज सुबह मैं परमेश्वर से यही विनती करता हूँ, कि हम इस सभा को वास्तव में एक सच्ची चंगाई की सभा में लेकर आए, कि हम इस भाग को रख सके... ये झुण्ड जिसे हमने आज सुबह छत के नीचे इकट्ठा किया है, इस तरह के एक तालमेल में, कि पवित्र आत्मा देह के हर एक सदस्य को स्थान में रखे, जो आज सुबह यहां पर है, ऐसे तालमेल में, यहाँ तक कि वहां प्राण और शरीर की ऐसी सहज चंगाई हो जायेगी, यदि हम बस अपने स्थानों को पकड़े रहेंगे।

51 अब, जैसा कि मैंने आरंभ में कहा था, यह महिला जिसे कैंसर था जिसे डॉक्टर होलब्रूक ने लिया... उसका ऑपरेशन करने जा रहे थे। अब, वही परमेश्वर जिसने उस अस्पताल के अंदर फड़फड़ाने की आवाज को उत्पन्न किया, और यहाँ तक बिना कोई निशान छोड़े उस कैंसर को ले लिया, क्या आप नहीं जानते कि वही परमेश्वर यहां पर है? और केवल एक चीज जिसकी वह प्रतिक्षा कर रहा है, वह है कि उसकी—उसकी सेना उनके स्थान को ले ले, जैसे तारें, अपने स्थान को लेते हैं।

52 अब, क्या आप जानते हैं, हमारे पास युद्ध के बाद युद्ध हुए हैं, और युद्धों की अफवाहें भी मिलती हैं? और यदि धरती बनी रहती है, तो हमारे

पास और भी बहुत से युद्ध होंगे। लेकिन क्या आप महसूस करते हैं कि वास्तव में संपूर्ण जगत में केवल दो ही शक्तियाँ हैं? राष्ट्रों के बीच हमारे सारे मतभेद, और एक दूसरे के बीच मतभेद, और हर एक चीज, ये सब अंततः दो शक्तियों पर आकर ठहर जाती हैं। वहां केवल दो शक्तियाँ हैं, और वहां केवल दो ही राज्य हैं; दो शक्तियाँ, और दो राज्य। बाकी के सब, बहुत छोटी-छोटी चीजें, उन शक्तियों में से किसी एक के साथ जुड़ी हुई हैं। और वे शक्तियाँ परमेश्वर की शक्ति और शैतान की शक्ति हैं। यही है जो... हर एक युद्ध, हर एक अव्यवस्था, हर चीज जो घटित होती है, यह या तो परमेश्वर की शक्ति के द्वारा नियंत्रित होती है या शैतान की शक्ति के द्वारा, क्योंकि वहां केवल दो ही शक्तियाँ हैं। और यही जीवन की शक्ति और मृत्यु की शक्ति है। अब, यही केवल दो शक्तियाँ हैं।

53 और शैतान केवल... उसकी शक्ति, जो उसके पास है, ये परमेश्वर की शक्ति का बिगड़ा हुआ रूप है। यह कोई असली शक्ति नहीं है। यह परमेश्वर की शक्ति का बिगड़ा हुआ रूप है, हर एक चीज जो शैतान के पास है। मृत्यु ये जीवन का केवल एक बिगड़ा हुआ रूप है। एक झूठ ये केवल सत्य है जिसे गलत बताया गया है। समझे? व्यभिचार ये एक—एक दुरुपयोग की गई क्रिया है, एक धर्मी क्रिया का दुरुपयोग। समझे? हर एक चीज जो शैतान के पास है यह कुछ तो ऐसा है जो बिगड़ा हुआ रूप है, लेकिन यह एक शक्ति है।

54 और हम आज यहां पर बैठे हुए हैं, और कोई ना कोई एक शक्ति हमें नियंत्रित करने जा रही है। तो आइए हम उस दुष्ट को बाहर निकाल दें। आइए हम आकाश के तारों के समान अपने स्थान को लें।

55 जैसा कि बाईबल कहती है, “भटकते तारे,” यहूदा की किताब में, “जो अपनी लज्जा का फेन उछालते हैं।” और हम भटकते तारे नहीं बनना चाहते; सोचता हूं कि क्या यह सही है, सोचता हूं कि क्या वो सही है, सोचता हूं कि क्या यह ऐसा होगा, सोचता हूं यदि... यह कैसे हो सकता है। भटको मत। आकाश के उन तारों के समान बने रहो, एक सच्चे सैनिक के समान जो अपने कर्तव्य के पद पर होता है। वहां खड़े रहे, विश्वास करते हुए! जीवन और मृत्यु।

56 अब, एक सेना, जब वास्तव में एक सेना, एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के विरोध में जाने के लिए तैयार होता है, इसे पहले बैठ कर सोचना चाहिए कि क्या

सही है और क्या गलत है, और क्या वे अगले राष्ट्र के विरोध में जा सकते हैं या नहीं। यही यीशु ने सिखाया। और यदि लोग ऐसा करते हैं, यदि राष्ट्र वहां बैठ कर—बैठ कर, और रुक कर और उन बातों पर सोचें, दोनों ओर से, तो हमारे पास अब और युद्ध नहीं होगा।

57 अब, हमें पता चलता है, यदि कोई मनुष्य ऐसा नहीं करता है, यदि राष्ट्र के सैन्य प्रमुख सबसे पहले बैठकर, और समझते और देखते नहीं हैं कि वे सही हैं, और उनके उद्देश्य और लक्ष्य सही हैं, और यदि उनके पास विरोधी सेना पर जय पाने के लिए पर्याप्त शक्ति और सामर्थ्य है, तब उनका हारना निश्चित है।

58 यही है जहां जनरल कस्टर ने अपनी घातक गलती की। जनरल कस्टर, जैसा कि मैं समझता हूं, उसके पास सरकार से आदेश था, सिओक्स के देश के अंदर मत जाना, क्योंकि यह उनके लिए धार्मिक समय था। यह आराधना का समय था। उनके यहाँ एक पर्व का उत्सव हो रहा था। लेकिन कस्टर नशे में था, और उसने सोचा कि वह बस किसी भी तरह से ऐसा करेगा। वो उस पार जाएगा, चाहे उसके पास यह आदेश हो या आदेश न हो। और तब उन्होंने असल में कुछ निर्दोष लोगों पर गोली चलाई। मैं सोचता हूं कि उन्होंने उनमें से कुछ लोगों को लगी। यह खोजी लोग थे, जो बाहर भोजन के तलाश में निकले थे, अपने—अपने लोगों को खिलाने के लिए, जब वे आराधना में थे। और कस्टर ने उस पार जाते हुए, उन्हें देखा, और उसने सोचा कि वे उनके दूसरे पक्ष के लोग हैं, और इसलिए उन्होंने इन खोजियों पर गोली चला दी। और ये खोजी लोग बच निकले, वे वापस चले गए। उन्होंने क्या किया? उन्होंने अपने आप को हथियारबंद किया, और यहाँ पर वे आ गए। और यही जनरल कस्टर का अंत था, क्योंकि उसने बैठकर इस पर पहले विचार नहीं किया।

59 उसका वहां कोई काम नहीं था। उसके पास वहां पर जाने का कोई अधिकार नहीं था। उसने इंडियन लोगों को पूर्वी तट से बाहर निकाल दिया था, वहां से बहुत ही दूर पश्चिम की ओर, जो भी है। और उनका एक समझौता हुआ था, लेकिन उसने समझौते को तोड़ दिया। और जब उसने समझौते को तोड़ा, तब वह लड़ाई हार गया।

60 और वैसे ही एक सेना में, पहले, एक लड़ाई की तैयारी में, सबसे पहले कुछ सैनिकों का चयन करना होता है। उन्हें लड़ाई करने के लिए वस्त्रों को

पहनना होता है। उन्हें लड़ाई करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

61 और मैं विश्वास करता हूँ कि अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी लड़ी गई थी, ये अब वह क्रिया में आने के लिए तैयार है। मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर अपने सैनिकों का चयन कर रहा है। मैं विश्वास करता हूँ कि वह उन्हें वस्त्रों को पहना रहा है, उन्हें प्रशिक्षण दे रहा है। और लड़ाई का मोर्चा अब तैयार है, लड़ाई शुरू करने के लिए तैयारी हो रही है।

62 यह बड़ी, पहली लड़ाई जो कभी लड़ी गई थी, यह स्वर्ग में आरंभ हुई, जब मीकाएल और उसके दूत लूसिफर और उसके दूतों के विरुद्ध लड़े। यह पहले आरंभ हुआ, पहली लड़ाई स्वर्ग में हुई थी। इसलिए, पाप पृथ्वी पर उत्पन्न नहीं हुआ, यह स्वर्ग में उत्पन्न हुआ।

63 और फिर इसे स्वर्ग से नीचे फेंक दिया गया, स्वर्ग से धरती पर फेंक दिया गया, और मनुष्य जाति पर आ गिरा। उसके बाद ये लड़ाई दूतों से, मनुष्य की लड़ाईयां बन जाती हैं। और शैतान परमेश्वर की सृष्टि को नष्ट करने आया, जिसे परमेश्वर ने अपने स्वयं के लिए बनाया था। वो, शैतान, इसे नष्ट करने के लिए आया। यही उसका उद्देश्य था, कि इसे नष्ट करना था। तब यहाँ धरती पर लड़ाई आरंभ होती है, और हमारे अंदर आरंभ होती है, और तब से यह उग्र होती जा रही है।

64 अब, इससे पहले कि कोई भी युद्ध आमने-सामने की लड़ाई के लिए तैयार हो सके, उन्हें पहले एक सामना करने के स्थान को चुनना होगा, या एक स्थान को चुनना होगा जहाँ पर लड़ाई लड़ी जानी है, एक चुना हुआ स्थान।

65 प्रथम विश्व युद्ध में भी यह ऐसे ही तय किया गया था, एक बेनाम बीच की खाली जमीन और ऐसे ही स्थानों पर जहाँ उन्होंने लड़ाई लड़ी। और उनके पास एक चुना हुआ स्थान होना चाहिए।

66 जैसे जब इस्राएल फिलिस्तीनियों के साथ युद्ध करने के लिए गया, वहाँ हर तरफ एक—एक—एक पहाड़ी थी जहाँ वे इकट्ठा हुए थे। और यही है जहाँ से गोलियत बाहर आया और इस्राएल की सेना को ललकारने लगा। यही है जहाँ पर दाऊद ने उसका सामना किया, घाटी में, जब वो उस छोटी सी खाड़ी के ऊपर से गुजरा जो दो पहाड़ियों के बीच में होकर जाती है, उसने पत्थरों को उठाया।

67 वहां पर एक स्थान को चुना जाना है। और इसमें, वहां एक—एक मध्यवर्ती क्षेत्र है, जो किसी मनुष्य की जमीन नहीं, और वे *यहां* इस स्थान में लड़ते हैं। वे बस ऐसे नहीं करते, एक *यहाँ* पर लड़ेगा, और एक *यहाँ* पर नीचे, और एक *यहाँ* पर दौड़ कर जायेगा। वहां एक लड़ाई का मोर्चा होता है जहां वे आमना-सामना करते हैं और अपनी शक्तियों का परीक्षण करते हैं, जहां हर एक सेना दूसरी सेना के विरुद्ध अपनी शक्ति का परीक्षण करती है, आमना-सामना करने के लिए एक मध्यवर्ती स्थान होता है। अब, इसे (समझने) से चूकना मत।

68 जब यह बड़ी लड़ाई धरती पर आरंभ हुई, तो वहां पर सामना करने के लिए मध्यवर्ती स्थान होना था। वहां लड़ाई को आरंभ करने के लिए एक स्थान को चुना जाना था, और लड़ाई के जोर पकड़ने के लिए। और वह लड़ाई का मैदान मनुष्य के मस्तिष्क में आरंभ होता है। यही है जहां से लड़ाई शुरू होती है। मनुष्य के मस्तिष्क को लड़ाई के स्थान के लिए चुना गया, जहां से इसकी शुरुआत होनी थी, और ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्णय मस्तिष्क से लिए जाते हैं, अर्थात् दिमाग से। अब, उन्होंने इसे किसी संगठन से कभी शुरू नहीं किया। उन्होंने इसे कभी किसी मशीन या यांत्रिक प्रक्रिया से शुरू नहीं किया। लड़ाई का मैदान वहाँ से कभी भी आरंभ नहीं हुआ। इसलिए, वो संगठन कभी भी, कभी भी परमेश्वर का कार्य नहीं कर सकती है, क्योंकि लड़ाई का मैदान, जहां आपको अपने दुश्मन से आमना-सामना करना होता है, यह आपके मस्तिष्क में होता है। आपको अपना चुनाव करना होगा। यह आपसे मिलता है।

69 मैं चाहता हूँ कि यह छोटी लड़की यहां पर है, जो बहुत ही बीमार है, अब इस बात को निश्चित रूप से सुनना, बहुत ही ध्यान से सुनना।

70 निर्णय मस्तिष्क में लिए जाते हैं, अर्थात् दिमाग में। यही है जहां शैतान आपसे मिलता है, और निर्णय होते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने एक मनुष्य को इसी तरह से बनाया है।

71 अब, मेरे पास (यदि आप यहां मेरे लिखी हुई टिप्पणी की ओर देख रहे थे) एक छोटा सा नक्शा बनाया था। ज्यादा समय नहीं हुआ मेरे पास मैंने बनाया था, पर... इसे बोर्ड पर उपयोग किया गया था। मनुष्य जाति को बस एक गेहूँ के दाने के समान बनाया गया है। यह एक बीज है। और मनुष्य जाति एक बीज है। शारीरिक रूप से, आप अपने पिता और माता

के बीज हैं; और वो जीवन पिता से आता है, गूदा माँ से आता है। इसलिए, वो दोनों, वो—वो लहू और अंडा एक साथ आते हैं। और लहू कोशिका में जीवन होता है। और वहां पर यह आरंभ होता है, यह विकसित होता है, उस—उस बालक को बनाता है। अब, किसी भी बीज के पास बाहरी हिस्से पर एक खोल होता है; अंदर गूदा होता है; और गूदे के अंदर जीवन का जीवाणु होता है। तो ठीक है, इसी तरह से हम बने हैं। हम शरीर, प्राण और आत्मा हैं। बाहरी हिस्सा, शरीर, खोल; उसके अंदर, विवेक और इत्यादि, ये प्राण हैं; और प्राण के अंदर, एक आत्मा है। और आत्मा बाकी सभी को नियंत्रित करती है।

⁷² अब, यदि आप घर पहुंचें तो बैठ जाएं, और तीन छोटे-छोटे गोल चक्र को बनाएं। आप पाएंगे कि बाहरी शरीर की पांच चेतनाये होती हैं जिसके द्वारा संपर्क किया जाता है, और यह है देखना, चखना, महसूस करना, सूंघना, सुनना। यही वो पांच चेतनाये हैं जो मानव शरीर को नियंत्रित करती हैं।

⁷³ शरीर के अंदर एक प्राण होता है, और वो प्राण कल्पनायें, विवेक, याददाश्त, तर्क—वितर्क, और लगाव के द्वारा नियंत्रित होता है। यही वो चीजें हैं जो प्राण को नियंत्रित करती हैं।

⁷⁴ लेकिन, आत्मा, इसकी केवल एक ही चेतना होती है। वो आत्मा... ओह, आइए इसे समझो। आत्मा के पास एक ही चेतना होती है, और वो चेतना, या तो इस पर अधिकार करती है, वो है या तो विश्वास या संदेह। बिल्कुल ऐसा ही है। और इसके लिए केवल एक ही मार्ग है, वह स्वतंत्र नैतिक इच्छा है। आप संदेह को स्वीकार कर सकते हैं या तो आप विश्वास को स्वीकार कर सकते हैं, या दोनों में से एक जिस पर आप काम करना चाहते हैं। इसलिए, शैतान मूल भाग से आरंभ करता है, ताकि मनुष्य की आत्मा को परमेश्वर के वचन पर संदेह उत्पन्न करवा सके। परमेश्वर मूल भाग से आरंभ करता है, कि अपने वचन को उस आत्मा में रखे। वहां आप हो। यही है जो इसे करता है।

⁷⁵ यदि यह कलीसिया को, ठीक अभी एक साथ रखा जा सके, और इस तरह से एक साथ बुनी हुई हो कि हर एक व्यक्ति एकमत हो, जिसमें कहीं भी संदेह की एक छाया भी ना हो, तो अगले पांच मिनट में, हमारे बीच में वहां एक भी कमजोर व्यक्ति नहीं रहेगा। वहां कोई भी ऐसा नहीं होगा जो

यहाँ पवित्र आत्मा की इच्छा रखता हो, वो इसे ग्रहण ना करे, यदि आप बस उस निश्चित चीज को सही कर सकते हैं। अब, यही है जहां से लड़ाई आरंभ होती है, ठीक आपके मस्तिष्क में, कि आप चाहते हैं या नहीं चाहते।

76 अब याद रखें, यह मसीही विज्ञान नहीं है, अब, अर्थात् चीजों पर मस्तिष्क का नियंत्रण। यह नहीं... मस्तिष्क जीवन को स्वीकार करता है, जो कि परमेश्वर का वचन है, और वहां जीवन को लाता है। ऐसे ही आपका विचार इसे नहीं करता है। लेकिन, परमेश्वर का वचन, आपके सोच के चैनल या रास्ते से अंदर लाया जाता है। देखो? यह मनुष्य की सोच नहीं है, जैसा कि मसीही विज्ञान इसे बनाता है, अर्थात् चीजों पर मस्तिष्क का नियंत्रण। नहीं। यह ऐसा नहीं है।

77 लेकिन, आपका मस्तिष्क इसे स्वीकार करता है। यह इसे अंदर लेता है। आपका मस्तिष्क किसके द्वारा नियंत्रित होता है? आपकी आत्मा के द्वारा। और आपकी आत्मा परमेश्वर के वचन को पकड़ती है, और यही वो चीज है जिसमें जीवन होता है। यह आपके अंदर जीवन को लाता है। ओह, भाई! जब यह बात जगह लेती है, जब जीवन उस चैनल या रास्ते से नीचे आता है, आपके अंदर, परमेश्वर का वचन आप में प्रगटीकरण में आता है। “यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे, तो जो चाहो मांगो और यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।”

78 तो यह क्या करता है? हृदय के बीच से, जो कि प्राण है, वहां से आगे बढ़ता है, जो हर एक चैनल या मार्ग को पोषित करता है। परेशानी यह है, कि हम यहां पर बहुत से संदेह के साथ खड़े होते हैं, जो वहां बाहर है उसे स्वीकार करने की कोशिश करते हैं। आपको उसे रोकना ही होगा; और परमेश्वर के सच्चे वचन के साथ उस चैनल या रास्ते पर आना होगा, और फिर यह अपने आप ही बाहर प्रकट होगा। असल चीज़ तो वह है जो आपके अंदर है। जो मायने रखता है, ये अंदर है।

शैतान की पहुँच ये अंदर से होती है।

79 अब, आप कहते हैं, “मैं चोरी नहीं करता। मैं शराब नहीं पीता। मैं इन कामों को नहीं करता।” इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

80 देखो, यह तो अंदर है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने अच्छे हैं, आप कितने नैतिक हैं, आप कितने सच्चे हैं, इन बातों का सम्मान किया जाता है। लेकिन यीशु ने कहा, “जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना ले।”

समझे? वहां भीतर अवश्य ही कुछ तो घटित होना है। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो यह बनावटी दिखावा है, क्योंकि कुछ भी हो आप अपने हृदय में इसे करने की इच्छा रखते हैं। यह बनावटी नहीं हो सकता। इसे वास्तविक होना है।

81 और इसके आने का वहां केवल एक ही मार्ग हो सकता है, और यह स्वतंत्र नैतिक इच्छा के द्वारा होता है, आपके विचार करने के माध्यम से प्राण के अंदर आता है। “जैसा मनुष्य अपने हृदय में सोचता है, वैसा ही वो है।” “यदि तुम इस पहाड़ से कहो, ‘हट जा,’ और अपने हृदय में संदेह ना करो, लेकिन विश्वास करो कि जो तुमने कहा है वो हो जाएगा, तो तुम्हारे पास वो हो सकता है जो तुमने कहा है।” आप इसे समझ गए? वहां आप वहां है। समझे? वहां लड़ाई का मैदान है। यदि आप केवल पहले इसे आरंभ करते है।

82 हम चीजों को होते हुए देखने के लिए बहुत अधिक उत्सुक हैं। हम परमेश्वर के लिए कुछ करने के लिए बहुत अधिक उत्सुक हैं। यह छोटी महिला ना... वो उत्सुक है, कोई संदेह नहीं, जीने के लिए उत्सुक है। वह चंगी होना चाहती है। दूसरे लोग यहां पर हैं, चंगा होना चाहते हैं। और जब हम उस बीमारी के बारे में सुनते हैं, जैसे डॉक्टर, मरे हुआ का पुनरुत्थान, वे महान सामर्थी काम जो हमारे परमेश्वर ने किए है, तब हम उत्सुक हो जाते हैं। और बात ऐसी है, हम इन चेतनाओं के जरिये से पहुँचने की कोशिश करते है, ताकि यहां किसी बात को पकड़ ले, जैसे कि विवेक।

83 बहुत से लोगों ने, बहुत बार, वचन का गलत अर्थ निकाला है। और इसके द्वारा मुझे गलत समझा गया है, वेदी की पुकार की बात को लेकर। मैंने कहा, “मैं वेदी की पुकार पर ज्यादा जोर नहीं देता हूँ,” इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको वेदी की पुकार नहीं करनी चाहिए।

84 लेकिन कोई तो किसी के हाथ को पकड़कर, कहे, “ओह, भाई जॉन, तुम जानते हो क्या? मैं और तुम इसने समय से पड़ोसी रहे हैं। यहां वेदी पर आ जाओ, यहाँ आगे आ जाओ।” वो क्या कर रहा है? काश मेरे पास यहां एक ब्लैकबोर्ड होता, मैं आपको दिखा सकता था कि वह क्या कर रहा है। वह उसके प्राण के जरिए से लगाव पर काम करने की कोशिश कर रहा है। यह काम नहीं करेगा। यह उचित मार्ग नहीं है। निश्चय ही, ये ऐसा नहीं है।

85 हो सकता है वो उसमें काम कर रहा हो (किसमें?) एक याददाश्त में, अर्थात् उसके प्राण की चेतना में से होते हुए। “ओह, भाई जॉन, तुम्हारी माँ बहुत ही अच्छी थी। वो बहुत समय पहले मर गई।” एक याद! समझे? आप ऐसा नहीं कर सकते।

86 इसे स्वतंत्र नैतिक इच्छा की रेखा पर आना होगा। आप, स्वयं से, परमेश्वर के वचन को... आप इसलिए नहीं आते क्योंकि आपकी माँ एक अच्छी महिला थी। आप इसलिए नहीं आते क्योंकि आप एक अच्छे पड़ोसी हैं। आप इसलिए आते हैं क्योंकि परमेश्वर आपको आने के लिए बुलाता है, और आप उसे उसके वचन के आधार पर स्वीकार करते हैं। यह वचन ही है जो हर एक चीज में मायने रखता है। वो वचन! यदि आप हर एक चीज को रास्ते के एक ओर रख सकते हैं, सारा विवेक, सारी चेतनाओ को, और बस वचन को अंदर आने देते हैं, वह वचन बिल्कुल ठीक वही उत्पन्न करेगा।

87 यहाँ, देखा कि यह किससे ढका हुआ है? आप कहते हैं, “ठीक है, अब,” आप कहते हैं, “तो ठीक है, ये, विवेक और चेतनाएँ, और इत्यादि चीजें, क्या इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है, भाई ब्रन्हम?” निश्चय ही, इसका लेना-देना है। लेकिन यदि आप वचन को अंदर आने देते हैं, और उसे अपने विवेक से ढाँप देते हैं, तो यह बढ़ नहीं सकता; यह एक विकृत शब्द बन जाएगा।

88 क्या आपने कभी ज़मीन में बोए गए मक्के के किसी अच्छे दाने को देखा है, जिसके ऊपर कोई लकड़ी गिर गई हो? वह टेढ़ा-मेढ़ा ही बढ़ेगा। कोई भी बेल या कोई भी चीज़ जो ऊपर बढ़ती है, वह टेढ़ी हो जाएगी, क्योंकि किसी चीज़ ने उसकी बढ़त में रुकावट डाली है।

89 तो, आज हमारे पेंटीकोस्टल विश्वास के साथ यही मामला है। हमने बहुत सी चीज़ों की इस पर रुकावट को आने दिया है, उस विश्वास पर जो हमें सिखाया गया है, वो पवित्र आत्मा जो हम में रह रहा है। हमने बहुत सी चीज़ों को छोड़ दिया है, किसी ओर की ओर देखते हुए।

90 और शैतान हमेशा ही आपको किसी की असफलता की ओर संकेत करने की कोशिश करता है, लेकिन वह आपको सच्ची गवाही से दूर रखने की कोशिश करता है जो कि सच्ची गवाही है। वह आपको एक ढोंगी की ओर संकेत करेगा, कभी तो, जो किसी चीज़ की नकल करते हुए बाहर चला

गया। वो इसे नहीं कर पाया, क्योंकि वह नकल कर रहा था। लेकिन यदि यह परमेश्वर के वचन के सच्चे स्रोत से आता है तो, “आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा,” इसे वहीं पर बने रहना है।

आप इसे देख रही हैं, बहन?

91 इसे अवश्य ही मस्तिष्क में स्वीकार किया जाना चाहिए, उसके बाद इसे हृदय से विश्वास करना है। तब परमेश्वर का वचन एक वास्तविकता बन जाता है, तब प्राण और शरीर की हर एक चेतना पवित्र आत्मा से बस शुद्ध हो जाती है। तब आपकी परमेश्वर की चेतना, परमेश्वर का आपका विवेक, हर एक चीज जो भक्ति से भरी है, आपमें से होते हुए बहती रहती है। कहीं भी कोई संदेह नहीं होता है। वहां कुछ भी ऊपर नहीं उठ सकता है।

92 वहां याददाश्त में कुछ भी ऊपर नहीं आ सकता है, और कहे, “ठीक है, मुझे याद है कुमारी जोन्स ने परमेश्वर पर भरोसा करने की कोशिश की थी, और कुमारी फलां-और-फलां। कुमारी डोव ने चंगाई के लिए परमेश्वर पर भरोसा करने की कोशिश की, और वह विफल हो गई।” समझे?

93 लेकिन यदि उस चैनल या रास्ते को साफ कर दिया गया है और शुद्ध कर दिया गया है, और अंदर से पवित्र आत्मा से भर दिया गया है, जो यहां तक याद भी नहीं आते, कोई फर्क नहीं पड़ता जोन्स के विषय में क्या है और उसने क्या किया। यह आप और परमेश्वर है, एक साथ, और इसके अलावा कोई और नहीं केवल आप दोनों। वहां आप है। वहां आपकी लड़ाई है। उसे आरंभ में ही मार डालो। उसे उसी के रास्ते में पूरी तरह खत्म कर दो। बात यह नहीं है कि आप कितने समय तक युद्ध को रोक कर रख सकते हैं। ये ऐसा है, इसे ठीक अभी रोक दे!

94 यदि आप आते हैं, और उन पुरानी यादों, अपने विवेक और बाकी सब चीजों को पकड़कर रखते हैं, और उन्हीं के बारे में सोचते रहते हैं, “खैर, मैं शायद विफल हो सकता हूं। यह हो सकता है सही ना हो।” आप ऐसा बिल्कुल ना करें।

95 आप हर चीज को एक तरफ रख दे, और उस चैनल या रास्ते को खोल दे, और कहे, “परमेश्वर, आपका वचन अनंत काल तक सच्चा है, और यह मेरे लिए है। यदि सारी कलीसिया विफल हो जाती है, यदि सारी

दुनिया विफल हो जाती है, तौभी मैं विफल नहीं हो सकता, क्योंकि मैं आपके वचन को ले रहा हूँ।” वहां वो लड़ाई है। यही वो बात है।

96 क्यों सर्वशक्तिमान परमेश्वर एक स्त्री के स्तन में से कैंसर को निकालेगा, वहां एक निशान भी नहीं, और एक बालक को पड़े रहने देगा और मरने देगा? नहीं, श्रीमान।

97 कुछ समय पहले एक छोटी लड़की उच्च विद्यालय से यहाँ आई थी। उसकी मां ने मुझे फोन किया, कहा, “भाई ब्रन्हम, मेरी लड़की को हॉजकिन की बीमारी है।” यह कैंसर होता है, जो गांठों में बनता है। और डॉक्टरों ने उसमें से एक टुकड़ा लिया जो उसके गले पर उभर कर आया था, उसे जांच के लिए भेज दिया, और यह पूरी तरह से हॉजकिन की बीमारी थी।

98 इसलिए उसने कहा, “दूसरा एक उभरता है, हो सकता है उसके हृदय पर उभर कर आए। जब ऐसा होता है, तो वह चली जाएगी।” कहा, “उसके पास नहीं... जिस तरह से वे उभर कर आ रहे हैं, कहीं भी, तो उसके पास जीवित रहने के लिए लगभग तीन महीने ही बचे हैं।”

99 माँ ने कहा, “मैं क्या करूँ? क्या उसे वापस विद्यालय भेज दूँ?”

100 कहा, “उसे जाने दो, क्योंकि वह शायद अचानक से चली जाएगी।” और कहा, “बस उसे जाने दो और एक सामान्य जीवन को जीने दो, जैसा वो जी सकती है। उसे इसके बारे में कुछ भी मत बताना।”

इसलिए उस महिला ने मुझसे कहा, “मुझे क्या करना चाहिए?”

101 मैंने कहा, “उसे सामने लाओ और प्रार्थना पंक्ति में खड़ा करो।” और मैंने कहा, “आप उसके साथ आना।” मुझे कुछ अजीब सी अनुभूति हुई।

102 और जब वह छोटी लड़की उस सुबह वहां आयी, श्रृंगार किए हुए नीले दिखने वाले होंठों के साथ, और जैसा कि विद्यालय में होता है। और— और वो छोटी सी लड़की पास से गुजरी। मुझे नहीं पता था कि वह कौन होगी; जो मुझे फोन पर बताने वाली थी। मैंने उसका हाथ पकड़ा। मैंने कहा, “सुप्रभात, बहन।” वह वहां पर थी। वह वही थी। बस कुछ ही क्षणों में, उसकी मां की ओर देखा और उन दोनों को बिना परमेश्वर के देखा, बिना मसीह के। मैंने कहा, “आप इन आधारों पर चंगाई की आशा कैसे कर सकते हैं? क्या आप यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के

रूप में स्वीकार करेंगे? ” मैंने कहा, “क्या आप यहां इस तालाब में आकर और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेंगे? ”

उन्होंने कहा, “हम यह करेंगे।”

103 ओह, आप जानते हैं कि क्या हुआ। वो महिला हो सकती है आज सुबह यहां पर बैठी हुई हो। आप में से बहुत से लोग इस मामले को जानते हैं। भाई माइक ईगन, जो यहां के ट्रस्टी में से एक हैं, इस मामले को देख रहे थे। यह लगभग चार या पांच वर्ष पहले की बात है। छोटी लड़की को वापस डॉक्टर के पास ले गए, यहां तक कि हॉजकिन की बीमारी का एक भी निशान उसमें नहीं मिला था।

104 क्या बात थी? आपको पहले उस चैनल या रास्ते को खोलना था। आपको उस योद्धा को लेना होगा, अर्थात् पवित्र आत्मा को, जिसे लड़ाई में आगे स्थान में रखा गया है, जो परमेश्वर के वचन को लेता है। वो स्वयं वचन है। और वह वहां खड़ा होता है, तब कोई भी इसे रोक नहीं पाएगा। वहां कोई भी नहीं कर सकता... हर एक बाकी के सारे चैनल को साफ़ कर दिया गया है। बिल्कुल उस पुराने बॉयलर की तरह जिसकी चिमनी रुकी हुई हो; यदि आप उसमें आग जलाएं, तो वह आपके बॉयलर को ही उड़ा देगा। यही वो वजह है कि बहुत सारे मसीही अंदर से फूल कर उड़ चूके हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि वे उन चैनल या रास्ते को साफ नहीं करते हैं, वे वहां अंदर तक नहीं जाते। आपको इसे साफ करना होगा, विवेक, याददाश्त, विचारो को, हर चीज को एक तरफ रखते हुए, और अंदर से बाहर आते हुए, परमेश्वर के उस बिना मिलावट के वचन के साथ, कि यह सत्य है।

105 कोई फर्क नहीं पड़ता यदि आज इस ओर दस हजार मर जाते हैं, भरोसा करते हुए; कल दस हजार उस ओर मर जाते हैं, भरोसा करते हुए; इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं। मैं व्यक्तिगत हूं। मैं वो एक हूं जो भरोसा करता हूं। मैं वो एक हूं जो इसे विश्वास करता हूं। और हम वहां पीछे देखते हैं, तब यदि हम अपने चैनल को खोलना चाहते हैं, यदि हम कर सकते हैं, और देख सकते हैं। हम इस एक को पाते हैं और उस एक को, और इस एक को और उस एक को, उनमें से हजारों, जो गवाही को दे रहे थे।

106 लेकिन शैतान तुरंत वापस आने की कोशिश करेगा। देखिए, यदि वह किसी भी तरह अंदर घुस पाया, तब समझिए उसने उसी वक्त आपकी सेना

को हरा दिया।

107 यदि आपके पास आपकी चेतनायें हैं, देखना, चखना, महसूस करना, सूंघना, और सुनना, वे सब ठीक हैं, लेकिन जब तक वे वचन के साथ सहमत न हों, तब तक उन पर भरोसा न करें। वे पूरी तरह ठीक हैं, लेकिन, यदि वे वचन से असहमत हैं, तो आप उन्हें मत सुनना। अब, कल्पनाये, विवेक, याददाश्त, तर्क, और लगाव, वे सब तब तक ठीक हैं यदि वे वचन के साथ सहमत होते हैं। लेकिन यदि आपकी इच्छा या लगाव वचन के साथ सहमत नहीं होती है, तो उसे छोड़ देना चाहिए। नहीं तो आप बहुत जल्द अपना आप को खो बैठेंगे। समझे? यदि आपका तर्क वचन से असहमत होता है, तो इससे दूर हो जाए। यह सही है। वो इंजन... यदि आपकी यादे, यदि आपकी कल्पनाएं, यदि आपका विवेक, कुछ भी, इससे असहमत है, जो कि वहाँ अंदर है, तो उसे तुरंत छोड़ देना चाहिए।

108 तब आपके पास क्या है? आपके पास एक सौर मंडल होता है। हाल्लेलुय्या! यही है, परमेश्वर ने तारों को व्यवस्था क्रम में रखा और कहा, “जब तक मैं तुम्हें ना बोलूँ, तब तक वहीं बने रहना!” वे वहीं पर बने रहे। उन्हें कोई भी हिला नहीं सकता। जब परमेश्वर एक मनुष्य को अपने हाथों में ले सकता है, जब तक कि वो उसकी चेतनाओं को, विवेक, हर एक चीज को साफ रख सकता है, जब तक कि वह आत्मा में परमेश्वर के साथ उसके पीछे खड़ा रह सकता है, संसार में कोई शैतान नहीं है जो वहां संदेह को डाल सके। यह सही है।

शैतान वहां आता है और कहता है, “तुम अब भी बेहतर महसूस नहीं कर रहे हो।”

109 आपका विवेक यहां तक उस बात में से चला गया है। यह रास्ते की नली इतनी साफ हो चुकी है, कि वह चिल्ला उठता है, “हाल्लेलुय्या!” वह बाहरी मार्ग सीटी बजाकर कहता है, “परमेश्वर की महिमा हो!” यह निश्चय ही चमक उठता है, बस उतना ही साफ और स्पष्ट, परमेश्वर के वचन के लिए कि उसमें से होकर कार्य करे, अर्थात् परमेश्वर की सामर्थ। देखा? यही वो मुख्य बात है।

110 वहां पर आपका लड़ाई का मैदान है। आपका लड़ाई का मैदान यहाँ शुरुआत में है, यहाँ पीछे आपके प्राण में, जो आपके उस मस्तिष्क में जो खुलता है। वो—वो मस्तिष्क प्राण का द्वार है, मेरा मतलब आत्मा का

द्वार है। आपका मस्तिष्क खुलता है और आत्मा को स्वीकार करता है, या तो ये आत्मा को अस्वीकार करता है। आपके पास छोटी-छोटी भावनायें हो सकती हैं, और छोटे-छोटे एहसास, और छोटी-छोटी सनसनियाँ, ये सारी चीजें हो सकती हैं। इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह तो बस छोटी-छोटी सनसनी और इत्यादि चीजें हैं। लेकिन जब बात इसकी वास्तविकता पर आती है, तो आपका मस्तिष्क इसे खोल देता है। आपका मस्तिष्क या तो इसे स्वीकार करता है या इसे अस्वीकार करता है। ऐसा ही है, मित्रों।

परमेश्वर, उनमें से कोई भी इससे ना चूके।

111 देखो, यह आपका मस्तिष्क होता है जो द्वार को खोलता है; या द्वार को बंद करता है, और आपके विवेक को सुनता है, आपकी याददाश्त को सुनता है, आपके लगाव को सुनता है। लेकिन जब आपका मस्तिष्क स्वयं को इन बातों के लिए बंद कर देता है, और परमेश्वर को, उसके वचन की आत्मा को अंदर आने देता है, तो यह बाकी की चीजों को उड़ा देता है। हर एक संदेह चला जाता है। हर एक डर चला जाता है। हर एक संदेह की सनसनी चली जाती है। हर एक अनुभूति चली जाती है। वहां परमेश्वर के वचन के अलावा कुछ भी नहीं खड़ा रहता है, और शैतान उसके विरुद्ध लड़ाई नहीं लड़ सकता। नहीं, महोदय। वह इसके विरुद्ध लड़ाई नहीं लड़ सकता। अब, हम जानते हैं कि यह सत्य है।

112 ये लड़ाइयाँ अदन की वाटिका के दिन से लेकर चल रही हैं, अर्थात् मनुष्य के मस्तिष्क में होने वाली लड़ाई। शैतान ने इसे आरंभ किया। जब वह हव्वा से मिला तो उसने क्या किया? शैतान ने परमेश्वर के वचन का इन्कार नहीं किया, लेकिन उसने इसे लीपापोती की। उसने यहां कहीं तो कुछ छोटे-छोटे चैनल या रास्तों को रोक दिया। उसने कहा, “लेकिन निश्चय ही परमेश्वर... ” उत्पत्ति 3:1 में। देखा? “निश्चय ही, परमेश्वर, ये सारी बातें जिसकी उसने—उसने—उसने प्रतिज्ञा की थी... ” वह जानता था कि वचन सही था। लेकिन वह जानता था कि वह ऐसे ही बाहर आकर और जोर से नहीं बोल सकता और इस तरह से गरज नहीं सकता, लेकिन उसने—उसने—उसने इस पर मीठी परत चढ़ा दी।

113 जैसे माँ हमें दवा पिलाने के लिए किया करती थी, और वो अरंडी के तेल में संतरे का रस डालने की कोशिश करती। ओह, बस अरंडी के तेल

को संतरे के रस के बिना लेना ही बेहतर है! कोई भी चीज जो पाखंड हो! समझे? वह... हमें अक्सर रात के समय उठना पड़ता था, और वह हमें गले की बीमारी के लिए कोयले का तेल पिलाती थी। और उसने कोयले के तेल को लेती, और उस में चीनी डालती; देखो, एक प्रकार का पाखंड। लेकिन चीनी का असर चले जाने के बाद यह लगभग आपके टॉन्सिल जला देगा, जब यह गले से नीचे उतरता है।

114 तो ठीक है, यह इसी तरह से है, मित्रों। शैतान इस विषय में पाखंड करने का—का प्रयास करता है। वह आपको कुछ अच्छा दिखाने की कोशिश करता है, एक आसान मार्ग, एक अधिक समझदारी भरी योजना। लेकिन इससे अधिक समझदारी की कोई योजना नहीं है, जो परमेश्वर ने आरंभ में रखी थी, उसका वचन। उस वचन को थामे रहे। इस पर पकड़ बना ले। इसे आप पर पकड़ बनाने दे। इसके साथ बने रहे। यही वो—यही वो बात है।

115 लड़ाई तेज हो गई जब हव्वा ने अपने तर्क को सुनने के लिए अपने मस्तिष्क को खोल दिया। यही वो मार्ग है जिसमें से अंदर आया। यही वो—वो चैनल या रास्ता है जिससे होकर उसका तर्क आगे बढ़ा। उसने अपने प्राण में तर्क किया।

116 उसकी आँखों में दृष्टि थी। उसने सर्प को देखा। वह सुंदर था, आकर्षण था, उसके अपने पति से भी कहीं बेहतर था। वह धरती पर के सभी पशुओं में सबसे ज्यादा धूर्त था, और वह शायद उसके पति से ज्यादा सुंदर पुरुष था। वह वहां पर खड़े हुए एक बड़े मर्दाना पशु के समान दिखाई दे रहा था। वह कितना बड़ा था! और वह उसे यह बताने की कोशिश कर रहा था कि यह कितनी बड़ी चीज है।

117 और पहली चीज जो हव्वा ने की, उसने अपने मस्तिष्क को खोल दिया। और जब उसने ऐसा किया, मानवीय तर्क ने इसे पकड़ लिया। “क्यों, क्या यह एक रोमांचकारी चीज नहीं होगी?”

118 यही वो चीज है जो वो आज एक स्त्री के साथ करता है। कोई स्त्री जिसका प्यारा सा पति है, किसी बड़े, ऊँचे मर्दाना पुरुष को देखती है। यह पुरुष तर्क को खोलने की कोशिश करेगा। याद रखें, यही शैतान है। यही वो शैतान है। या, इसे इसके विपरीत ले, पुरुष से स्त्री, स्त्री से पुरुष, किसी भी तरह से। वो क्या करता है? उस तर्क की शक्ति में कार्य करता है, उस

विवेक या किसी और में, उसमें से होकर आगे बढ़ना आरंभ करता है।

119 लेकिन परमेश्वर के वचन को पहला स्थान दें। एक मनुष्य यहां तक नहीं आ सकता... वह पाप नहीं कर सकता... हाज़ेरुय्या! यहाँ है यह। यह मुझे ताजा मिल रहा है। एक मनुष्य तब तक पाप नहीं कर सकता जब तक वह पहले परमेश्वर के वचन को एक ओर नहीं करता। वह यहाँ तक पाप भी नहीं कर सकता, यही “अविश्वास” है, जब तक कि वह पहले परमेश्वर के वचन को, परमेश्वर की उपस्थिति को नहीं छोड़ देता, वह पाप नहीं कर सकता।

120 हव्वा पाप नहीं कर सकती थी, जब तक उसने परमेश्वर के वचन को एक ओर नहीं रख दिया, अपने तर्क के चैनल या रास्ते को अपने प्राण में से होकर खोलते हुए, और वो तर्क करना आरंभ करती है। “क्यों, निश्चय ही। मेरे पति ने मुझे इन बातों को कभी भी नहीं बताया, लेकिन मैं सोचती हूँ कि तुम... उसने मुझे बताया था कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए, लेकिन, तुम जानते हो, तुम इसे इतना वास्तविक और इतना स्पष्ट बना रहे हो। कि मैं—मैं विश्वास करती हूँ कि यह अद्भुत होगा, क्योंकि तुम इसे मेरे लिए बहुत ही स्पष्ट बना रहे हो।” देखो, वहां पर वो पहली लड़ाई थी। और, उस लड़ाई के जरिये से, ये हर दूसरे युद्ध का कारण बना। और हर एक लहू जो कभी बहाया गया, इसका कारण ठीक वहां अदन में था। उसने परमेश्वर के वचन पर अविश्वास किया।

121 और यदि परमेश्वर के वचन के एक बिंदु का भी अविश्वास किया गया था, जिससे यह सारी परेशानी का उत्पन्न हुई, तो हम भला वचन का अविश्वास करके वापस कैसे लौट सकते हैं? आप ऐसा नहीं कर सकते। इन सारी अन्य चीजों को बंद करना होगा, विवेक, याददाश्त, और कहे... तर्क-वितर्क, और ये सारी अन्य चीजें। “तर्कों को हटाते हुए।” हम इस पर बिल्कुल भी तर्क नहीं करते, बिल्कुल ज़रा भी नहीं।

122 हम बस वचन को इस आधार पर स्वीकार करते हैं, “परमेश्वर ने ऐसा कहा है,” और आपके और परमेश्वर के बीच में एक धारा को रखा जाता है। तब आपके और परमेश्वर के बीच में हर एक चैनल या रास्ता खुल जाता है।

123 वहां वो सबसे पहली लड़ाई है, लड़ाई की अग्रिम पंक्ति। आइए एक .22 बंदूक का उपयोग न करें; आइए एक—एक परमाणु बम को ले। आइए

हम काम को सही रूप से करें। आइए हम परमेश्वर के परमाणु बम को ले। “यह क्या है, भाई ब्रन्हम?” उसके वचन में विश्वास एफ़-ए-आई-टी-एच। यही परमेश्वर का परमाणु बम है। यह बीमारी और शैतानों को यहाँ और वहाँ हर जगह उड़ा देता है। यह—यह उनका अस्तित्व मिटा देता है। भेदभाव... ओह, यह... यह बस नष्ट कर देता है। यह हर एक चीज को टुकड़े-टुकड़े कर देता है जो अधार्मिक है। जब विश्वास का बम वहाँ गिरता है, इसके पीछे परमेश्वर का वचन होता है, यह हर शैतान, हर एक बीमारी को, हर एक रोग को उड़ा देता है।

124 आप कहते हैं, “क्या यह सही है, भाई ब्रन्हम? तो फिर यह कुछ लोगों पर ही क्यों होता है, और दूसरों पर नहीं?”

125 यह उस चैनल या रास्ते की वजह से है। आप बाहर की ओर देखकर और इसे देख सकते हैं। लेकिन इसे *यहाँ* आपके अंदर होना चाहिए, इस तरह से देखते हुए। बाहर खड़े होकर, अंदर की ओर देखना नहीं; आपको अंदर रहकर बाहर की ओर देखना होगा। समझे? आप तर्क के ज़रिए से नहीं आ सकते। आप इन दूसरी चीजों में से होते हुए नहीं आ सकते। आपको इसके सीधे परमेश्वर के चैनल से अंदर आना होगा, सीधे प्राण के अंदर। और आप इसे कैसे करते हैं? आखरी चैनल या रास्ता क्या है?

126 यह तर्क—... सीधे अंदर तक जाता है। आप कहते हैं, चेतनाये, “ओह, मैं—मैं इसे महसूस कर सकता हूँ। जी हाँ, वहाँ है ये। उह—हुंह। ओह, मैं—मैं इसे सूँघ सकता हूँ, या इत्यादि। ये चीजें वहाँ पर हैं। जी हाँ।” अगली चीज, आप तर्क करते हैं, “खैर, ये ऐसा लगता है कि उसे जानना चाहिए कि वह किस बारे में बात कर रहा है। डॉक्टर कहता है कि मैं ठीक नहीं हो सकता। तो ऐसा ही होगा।” आप देखिए, ठीक वहाँ पर आप—आप गलत होते हैं। यही वो शैतान है जो वहाँ पर खड़ा है। यही वो शैतान है जो इन बातों को आप में डाल रहा है। आप इस पर विश्वास ना करें।

127 “हाल्लेलुय्या! परमेश्वर के वचन में कहा गया है कि मैं... ‘सब बातों से ऊपर, मैं चाहता हूँ कि तुम स्वास्थ्य में फलो-फूलो।’ यह सही बात है।” आप वहाँ पर एक सच्चे सिपाही कैसे हो सकते हैं? देखो, “‘मैं चाहता हूँ कि तुम स्वास्थ्य में फलों-फूलों।’”

128 वहाँ है ये, ठीक वहाँ पर, वे चैनल या रास्ते, आप बस उन्हें ले ले, खोल दे। ना ही...

129 आप बस उन्हें दरकिनार करते हैं, तब यदि शैतान वहां से होकर जा सकता है, इन विवेक और इन दूसरी अन्य चीजों के द्वारा वहाँ पहुँचता है, तब वह ठीक यहां प्राण के अंत तक, मस्तिष्क में पहुँच जाता है। अब, यदि वह आपको ले सकता है... आप कभी भी—आप कभी उनमें से किसी एक को भी नहीं देखेंगे, जब तक कि पहले आप उसे *यहां* पर ना आने दें। आपको उसे अंदर आने देना है। उसके बाद जब वो अंदर आता है, तो उसे नियंत्रण मिल जाता है। उसके बाद वह क्या करता है? वह विवेक का उपयोग करना आरंभ कर देता है। वह *इसका* उपयोग करना आरंभ करता है, *इस* निकास का उपयोग करना आरंभ करता है। यह क्या है? देखना, चखना, महसूस करना, सूंघना, सुनना; कल्पनाएं, विवेक, याददाश्त, तर्क, लगाव। वो उन सभी भिन्न छोटे-छोटे चैनल या रास्तों का उपयोग करना आरंभ करता है, जब तक वह अंदर जा सकता है, यहाँ *इस* एक के ऊपर। उसे पहले आपके मस्तिष्क में आना पड़ेगा, और आपको इसे स्वीकार करना पड़ेगा। यह कर सकता है... सुनना। यह आपके विरुद्ध प्रहार तो कर सकता है, लेकिन जब तक आप इसे स्वीकार न कर लें, यह आप तक पहुँच ही नहीं सकता।

130 जब शैतान हव्वा के पास आया, और कहा, “तुम जानती हो, फल लुभावना है,” वो एक क्षण के लिए रुक गई। ओह, यही है जो उसने गलती की, जब वह एक क्षण के लिए रुक गई।

131 किसी भी बात के लिए रुकना मत। आपके पास संदेश होता है। यीशु जीवित है। परमेश्वर एक चंगा करने वाला है। यही तो संदेश है। किसी भी बात के लिए मत रुकना, ना ही कोई तर्क करे, ना ही कुछ भी और करे।

132 लेकिन वो एक क्षण के लिए रुक गई। तभी शैतान सीधे उस मस्तिष्क में चल कर गया। कहा, “तो ठीक है, यह उचित दिखाई पड़ता है।” ओह, ऐसा ना करे। बस उसी बात को ले जो परमेश्वर ने कहा।

133 अब्राहम, क्या होता यदि वह तर्क के लिए रुक जाता, जब उसने उससे कहा कि वह साराह के द्वारा एक बालक होने वाला है, और वह पैंसठ वर्ष की थी और वह पचहत्तर का था? और जब वह सौ वर्ष का था, और वह—और वह नब्बे वर्ष की थी, तब भी, उसने—उसने—उसने अंगीकार किया कि परमेश्वर का वचन सच्चा है। और उसने उन चीजों को ऐसा बताया, जो नहीं थी, जैसे कि वे हैं। समझे? वह... यहां तक कि आशा, क्या कोई आशा

थी? उसने यहाँ तक आशा का प्रयोग भी नहीं किया।

134 “तो ठीक है, ” आप कहते हैं, “मैं आशा करता हूँ कि मैं ठीक हो सकता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि मैं चंगा हो जाऊंगा। मैं आशा करता हूँ कि मुझे पवित्र आत्मा मिलेगा। मैं आशा करता हूँ कि मैं एक मसीही हूँ। मैं आशा करता हूँ कि मैं ऐसा करता हूँ।” आप ऐसा नहीं चाहते।

135 अब्राहम ने कभी उसकी ओर कभी ध्यान भी नहीं दिया। आमीन। “आशा के विरुद्ध, उसने तब भी परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया।” विश्वास आशा से परे होता है। विश्वास *यहां* पीछे से आता है, अंदर से। विश्वास *यहां* से आता है।

136 वह कैसे अंदर आता है? इस मस्तिष्क में से होते हुए, इस—इस द्वार से, लड़ाई का मोर्चा वहां तैयार खड़ा होता है।

137 अब, जब आपकी लड़ाई पूरी तरह से तैनात हो जाती है! अब, आज सुबह, शैतान हर एक हृदय पर बैठा हुआ है। इस छोटी लड़की के हृदय में वह बैठा हुआ है। वह आपके हृदय में बैठा हुआ है। वो वहां हर कहीं बैठा हुआ है। वो कह रहा है, “ओह, मैंने तुम्हें पहले कोशिश करते हुए देखा है। मैंने यह पहले सुना है।”

138 उसे बाहर निकालो। बस ऐसा ही है। उसे बाहर निकालो। बाईबल ने यहाँ क्या कहा, हमारा मूल लेख? “उसे बाहर निकालना है।” यह सही बात है। “उसे बाहर निकालना है।” हमें प्रशिक्षित किया गया है।

139 मैं सोचता हूँ, “हमारे प्रचारकों के साथ क्या मामला है? ” मैं सोचता हूँ कि हमारे पास किस प्रकार का प्रशिक्षण था।

140 परमेश्वर इस बड़ी लड़ाई के लिए प्रशिक्षण दे रहा है। मत्ती 24 ने वहां कहा, और दानियेल 12 ने भी कहा, “वहां संकट का समय होगा, जैसा कि धरती पर पहले कभी नहीं हुआ।” और हम उस समय में रह रहे हैं, जब संस्कृति, और शिक्षा, और इत्यादि चीजों ने परमेश्वर के वचन को दबा दिया है, और तर्क और इत्यादि चीजों के अंदर आ गया है। अब लड़ाई जारी है। कौन खड़ा रहेगा? हाल्लेलुय्या! लड़ाई शुरू होने के लिए तैयार है। वह अब तैनात है। देखो, उधर हमारे सामने कितना बड़ा विरोध खड़ा है!

141 कौन दाऊद के समान होगा? कहा, “तुम खड़े होकर और उस खतनारहित फिलिस्तीनी को जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारने

देते हो? मैं उससे लड़ने जाऊंगा।” आमीन। परमेश्वर आज सुबह ऐसे पुरुषों और महिलाओं को चाहता है जो उठकर और कह सके, “मैं प्रभु को उसके वचन पर लूँगा।” आमीन। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन विफल हुआ, यह और वो कहां पर है, और उस एक ने क्या किया। इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। तुम शाऊल, और इत्यादि लोगों, यदि तुम उससे डरते हैं, तो वापस जाओ जहां तुम्हारी जगह है। लेकिन, परमेश्वर की सेना आगे बढ़ रही है, आमीन; पराक्रमी पुरुष, विश्वास के—के—के पुरुष, सामर्थी पुरुष, समझदार पुरुष। उन्हें होशियार होने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें शिक्षित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें तो माध्यम होना है। परमेश्वर उन छोटे-छोटे माध्यम को लेता है।

142 वह एक क्षण के लिए रुक गई, तर्क करने के लिए, यह कहते हुए, “ठीक है, अब, आओ हम देखे।” ठीक है, वैसे ही, क्या हो यदि...

143 इस छोटी महिला ने, आज सुबह, कोई संदेह नहीं कि डॉक्टर ने उसे बताया, वह अब मार्ग के अंत में है, “वहां कुछ भी नहीं किया जा सकता है।” तो ठीक है, अब, यह तो वो डॉक्टर है। मैं उसे दोषी नहीं ठहराता। वह मनुष्य तो एक विज्ञान का मनुष्य है। वह देखता है कि बीमारी ने बालक के शरीर पर जय पायी है। ये मामला किसी भी चीज से परे है। उसके पास कोई दवा नहीं है जो इसे रोक सके।

144 तो क्या वो कैंसर उस महिला पर जय को पायेगा; निश्चय ही, मृत्यु ने उस बच्चे पर जय को पाया था; लेकिन हमारा मुख्य कप्तान, हाल्लेलुय्या, इस बड़ी सेना का, वो पुनरुत्थान और जीवन है। कोई भी उसे जीत नहीं सकता। हाल्लेलुय्या!

145 सेना का दिमाग, उसके कप्तानों में रखा होता है, अर्थात् बुद्धिमत्ता। जर्मनी में, रोमेल, जो कि जर्मनी का दिमाग था; ना ही हिटलर। रोमेल! यह सही है। आइजनहावर! सेना के लोग! पैटन! जो लोग सबसे आगे थे, यह इस पर निर्भर करता था कि किस दिशा में जाने के लिये आदेश देते हैं। आप अपने कप्तान का अनुकरण करते हैं, यदि वह एक सही प्रकार का सेनापति है। यदि वह सही प्रकार का है, यदि वह चार सितारों वाला जनरल है, यदि उसने साबित किया है, यदि वह सही साबित हुआ है, तो उसका अनुकरण करे। भले ही यह आपको गलत दिखाई दे, फिर भी आगे की ओर जाये। जैसा उसने आपको बताया वैसा ही करें।

146 हाल्लेलुय्या! हमारे पास एक पांच-सितारों वाला जनरल है, जिसका उच्चारण जे-ई-एस-यू-एस यीशु है, जो हम पर पांच सितारों को रखता है, विश्वास, एफ़-ए-आई-टी-एच। उसने कभी भी एक लड़ाई नहीं हारी है। हाल्लेलुय्या! उसने मृत्यु, अधोलोक और कब्र पर जय पायी। शैतानों को रास्ते से हटा दो। वह महान मुख्य कप्तान है। इसलिए, शैतान यहाँ तक तस्वीर में भी नहीं है।

147 अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी तेज हुई थी, ये ठीक अभी पूरी तरह से तैयार हो रही है। निश्चय ही, ये हो रही है। ओह! हाल्लेलुय्या!

148 जब मैं इसके विषय में सोचता हूँ। जब मैं खड़े होकर उन्ही चीजों को उसे करते हुए देखता हूँ, उन्ही चीजों को उसे प्रगट करते हुए देखता हूँ, चीजों को खोलता है, कहता है, "यह इस तरह से होगा और उस तरह से होगा," वहाँ है ये। ओह, यहाँ पीछे की ओर मुड़कर देखते हैं, और कहते हैं, "यह महान कप्तान कौन है?" ओह, मैं पीछे की ओर मुड़कर नहीं देखता और ये नहीं देखता हूँ कि क्या यह डॉक्टर फ़्लाँ-और-फ़्लाँ है। मैं यह देखता हूँ कि कप्तान ने क्या कहा। "वह हमारे उद्धार का कप्तान है।" हाल्लेलुय्या! उद्धार क्या है? छुड़ाया जाना! महिमा! "वो हमारे छुड़ाये जाने का कप्तान है।"

149 बड़े आक्रमण की घड़ी निकट है। हाल्लेलुय्या! वो योद्धा, चमकते हुए हथियारों के साथ, जगमगाते रंगों के साथ! विश्वास और संदेह आज सुबह इस आराधनालय में स्वयं को तैनात करके स्थापित कर रहे हैं; संदेह एक ओर है, विश्वास दूसरी ओर है। वे योद्धा, अपने कर्तव्य के स्थान पर खड़े हो होते हैं। हाल्लेलुय्या! हमारा कप्तान, भोर का तारा, अगुवाई करता है। वह कभी भी पीछे नहीं जाता। वह (कभी नहीं) पीछे हटने के शब्द को नहीं जानता। उसे पीछे हटने की आवश्यकता नहीं है। आमीन। निश्चित रूप से।

150 अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई जो लड़ी गई, वो ठीक अब यही पर चल रही है, जी हाँ, महाशय, जीवन और मृत्यु के बीच, बीमारी और स्वास्थ्य के बीच, विश्वास और संदेह के बीच, ओह, प्रभु, स्वतंत्रता और बंधुवाई के बीच। लड़ाई जारी है! अपने भालों को चमकाओ, सिपाहियों। हथियारों को चमकाओ। परमेश्वर अपने योद्धाओं को तैयार कर रहा है। आमीन। परमेश्वर अपनी सेना को अभिषेक करता है।

151 अमेरिका अपने सैनिकों को सबसे बेहतरीन चीजों से सुसज्जित करता

है जो वह उन्हें उपलब्ध करा सकता है: स्टील के हेलमेट, कवच, और जो कुछ भी उनके पास है, हथियारबंद टैंक, जो भी लेकर वे मैदान में उतरते हैं।

152 परमेश्वर अपनी सेना को तैयार करता है। हावेलुय्या! हम किस प्रकार के हथियारों का उपयोग करते हैं? आत्मा की तलवार, परमेश्वर का वचन! आमीन! “परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी बहुत तेज है,” इब्रानियों 4, “यहाँ तक हड्डी को आर-पार छेदता है, यहाँ तक की उस—उस हड्डी का गूदा भी, यहाँ तक कि मन के विचारों को परखने वाला।” परमेश्वर का वचन! उसके वचन पर विश्वास करना, और यही तरीका है जिससे परमेश्वर हथियारबंद करता है।

153 यही वह सुरक्षा-कवच था जो परमेश्वर ने हव्वा को खुद को लैस करने के लिए दिया था। और उसने अपना कवच तोड़ दिया। उसने यह कैसे किया? अपने मस्तिष्क को तर्क को खोलने के द्वारा। आप परमेश्वर के वचन के साथ तर्क नहीं करते। इसमें कोई तर्क नहीं होता है। आप... यह तो बस परमेश्वर का वचन है। इसके विषय में कोई—कोई संदेह नहीं है। इसके लिए कोई तर्क नहीं है। यह परमेश्वर का वचन है। इससे बात खत्म हो जाती है। यही है। यह मामले को हमेशा के लिए खत्म कर देता है।

154 देखा मेरा क्या मतलब है, प्रिय? [बहन कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] यह परमेश्वर का वचन है। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

155 उन्होंने अब्राहम से कहा, “तुम कैसे जानते हो कि तुम्हे बालक होने वाला है?”

“परमेश्वर ने ऐसा कहा है।” इससे बात खत्म हो जाती है।

“तो ठीक है, तुम्हें यह क्यों नहीं मिला?”

156 “मैं नहीं जानता कि मुझे ये कब मिलेगा, लेकिन मुझे ये मिलने जा रहा है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। यह बात मुझे जरा भी नहीं रोक पायेगी।” उसने कहा—...

157 “तुम अपने घर वापस क्यों नहीं जाते, जहां से तुम आए हो?”

158 “मुझे इस देश में एक यात्री और एक परदेशी बनकर रहना है।” आमीन!... ? ... “परमेश्वर प्रतिज्ञा को देता है। परमेश्वर बालक को ठीक

इसी देश में देगा जहां उसने मुझे भेजा है।” हल्लेलुय्या!

159 परमेश्वर आपको ठीक पवित्र आत्मा के इस वातावरण में चंगा करेगा, जहां उसने आपको भेजा है। परमेश्वर इसे आपके लिए देगा। बस इसे विश्वास करें। आमीन। प्राण और शरीर की उन रास्तों को खोल दो, चेतनाये, और विवेक, और पहले परमेश्वर के वचनों को अंदर आने दे, उस मन को ले। वहां लड़ाई का मैदान है।

160 ऐसा ना कहे, “ठीक है, काश मैं इसे महसूस कर सकता, काश मैं परमेश्वर की महिमा को उतरते हुए महसूस करता! ओह!” इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है; जरा भी नहीं।

161 उस मस्तिष्क को खोल दो। यही लड़ाई का मैदान है। यही है जहां लड़ाई तैनात होती है, ठीक यहां सामने की पंक्ति में, आपका मस्तिष्क। इसे खोल दो, और कहो, “मैं... हर एक संदेह, मैं अपने संदेहों पर संदेह करता हूं।” आमीन। “मैं अब अपने संदेहों पर संदेह करता हूं। मैं परमेश्वर के वचन पर विश्वास करता हूं। शैतान, यहां मैं आता हूं।” कुछ तो बात जगह लेने जा रही है। निश्चय ही, यह जगह लेगी। जी हां, महाशय।

162 वह अपने सेवकों को उसकी आत्मा से अभिषेक करता है। वह उन दूतों को भेजता है। लोग कभी-कभी इसका मजाक उड़ाते हैं, “वे दूत।” मैं—मैं यहां आपके साथ किसी वचन पर बात करूंगा, बस एक मिनट। आइए यहाँ इब्रानियों को खोले, बस एक मिनट। इब्रानियों का 4था अध्याय, 4था अध्याय, और आइए... मेरा मतलब, इब्रानियों का 1ला अध्याय, और आइए हम 14वें पद की ओर देखे।

*क्या वे सब परमेश्वर की सेवा टहल करनेवाली आत्माएं नहीं...
जो उद्धार पानेवालों के लिए सेवा करने को भेजी जाती हैं?*

... उसने दूतों में से किसी एक से उसने कहा... तू मेरे दाहिने हाथ पर बैठ... ?

... परमेश्वर के सारे दूत...

163 अब, यहाँ बाईबल ठीक वापस आकर और हमें यहाँ बताती है, कि परमेश्वर दूतों को भेजता है। महिमा! वे क्या हैं? “सेवकाई करने वाली आत्मायें।” महिमा! सेवकाई करने वाली आत्मायें, भेजी गयी (कहाँ से?) परमेश्वर की उपस्थिति से। क्या करने? उसके वचन की सेवकाई करने।

आमीन! वे किसी संप्रदायिक झुण्ड के किसी धर्मज्ञान की सेवकाई करने के लिए नहीं हैं, लेकिन उसके वचन की सेवकाई करने के लिए हैं। यही है ये। “सेवकाई करने वाली आत्माओं को भेजा गया।”

164 हम कैसे जानते हैं कि वे ही हैं? बाइबल ने कहा, कि, “प्रभु का वचन भविष्यवक्ताओं के पास आया।” क्या यह सही है? यह दूत उसके वचन की सेवकाई करते हैं, उसकी आत्मा के ज़रिए से; वचन की सेवकाई करते हैं, पवित्र आत्मा के ज़रिए से। और आत्मा और वचन भविष्यवक्ताओं के पास आये, और उन भविष्यवक्ताओं के पास परमेश्वर का वचन था। यही कारण है कि वे अद्भुत कार्यों को कर सकते थे जो उन्होंने किए। यह मनुष्य नहीं था; यह मनुष्य में परमेश्वर का आत्मा था, मसीह की आत्मा मनुष्य में थी। क्योंकि परमेश्वर का वचन... उसने क्या किया था? हर एक चैनल को साफ किया। परमेश्वर ने उसे चुना था, और उसे पवित्र आत्मा से अभिषेकित किया गया था। और ये वो नहीं था। वह तब तक कुछ नहीं करता था जब तक वो इसे एक दर्शन में नहीं देखता। एलिय्याह ने कार्मेल पर्वत पर कहा, “यह सब मैंने आपकी आज्ञा से किया है। अब, प्रभु, यह प्रगट होने दो कि आप ही परमेश्वर है।” ओह, परमेश्वर की महिमा हो!

165 मैंने इसे बहुत बार देखा है, जब आप परमेश्वर की आत्मा को एक स्थान पर उतरते हुए देखते हैं, और वह स्थान अभिषेक के नीचे आ जाता है! यदि आज सुबह यह छोटा झुण्ड जो यहाँ पर है, वो बस इस मन को यहाँ ले जा सकता है, जो हर एक संदेह को रास्ते पर से हटा दे! अब आप कैसे और अधिक संदेह कर सकते हैं, जब आप मरे हुए—मरे हुए को जिलाते हुए, लंगड़े को चलते हुए, अंधे को देखते हुए, बहरे को सुनते हुए देखते हैं?

166 प्रभु का दूत, यहाँ तक कि उसकी तस्वीर यहाँ दीवार पर लटकी हुई है, जिसने हर जगह विज्ञान को भी चकरा दिया है। वो क्या करता है? ठीक वचन के साथ ही बने रहता है। आमीन! यह हर एक शैतान को काट देता है। जी हाँ, यह ऐसा करता है। यह क्या है? “सेवकाई करने वाली आत्माएँ, परमेश्वर की उपस्थिति से भेजी गई,” ताकि वचन के प्रचार करने वालों को अभिषेक करें, जो वचन के साथ बने रहते हैं। और वो उसके पीछे—पीछे आते हुए उन चिन्हों के साथ वचन की पुष्टि करता है, जो यीशु को कल, आज और युगानुयुग एक सा लाता है। वहाँ है वो।

167 हम भला कैसे संदेह कर सकते हैं, जबकि उसे वैज्ञानिक रूप से, भौतिक रूप से, आत्मिक रूप से, हर तरह से जो साबित किया जा सकता है, वो यहाँ पर साबित हुआ है?

168 क्या बात है? यह हमारे मस्तिष्क में है। हम हमारे मस्तिष्क को उस चीज के लिए खोलते हैं, कहते हैं, "तो ठीक है, अब, मैं नहीं जानता कि यह हो सकता है या नहीं। हो सकता है, यदि मुझे कल बेहतर महसूस हो।" ओह, इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

169 जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, अब्राहम ने शायद साराह से कहा होगा... वह एक स्त्री के मासिक चक्र होने की—की उम्र से पार हो चुकी थी। आप समझते हैं कि मेरा क्या अर्थ है; उसके जीवन का समय, जो उसके अट्ठाईस दिन का होता है। देखो, वह पैंसठ वर्ष की थी। वह शायद पंद्रह-बीस सालों से उस दौर से आगे निकल चुकी थी। और अब्राहम ने उससे कहा, हो सकता है, अगले कुछ दिनों में, कहा, "क्या तुम्हें कुछ अलग सा महसूस हो रहा है, प्रिय?"

"जरा सा भी अलग नहीं।"

170 "इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। जो भी है, हम ठीक आगे बढ़ रहे हैं। तो ठीक है, अब, यदि तुम फिर से एक—एक युवा महिला के रूप में फिर से जीवन आरंभ करती हो, तो हम जानते हैं, उस जीवन के लहू के माध्यम से, तो, फिर, हम वहां देखते हैं कि यह बच्चे को सुखद आधार प्रदान करेगा, और सब कुछ सही हो जाएगा। अब, आज तुम कुछ अलग महसूस कर रही हों? यह एक महीना हो गया है जब से उसने मुझसे प्रतिज्ञा की है। प्रिय, तुम कुछ अलग महसूस कर रही हो?"

171 "जरा सा भी नहीं, अब्राहम। वहां पर कुछ भी चिन्ह नहीं है। मैं—मैं अब भी वैसी ही हूँ जैसे मैं—मैं अब पिछले कुछ वर्षों से रही हूँ। इसमें जरा सा भी फर्क नहीं है।"

"परमेश्वर की महिमा हो! जो भी हो, हमारे पास यह होने जा रहा है।"

172 "क्या आपका मतलब है, अब्राहम, पर... देखो, यदि उसने आपसे प्रतिज्ञा की है, तो निश्चय ही वह हमें इस तरह किसी चिन्ह को देगा। निश्चय ही वह हमें एक चिन्ह को देगा।" हुं! हाल्लेलुय्या!

173 "एक दुर्बल और व्यभिचारी पीढ़ी चिन्हों को ढूंढती है।" यह सही बात

है। उसके पास एक चिन्ह था। यह क्या था? परमेश्वर का वचन। यह वही चिन्ह था।

174 परमेश्वर इस बालक को कैसे चंगा कर सकता है? परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है; यदि मुझे एक सनसनी को महसूस हो, या कोई सनसनी ना हो। यदि मैं... कोई मतलब नहीं क्या होता है, परमेश्वर ने ऐसा कहा है। इससे यह बात खत्म हो जाती है।

175 अब्राहम ने कहा, “अपनी टोपियो को ले लो और हर एक चीज को एक साथ ले लो, हम उस देश के लिए रवाना हो रहे हैं।”

“आप कहाँ जा रहे हो?”

176 “मैं नहीं जानता।” आमीन। “लेकिन, जो भी हो, हम जा रहे हैं। यहाँ से हम जायेंगे।” वे समान बांध कर और निकल जाते हैं। हाज़ेलुय्या! यही परमेश्वर का सच्चा वचन है। उसके सामने क्या रखा था? परमेश्वर की प्रतिज्ञा, परमेश्वर का वचन। “हमारे पास ये होने जा रहा हैं।”

177 “अब्राहम, अपने लोगों के बीच में से बाहर निकल कर आ। वे लोग, बात ऐसी है, वे संदेह करने वाले और अविश्वासी लोग हैं। वे तुम्हें उसी स्थिति में डाल देंगे। बाहर आ जाओ। अपने आप को अलग करो, और मेरे लिए जीओ।” यह क्या है? “अपने सारे विवेक को और चेतनाओं को इस तरह से अपने पीछे छोड़ दो। अपने मस्तिष्क को खोल दो, और याद रखना, यह मैं हूँ। आकर, मेरे साथ रहो।” आमीन।

178 आज सुबह, परमेश्वर अब्राहम के हर बीज को बुला रहा है, उसी प्रकार के जीवन के लिए। अब संसार भर में बड़ी लड़ाई चल रही है। परमेश्वर चाहता है कि उसके बच्चे खुद को किस से अलग करें? देखना, चखना, महसूस करना, सूँघना, सुनना; कल्पना, विवेक, यादें, तर्क, लगाव; हर एक चीज। अपने मस्तिष्क को खोल दे और वचन को अंदर आने दे, और वचन के साथ आगे बढ़े। यही एक सच्चा योद्धा होता है।

179 इसी प्रकार से तारे बने रहते हैं। सौर मंडल नहीं बदला है; अर्थात् नक्षत्र। हर सुबह भोर का तारा अपने कर्तव्य के पद पर उदय होता है, ठीक उसी तरह से जब से पृथ्वी की सृष्टि हुई थी। सांझ का तारा अपने स्थान को लेता है; हर एक तारा। वो छोटा सा तारामंडल, और ठीक उस ऋतु के समय पर, बिल्कुल ठीक वहीं पर होता है जहाँ इसे होना चाहिए। उत्तरी तारा स्थिर वहीं बना रहता है और कभी भी नहीं हिलता। हाज़ेलुय्या! यह

सारी चीज उत्तरी तारे के चारों ओर घूमती है, उनमें से बाकी के सारे, क्योंकि यह ठीक पृथ्वी के मध्य में होता है।

180 यही मसीह है। आमीन। वो वहां बना रहता है, एक महान कप्तान के समान अपनी सेना को आज्ञा देता है।

181 जैसे मूसा पहाड़ पर अपने हाथों को ऊपर उठाए हुए था, और इस्राएल लड़ रहा था, अपना रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ रहे थे, और वह अपने हाथों को ऊपर उठाकर खड़ा हुआ था। वह अपने हाथों को ऊपर उठाए तब तक खड़ा रहा जब तक सूरज ढल नहीं गया। उन्हें उसके हाथ को ऊपर की ओर पकड़कर रखना था। यह मूसा था।

182 वह मसीह का एक नमूना था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके हाथ ऊपर की ओर उठे रहे, उसके हाथों को क्रूस पर कीलों से ठोका गया था। हावेलुय्या! और आज वह महिमा की दीवारों पर चढ़ गया, अपने लहलुहान वस्त्रों के साथ परमेश्वर के सामने, वहां महामहिम के दाहिने हाथ पर है। और वो लड़ाई, हर एक सैनिक के लिए, वह अपना रास्ता काटता हुआ आगे निकल जाएगा। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या होता है; परमेश्वर के वचन के साथ, वह अपना रास्ता काटकर स्वतंत्रता हासिल कर लेगा। आमीन।

183 जैसे एक अंडे में एक मुर्गी का बच्चा, क्या हो यदि वह चोंच मार कर बाहर आने से डरता है? क्या हो यदि वह अंडे को फोड़ने से डरता है? क्या होगा यदि अंडे के अंदर का छोटा सा चूजा, एक छोटा सा पक्षी, अंडे के छिलके को चोंच से मारने से डरता है? क्या हो यदि उसने बाहर से एक आवाज को सुनता, जो कहती है, “उस अंडे के छिलके को चोंच मत मारो, हो सकता है खुद को चोट पहुंचा दोगे”? लेकिन उस पक्षी में अपने आप में प्रकृति ही, उसे बताती है, “इसे चोंच मारो! इसमें एक छेद कर दो।”

184 सभी पुरानी संगठनाओं को कहने दो, “आश्चर्य कर्मों के दिन बीत गए। तुम खुद को चोट पहुंचाने जा रहे हो। तुम कट्टरवाद में जा रहे हो।”

185 सीधे उस अंडे के छिलके पर चोंच मारो, जितना तुम जोर से मार सकते हो। हावेलुय्या! “शैतान, दूर हट जा! मैं यहां से निकल रहा हूं।” यही है। “मैं अब यहाँ पर और पड़ा नहीं रहूँगा। मैं अब यहां और बैठा नहीं रहूँगा। मैं अब और पुराने शैतान की इस जमीन पर नहीं रहूँगा। आज सुबह

मैं चोंच मारकर अपना रास्ता खुद बना रहा हूँ। आमीन। मैं एक उकाब हूँ।”
आमीन! हाल्लेलुय्या!

186 लेकिन वह छोटा पुराना उकाब, वह शक्ति से प्रहार करने वाली हथौड़े की गर्दन, वहां पीछे उस अंडे के छिलके पर चोंच मारती है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस अंडे का छिलका कितना कड़क था, यह ठीक इसमें से होकर बाहर निकलता है। पहली बात आप जानते हैं, तब, वह अपने पंखों को थोड़ा सा फड़फड़ा सकता है। वह ठीक था।

187 अपने बाहर निकलने के रास्ते को बनाये। यह सही है। आप इसे कैसे करते हैं? इसे इसके साथ विस्फोट करते हुए, **“यहोवा यों कहता है। यहोवा यों कहता है। यहोवा यों कहता है।”** अंत में, आपको कुछ ताज़ी हवा की खुशबू आने लगती है। **“यहोवा यों कहता है।”** अपने सिर को बाहर की ओर करते हैं। **“यहोवा यों कहता है।”** अब बहुत ही जोर लगाओ, तुम बाहर आ गए हो!

188 फिर वह कभी भी उस अंडे के छिलके में वापस नहीं जाता है। आमीन। वो आजाद है। ओह, प्रभु! वह वचन एक बार अंदर स्थापित हो जाता है, उन सारी समझ और चेतनाओं और इत्यादि चीजों में से होते हुए, कि *यहाँ* पर अंदर स्थिर हो जाये, और वह मस्तिष्क खुल जाता है और इसे होने देता है। हे परमेश्वर, दया करे! अब वहां इसे फिर से बाँधने के लिए कुछ भी नहीं है। आप आजाद है। वो जिसे पुत्र आजाद करता है वो अंडे के छिलके से बाहर होता है। आपका संप्रदाय आपको कभी भी वापस नहीं बुला सकता। शैतान कभी भी आपको अब और कुछ नहीं कर सकता है। तब वह फुफकार सकता है और जोर से गुर्रा सकता है।

189 लेकिन आप महामार्ग पर हैं, तेज गति से दौड़ रहे हैं, ओह, प्रभु, राजा के राजमार्ग पर दौड़ते हुए, क्रूस का अभिषिक्त योद्धा। और यही आप सारे उकाब है, विश्वास के साथ, यीशु की घोषणा करते हैं, जो जगत का उजियाला है, राजा के राजमार्ग पर दौड़ते हैं। निश्चय ही। जी हां, महाशय!

190 यह “सेवकाई करने वाली आत्माएं हैं,” जो परमेश्वर की उपस्थिति से भेजी गई, सेवक होने के लिए, ताकि सेवकाई को करे (किसकी?) उसके वचन की; ना ही कोई धर्मज्ञानी, लेकिन परमेश्वर का वचन। वे सेवकाई करने वाली आत्मायें हैं, जो परमेश्वर की ओर से सेवकाई करने के लिए भेजी गयी हैं। सेवकाई करने वाली आत्मायें! ओह! और, याद रखें, यदि यह

वचन को छोड़ कुछ और सेवकाई को करते हैं, तो यह परमेश्वर की ओर से नहीं आये हैं। क्योंकि, “तेरा वचन हमेशा के लिए स्वर्ग में स्थिर है।” हमेशा के लिए, स्वर्ग में, वचन—... परमेश्वर इस पर देखता है। और वह कभी भी किसी आत्मा को वचन के अलावा किसी अन्य बात की सेवकाई के लिए नहीं भेजेगा।

191 वह कभी भी एक बड़े डी.डी.डी, पीएच.डी के साथ एक आत्मा को नहीं भेजेगा, और अपने कॉलर को पीछे की ओर घूमाये हुये हो, हर एक चीज इस तरह से, कहता है, “ठीक है, निसन्देह, आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए हैं। हम सब यह जानते हैं।” नहीं, नहीं। यह परमेश्वर की ओर से नहीं आया। यह वचन के विपरीत है। आमीन।

192 वह उन्हें भेजता है जो वचन के आत्मा की सेवकाई करते हैं। आमीन।

193 ओह, मेरे पास लगभग चार या पांच बातें और थी, लेकिन मैं इसे इस समय पर छोड़ दूंगा, इसे अगले रविवार को ले लूंगा। तो ठीक है।

शैतान और उसकी दुष्ट आत्माएं अभिषिक्त हैं।

194 यदि ये दूत आत्माएं अभिषेकित हैं ताकि आपके लिए वचन को लेकर आए, ताकि आप वचन पर विश्वास करें, अब क्या आप देख सकते हैं कि आपने कभी कहीं एक भविष्यव्यक्ता को सुना है, परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर के वचन का इन्कार करता है? [सभा कहती है, “नहीं।”—सम्पा।] नहीं, महाशय। क्या हुआ जब उनके दिन के संगठन उठ खड़े हुए और कहा, “अब, वो गलत है”? वह अपने दम पर खड़ा रहा, और अकेला खड़ा रहा। उसने कहा, “यही सही है।”

195 उस दिन वहां नीचे मिकायाह की ओर देखें, छोटा पवित्र शोर मचाने वाला, देखो, इम्ला का पुत्र। वहां चार सौ अभिषिक्त जन थे, उन्हें माना जाता है, अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता वहां खड़े हुए थे, सभी अच्छी तरह से खिलाये हुए, और सुसज्जित थे, और बड़ी-बड़ी डिग्रियां, और उच्च शिक्षा पाए हुए और निखरे हुए विद्वान। कहा, “आगे बढ़े, हमारे निष्ठावान राजा। प्रभु आपके साथ हो। यह हमारा है। यहोशू ने हमें इसे दिया है। इसलिए आप ऊपर जाकर और इसे ले ले। यह बिल्कुल सही है। आप ऊपर जाकर और इसे ले ले। क्या... ” उसने कहा, “तो ठीक है, यहो—... ”

196 आप जानते हैं, यहोशापात ने कहा, “क्या कोई एक और नहीं है, कहीं तो?” तो, उनके पास चार सौ भविष्यव्यक्ता थे। तुम चार सौ का विश्वास

क्यों नहीं करते? उसने कहा, “लेकिन, निश्चित रूप से तुम्हारे पास कहीं तो एक और है।”

197 कहा, “मैं—मैं... तो, हमारे पास एक और है। एक और है, लेकिन, ओह, मैं उससे घृणा करता हूँ।” ओह! समझे?

198 “वहां—वहां, यही वो व्यक्ति है जिससे मैं सुनना चाहता हूँ, देखो।” कहा, “उसे सामने लाओ। आओ हम देखें कि वह क्या कहने जा रहा है।”

199 और इसलिए उन्होंने जाकर और उसे बताया, कहा, “अब, सुनना। तुम आज सुबह अपने उपदेश को सही तरह से तैयार करो, क्योंकि तुम राजा को प्रचार कर रहे हो। तुम प्रचार कर रहे हो... उन सारे फलां-और-फलां की सेवकगण के संघ को, तुम देखो, फिलिस्तीन के, उन सारे सेवकगण के संघ को। अब, तुम्हें याद है, यहाँ पर ये ऐसी-ऐसी बात है जो उन्होंने कहीं। तुम उसी बात को कहना। तुम उसी बात का विश्वास करना।” वो छोटा...

200 उसके—उसके पास वहां गलत व्यक्ति था। उस मनुष्य ने इस पुराने तर्कों से पीछा छुड़ा लिया था। उसने उसके अंदर के रास्तों को साफ कर दिया है, देखो, उसका विवेक।

201 “और, ठीक है, क्यों, तुम जानते हो कि वे क्या करेंगे? यदि तुम उसी बात को कहोगे, तो मैं कल्पना करता हूँ कि वे तुम्हें जिले का पुरोहित बना देंगे। वे शायद ऐसा ही करेंगे। वे—वे तुम्हें यहाँ के स्थानीय क्षेत्र का प्रधान अधिकारी बनायेंगे, यदि तुम—तुम बस उनके साथ सहमत हों जाते हो।” यह परमेश्वर का सच्चा मनुष्य नहीं था।

202 क्यों, उसके अंदर के रास्ते साफ हो चूके थे, उसका सारा विवेक और हर एक चीज साफ थे। उसका मस्तिष्क परमेश्वर के वचन के लिए खुल गया था। और वो केवल परमेश्वर के वचन पर ही वह विश्वास करेगा। यही सेवकाई करने वाली आत्माएं हैं। यह सेवकाई की आत्मा है।

203 उसने कहा, “मैं नहीं जानता कि अब क्या कहना है। लेकिन, मैं तुम्हें इस एक बात को बताऊंगा, मैं केवल वही कहूंगा जो परमेश्वर मुझे कहने को कहता है।”

इसलिए वे उस रात प्रतीक्षा कर रहे थे। उसके पास एक दर्शन था।

204 अगली सुबह, मैं कल्पना कर सकता हूँ कि मिकायाह वचनों में से होकर देख रहा है और कहता है, “अब, आओ हम अब देखते हैं। क्या यह दर्शन... अब, वे सभी लोग, यहाँ कहीं तो कुछ तो गलत है, क्योंकि जो उन्होंने कहा यह उसके विपरीत है। अच्छा, ये क्या कहता है? आओ हम देखें कि एलिय्याह ने यहाँ इसके बाद क्या कहा, उस भविष्यव्यक्ता ने, क्योंकि हम जानते हैं कि वह एक भविष्यव्यक्ता था। देखो क्या... प्रभु का वचन एलिय्याह के पास आया। जी हाँ। और इसने क्या कहा? ‘और कुत्ते तुम्हारा लहू चाटेंगे। ईजेबेल, कुत्ते उसे खा जाएंगे। और उस धर्मी के कारण आहाब... उस एक धर्मी नाबोत के कारण।’” उसने तब कहा... जब उसने इसे देखा, उसने देखा कि उसका दर्शन बस परमेश्वर के वचन के साथ बिल्कुल मेल खाता है, तब, उस बूढ़े आहाब का अंत ये अब आ रहा था।

205 ठीक वहाँ चला गया, कहा, “ऊपर चढ़ाई करो। लेकिन मैंने इस्राएल को देखा...” “देखो, वो तब उसे अपने दर्शन को बताने में लज्जित नहीं हुआ, क्योंकि यह प्रभु का वचन था। वह जानता था कि वह उस चीज को बिल्कुल सही तरह से ले सकता है। क्या? उसने अपने हृदय को, अपने मन को, परमेश्वर के वचन के लिए खोल दिया था, और परमेश्वर का वचन वापस प्रगट किया गया था, सो वह जान गया कि यह सिद्ध रूप से परमेश्वर का वचन था।

206 अब, आप कहते हैं, “ओह, काश मैं बस एक मिकायाह हो सकता!” आप हो सकते हैं। आप है। आप भी प्रिय है। आप एक मिकायाह भविष्यव्यक्ता है। आप क्या कर सकते हैं? अपने मस्तिष्क को खोले। आज सुबह मैं आपको क्या बताने की कोशिश कर रहा हूँ? प्रभु का वचन। समझे? अपने मस्तिष्क को खोल दे, कहे, “अब, आप जानते हैं, मैं विश्वास करता हूँ कि मैं चंगा हो सकता हूँ।” तो ठीक है, तब यह क्या है? क्या यह प्रभु का वचन है? निश्चय ही, यही प्रभु का वचन है।

207 और यह व्यक्ति यहाँ कहता है, “आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए हैं। तुम यह नहीं कर सकते हो। और तुम...” इसके बारे में भूल जाए। परमेश्वर को पहला स्थान दे।

208 यहाँ प्रभु का वचन आता है, और उसने इसे बोला, और ये ऐसा ही था।

209 अब, शैतान ने क्या किया? शैतान ने दूसरों को अभिषेक किया था।

अब, शैतान अपने सेवकों को अभिषेक करता है। ओह, निश्चय ही। उह—हुंह। निश्चय ही। वह अपने सेवकों को अभिषेक करता है। वह उन्हें किस बात से अभिषेक करता है? अविश्वास के साथ। शैतान और उसकी प्रेत आत्माये परमेश्वर के वचन का अविश्वास करने के लिए मनुष्यजाति का अभिषेक करते हैं।

210 अब, यदि आप इसकी पुष्टि करना चाहते हैं, तो आप उत्पत्ति 3:4 की ओर जाए। आइए हम अब वहां पीछे चलते हैं और बस इसे एक मिनट के लिए सुनें, और देखें कि क्या यह उसकी पहली युक्ति नहीं है। यही पहली चीज है जो उसने की। वह अपनी उसी युक्तियों को कभी नहीं छोड़ता। वह हर समय इसे करता है। अब, बस देखें कि क्या ये यही—यही है। अब, वह वचन के साथ असहमत नहीं था। उसने बस हव्वा को वचन का थोड़ा सा गलत अर्थ निकालने पर मजबूर कर दिया, आप जानते हैं, बस वचन को इस तरह से पेश किया जिस तरह वह इसे पेश करना चाहता था, वो सम्पूर्ण वचन को नहीं लेता है। अब, उत्पत्ति, यहाँ पर मेरे सामने है, उत्पत्ति 3:4। आइए देखें कि क्या यही है जो अब कहा गया है। तो ठीक है।

और तब सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चय न मरोगे:

211 “निश्चय ही नहीं मरोगे।” देखा कि कैसे उसने इसका उल्लेख किया? “ओह, हम विश्वास करते हैं कि आश्चर्य कर्मों के दिन बीत गए। हम विश्वास नहीं करते हैं कि ऐसी कोई चीज है जैसे लोग पवित्र आत्मा को प्राप्त कर रहे हैं जैसे उन्होंने पेंटीकोस्ट के दिन किया था। ओह, किसी भी तरह से आप बपतिस्मा लेते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।” शैतान को देखा? उसकी युक्तियों को देखो? “तो ठीक है, यदि डॉक्टर ने आपको बताया कि आप चंगे नहीं हो सकते हैं, तो इससे बात खत्म हो जाती है।”

212 अब, डॉक्टर का अपमान, या उस पर अविश्वास नहीं कर रहा हूँ। डॉक्टर वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर कार्य करता है। और डॉक्टर ने उस व्यक्ति के जीवन बचाने के लिए सब कुछ किया जो वह कर सकता था, और इसे बचाया नहीं जा सकता है, क्योंकि ऐसा कुछ भी और नहीं है जो वो करना जानता है। वो उसकी अपने बुद्धि के अंत पर होता है। वह मनुष्य ईमानदार है। लेकिन, अब, ज्ञान का पेड़ ठीक है, लेकिन जब आप वहीं तक जायेंगे जहां तक ये जा सकता है, उसके बाद जीवन के पेड़ पर कदम रखे और बस आगे बढ़ते रहें। आमीन। ऐसा ही है। ज्ञान बस एक सीमा तक ही कार्य

करेगा। जी हां।

213 अब, अब शैतान की युक्ति क्या है? उसने यहाँ क्या कहा? अब 1ले और उस—उस 2रे पद पर ध्यान दें। अब मैं—मैं यहां 1ला पद पढ़ता हूं, 3 तक।

अब यहोवा परमेश्वर ने जितने बैनेले पशु बनाए थे, उन सभी में सर्प सबसे धूर्त था। और उसने स्त्री से कहा, क्या ये सच है, कि परमेश्वर ने कहा है, तुम इस वाटिका के... किसी वृक्ष का फल न खाना?

214 अब उसकी बात को सुनना, बस वह कितना बुरा हो जाता है, और कैसे वह—कैसे वह वचन को लीपापोती करता है। देखा? वह... वह क्या करने की कोशिश कर रहा है? उसके मस्तिष्क के अंदर जाने की कोशिश करता है। समझे? वो उससे बात कर रहा था, जबकि वहां वचन ने पहले से ही क़िला बंदी की थी।

215 अब, आप शैतान को कुछ भी क़िला बंदी ना करने दे। समझे? आप परमेश्वर के वचन की अपने हृदय में क़िलाबंदी को बनाए रखें। देखा? आप भी ऐसा ही करे। अब देखो, आप जो मिकायाह है।

... स्त्री ने सर्प से कहा, इस वाटिका के वृक्षों के फल हम खा सकते हैं: लेकिन...

लेकिन उस वृक्ष का फल जो कि वाटिका के बीच में है (बीच में, देखो) उस वाटिका के, परमेश्वर ने... कहा है, कि न तो तुम उसको खाना, और न उसको छूना, नहीं तो तुम मर जाओगे।

216 देखो, अब, यही वचन है। वह इसका वापस उससे उल्लेख कर रही है। अब ध्यान दो।

तब सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चय न मरोगे:

217 उसकी युक्ति को देखा? समझे? वह क्या करने की कोशिश कर रहा है? वो पहली मनुष्य जाति, वह वहां उस बहुमूल्य स्त्री का अभिषेक करने का प्रयास कर रहा है, अर्थात् परमेश्वर की बेटी, परमेश्वर के वचन में एक अविश्वास के साथ। ठीक यही है जो वह उससे करवाने की कोशिश कर रहा है।

218 प्रिय, यही है जो वह आपसे करवाना चाहता है। यही है जो वो कोशिश करता है कि आप में से हर एक जन वहां पर इसे करे, आपको अभिषेक करे। और केवल अब एक चीज जो आपको करनी है... आप एक स्वतंत्र नैतिक इच्छा के अधिकारी हैं। अब यदि आप चाहे तो आप इसे स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन इसे बाहर निकाल फेंके। काश हवा उस क्षण नहीं रुकी होती थी, कि उसे सुने! किसी भी बात के लिए ना रुके। मत रुकना।

219 जब—जब एलिय्याह ने गेहजी को बताया, कहा, “मेरी लाठी लेकर, जाकर इसे उस मरे बालक पर रखना। और यदि कोई तुम से बात भी करे, तो जवाब मत देना। यदि कोई तुम्हें रोकने की कोशिश भी करे, बस आगे बढ़ते रहना।”

220 उस स्त्री की ओर देखें जब उसने उसके दास को बुलाया। उसने कहा, “एक खच्चर पर सवार हो जाओ और आगे बढ़ो, और तुम तब तक मत रुकना जब तक मैं तुम्हें आज्ञा नहीं देता।” यही है।

221 जब आपको संदेश मिल जाए, तो आगे बढ़ते रहें। आमीन। कहे, “मैं चल नहीं सकता हूँ। हाँ मैं कर सकता हूँ! अब, ओह, मैं कमजोर होता जा रहा हूँ।” बस आगे चलते रहे, रुकना नहीं। हर सब कुछ एक तरफ हटाकर, बस हर बाधा को काटते हुए आगे बढ़ते रहे, भाई, आपके पास आपके हाथ में तलवार है, बस काटते रहे।

222 मैं एक बार एक फुटबॉल के स्टेडियम में गया, और वहां प्रचार करने जा रहा था। और मैं दरवाजे पर रुक गया और ऊपर की ओर देखा, वहां ऊपर। इसने कहा, “लड़ाई में कुत्ते का आकार मायने नहीं रखता। कुत्ते में लड़ाई का आकार ये मायने रखता है।” तो यही वो बात है जो लड़ाई को जीतता है। समझे?

223 आप कहते हैं, “अच्छा, देखो। देखो सारी बड़ी-बड़ी कलीसियाये इसके विरोध में हैं।”

224 मैं चिंता नहीं करता कि वे किस आकार की हैं। यह तो लड़ाई है जो कुत्ते में है, यही है जो मायने रखता है। यह तो विश्वास है जो व्यक्तिगत में होता है। यदि आप एक डरपोक हैं, तो अपने बिल में वापस चले जाए। लेकिन, भाई, यदि आप एक योद्धा हैं, तो वहां पर खड़े हो जाए। वहां एक लड़ाई चल रही है। सही और गलत आमने-सामने हैं। आओ हम लड़ाई को लड़े।

225 जैसे पीटर कार्टराइट, एक शहर में गया, कहा, “प्रभु ने मुझसे कहा कि—कि यहां आकर और एक बेदारी को करूं।” उसने एक पुराने गोदाम को किराए पर लिया, वहां अंदर जाकर और इसे साफ करने लगा।

226 और शहर का बड़ा बदमाश, पिस्तौल उसके बगल में लटक रही थी, वहां नीचे चलकर गया। दरवाजे पर गया... उनमें से कुछ लोगों ने कहा, “वह व्यक्ति वहां नीचे क्या कर रहा है?”

227 कहा, “वो एक प्रचारक है। उसकी एक सभा होने जा रही है, उसने कहा।”

228 “तो ठीक है,” उसने कहा, “मुझे लगता है कि मुझे अभी नीचे जाना होगा और उसे बाहर रास्ते पर फेंकना होगा, और उसे यहाँ से बाहर भगाना होगा। बस ऐसा ही है। हम अपने स्थान के आस-पास कोई सभा नहीं चाहते हैं।”

229 तो वह वहां नीचे जाता है, दरवाजे पर जोर से लात मारता है। और पीटर कार्टराइट ने अपना कोट पहन रखा था, आप जानते हैं, और वह तब खिड़कियों और दीवारों को धो रहा था। एक छोटा नाटा सा व्यक्ति, आप जानते हैं।

230 उस पुराने प्रचारक ने हाथों से चिकन खाने पर उसका मज़ाक उड़ाया था, आप जानते हैं; जबकि आज यही सही शिष्टाचार माना जाता है, आप तो जानते ही हैं।

231 तो वह बस खिड़कियों को धो रहा था और वहां की चीजों को सही कर रहा था। वो बड़ा बदमाश वहां पर चलकर गया, उसने अपने कोट को पीछे से खींचा, उस बदमाश की बगल में पिस्तौल लटक रही थी, कहा, “तुम क्या कर रहे हो?”

232 “ओह,” उसने कहा, “मैं खिड़कियां धो रहा हूं।” और वो बस खिड़की को धोने का काम करता रहा, आप जानते हैं। उसका एक उद्देश्य था। परमेश्वर ने उसे एक बेदारी को रखने के लिए बताया। नीचे की ओर की खिड़कियों को धो रहा था।

उसने कहा, “हम यहां आसपास बेदारी की अनुमति नहीं देते।”

233 उसने कहा, “ओह, लेकिन प्रभु ने मुझे बताया कि—कि इस बेदारी की सभा को रखूं।” देखा? वह बस अपने काम को करता रहा। समझे?

समझे?

234 “तो ठीक है,” उसने कहा, “वहां एक बात है जिसे तुम्हें—तुम्हें समझना होगा।” उसने कहा, “मैं यहाँ पर इस शहर को चलाता हूँ।”

235 उसने कहा, “ओह, आप चलाते हैं?” और बस खिड़कियों को धोता रहा, आप समझते हैं।

236 उसने कहा, “इससे पहले कि तुम्हारे पास बेदारी की सभा हो, तुम्हें पहले मुझे हराना होगा।”

उसने कहा, “ओह, मुझे करना है? तो फिर मैं अगला काम यही करूँगा।”

237 उसने तब अपना कोट उतार दिया। वहां पर चलकर गया, और उसके कॉलर को पकड़ा, और उसे नीचे फर्श पर गिरा दिया, और उसके ऊपर कूद पड़ा। कहा, “मुझे लड़ना ही है, यदि मुझे राज्य करना है। मेरे साहस को बढ़ाये, प्रभु।” और उसने उसे परास्त कर दिया।

कहा, “तुम्हारे लिए इतना काफी हो गया?”

238 उसने कहा, “हाँ।” उसने उठकर और हाथ मिलाया। वो उस रात को कलीसिया में उद्धार को पाया।

239 आप वहां हैं। समझे? ऐसा है, परमेश्वर के वचन को ले और हर संदेह में से होते हुए अपने मार्ग को काट कर आगे बढ़े। इसे देखा? निश्चय ही, ऐसा ही है। यही अगला काम है, आइए हम इसे पूरा करें। सही है। अगली चीज जो मुझे करनी है कि अपने संदेहों से दूर हो जाये, इसे काट दे। मेरा अगला काम यही है कि अपनी सारी उलझनों को अपने से दूर कर दूँ। यदि मेरी चेतनायें मुझे बताती हैं, “तो ठीक है, तुम्हें बुरा महसूस हो रहा है,” अगली चीज जो करनी है वह है उस चीज को काट दे। यह सही है।

240 आप कहते हैं, “तो ठीक है, आप... वे मुझे बताते हैं कि... आप जानते हैं, मेरा विवेक मुझे बता रहा है, भाई ब्रन्हम, कि मैं...” तो ठीक है, आप उसी तरह से उस चीज को भी काट कर दूर कर सकते हैं। नहीं तो आप इससे आगे नहीं जा पायेंगे। बस अपना अगला काम पूरा करें। अपने कोट को उतारो और पूरी हिम्मत से इसमें जुट जायें। बस आगे बढ़ते रहे। एक ही उद्देश्य, “मैं जीतने जा रहा हूँ।” आमीन। “मैं हार नहीं सकता। मैं जीतने जा रहा हूँ।” आमीन।

241 शैतान अभिषेक करता है। समझे? उसकी पहली युक्ति क्या है? उसके पास लेने के लिए पहला स्थान क्या था? मस्तिष्क। हव्वा एक क्षण के लिए रुक गई, उसने जो कहा उसे सुनने के लिए रुकी। “ओह, क्या तुम ऐसा नहीं कहते? ”

242 यहीं पर बहुत सी छोटी स्त्रियों ने उसकी गलती को किया है, और बहुत से छोटे पुरुषों ने अपनी गलती को किया है; ठीक, कुछ क्षण के लिए रुक गये, बस कुछ क्षण के लिए रुक गये। मैंने कितनी बार तलाक के मामलों को देखा है और उसमें ऐसी बातें सामने आती हैं।

243 “ठीक है, मैं आपको बताती हूँ, भाई ब्रन्हम, उसने ‘वीट-व्यूह’ इस तरह से सीटी बजायी, आप जानते हैं, और मैं रुक गई, और, ईमानदारी से, मेरा—मेरा ऐसा इरादा नहीं था।” उह—हुंह। आप वहां हैं।

244 “ओह, वो, मैं मेज के उस ओर उस स्त्री के सामने बैठा हुआ था। उसकी—उसकी आंखें सबसे सुंदर थीं!” देखा? उह—हुंह। इसे देखा? बस ऐसा ही है।

245 शैतान इसी काम को करता है। “ओह, डॉक्टर ने मुझे कहा कि मैं ठीक नहीं हो सकता, इसलिए मैं...” वहां पर आप हैं, वही चीज, देखो, सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी लड़ी गई थी।

246 “तो ठीक है, वे मुझे बताते हैं... मैंने फलां-और-फलां को पवित्र आत्मा के होने का दावा करते देखा है।” जी हां, आपने किसी पुराने से ढोंगी को देखा। उनके बारे में क्या है जिनके पास सचमुच में पवित्र आत्मा था? उह—हुंह। जी हां। शैतान आपको किसी पुराने से कौवे का चारा दिखाएगा, लेकिन वह आपको वास्तविक पिंडुकी को नहीं दिखाएगा। उह—हुंह। यह सही है। वह आपको इसे नहीं दिखाएगा, और वह उस बात से आपको अंधा बनाए रखेगा।

247 ओह, वो भी एक योद्धा है, याद रखना। लेकिन महान है हमारा... “जो तुममें है, वह उससे बढ़कर है जो संसार में है।” लेकिन परमेश्वर के वचन को थामे रहे; इसका विश्वास करे, आप यहां सेना के कप्तान हो। अपने किले को संभालो, भाई। यह सही है, अपने कर्तव्य के पद पर बने रहो।

248 तो, एक बार यहाँ एक छोटी लड़की थी। हो सकता है वह महिला अब यहां बैठी हुई हो। उसका नाम नेल्ली सैंडर्स था। पहली बार मैंने कभी किसी शैतान को बाहर निकालते देखा। हम रहते थे, अब, यदि मैं बस उस स्थान

को याद कर सकता हूँ; और यहां से लगभग तीन ब्लॉक की दूरी होगी, कब्रिस्तान से आगे। और मैं तभी एक प्रचारक बना था, और मैं ठीक यहाँ इस कोने पर प्रचार कर रहा था, एक तम्बू की सभा में।

249 और वह छोटी लड़की सबसे अच्छी नाचने वालों में से एक थी। वह यहां के उच्च विद्यालय में गई थी, और वह और ली हॉर्न। और आप में से बहुत से लोग यहां शहर में ली हॉर्न को जानते हैं, जो यहां नीचे पूल रूम खेल का स्थान चलाते हैं। और इसलिए वे दोनों, वो और ली हॉर्न, वहां देश में सबसे अच्छे नृत्य करने वाले थे। वो खुद कैथोलिक है। निश्चय ही, धर्म का उनके लिए कोई मायने नहीं रखता था, इसलिए तब... नेल्ली और वे। इसलिए, वो एक बेहतरीन नृत्य करने वाली थी, और ली हॉर्न भी। और उनके यहाँ यह नाच होता था जिसे "ब्लैक बॉटम," और "जीटरबग्स," कहा जाता है, और ऐसी ही सारी चीजें। और वह थी... वे दोनों देश में सबसे बेहतर नाचते थे।

250 एक दिन की बात है, वह एक रात को, वो यहां पर सभा में लड़खड़ाई। वहां वह वेदी पर गिर पड़ी, छोटी नेल्ली। उसके हृदय को आशीषित करें। वह वहां वेदी पर पड़ी रही। उसने अपना सिर ऊपर उठाया। और वह रो पड़ी, और उसके गालों पर से आंसू बह रहे थे। उसने कहा, "बिली... " वह मुझे जानती थी। उसने कहा, "मैं किसी भी तरह से बचना चाहती हूँ।"

251 और मैंने कहा, "नेल्ली, तुम बच सकती हो। यीशु ने तुम्हें पहले ही बचा लिया है, लड़की। तुम्हें इसे अब उसके वचन के आधार पर स्वीकार करना होगा।"

252 और वह वहीं पर बनी रही। और वह रोई, और उसने प्रार्थना की, और उसने परमेश्वर को कहा कि वह फिर कभी संसार की चीजों को नहीं सुनेगी। अचानक से, एक प्यारी सी मधुर शांति उसके प्राण के ऊपर आ गई। वह वहां से उठकर, चिल्ला रही थी और परमेश्वर की स्तुति कर रही थी, परमेश्वर को महिमा दे रही थी।

253 और उसके लगभग छह या आठ महीने बाद, वह एक रात को स्प्रिंग स्ट्रीट से नीचे की ओर आ रही थी।

254 अब, बस वो एक युवा लड़की थी, वह अभी अपनी किशोरावस्था में थी, लगभग अठारह वर्ष की थी। और वह मेरे पास आई, और उसने कहा, "होप... " जो मेरी पत्नी थी, वो एक जो अब नहीं रही। उसने कहा, "काश

मैं होप और आइरीन जैसी दिखती।” उसने कहा, “आप जानते हैं, वे संसार में कभी बाहर नहीं निकले।” कहा, “संसार आप पर एक छाप लगा देता है।” कहा, “मैं एक कठोर या रूखी सी दिखाई देती हूँ।” कहा, “अब, मैंने श्रृंगार वगैरह करना छोड़ दिया है, लेकिन मैं बहुत ही कठोर सी रूखी-रूखी दिखाई देती हूँ। यहां तक कि मेरी रूप-रेखा, मेरे चेहरे पर की,” उसने कहा, “मैं कठोर रूखी-रूखी सी दिखती हूँ।” उसने कहा, “वे बहुत ही मासूम और कोमल दिखाई देते हैं।” कहा, “काश मैंने ऐसा कभी नहीं किया होता।”

255 मैंने कहा, “नेल्ली, प्रिय, यीशु मसीह का लहू सारे पापों से शुद्ध करता है। आगे बढ़ो, इस पर विश्वास करो।”

256 वेयन ब्लेडो, यहां आप में से बहुत से लोग उसे जानते हैं, जो मेरा एक घनिष्ठ मित्र है, और वर्षों और वर्षों से है। वह एक शराबी था। और वह यहां मेरे भाई एडवर्ड के साथ आया। और उसने यहाँ सड़क में शराब पी थी, और मैंने उसे वहां से उठाया, क्योंकि पुलिस उसे पकड़ने जा रही थी। और मैं उसे यहां घर पर लेकर आया। और मैं एक प्रचारक था और मेरी माँ और पिता के यहां रहता था, ये मेरे विवाह से बहुत पहले की बात है। और मैंने उसे लिया, उसे वहां पलंग पर लिटा दिया। मैं सो गया... एक फोल्डिंग पलंग पर सो गया। वहां ब्रन्हम का एक बड़ा समूह था, आप जानते हैं, हम में से दस जन। और इसलिए हमारे पास लगभग चार कमरे थे, और हमें इस तरह से एक साथ रहना होता था। सो, मेरे पास एक पुराना फोल्डिंग पलंग था, जिस पर मैं सोता था। मैंने इसे इस तरह से बाहर निकाला, और—और वेयन को मेरे साथ पलंग पर लिटा दिया। वो नशे में था, उसे घर में ले जाना पड़ा और उसे वहां पर लेटा दिया।

257 और मैं वहां पर लेटा हुआ था। मैंने कहा, “वेयन, क्या तुम अपने आप से इस प्रकार से लज्जित नहीं हो?”

258 और उसने कहा, “ओह, बिली, मुझसे इस तरह से बात मत करो।”

और फिर मैंने अपना हाथ उसके ऊपर रखा। मैंने कहा, “मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करने जा रहा हूँ, वेयन। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे।” और मैं लगभग बचाया गया था, ओह, मैं समझता हूँ, हो सकता है लगभग एक वर्ष पहले।

259 और तो फिर, अचानक से, एक—एक टैक्सी बाहर दरवाजे को जोर

से आकर रुकी, और कोई तो बहुत जोर से खटखटा रहा था। “भाई बिल! भाई बिल!” [भाई ब्रन्हम ने पुलपीट को खटखटाया—सम्पा।]

260 सोचा, “हे प्रभु, कोई तो अवश्य ही मर रहा होगा।” मैं उछलकर दरवाजे तक गया; अपने उस पुराने सामान को उठाया, और पजामा इस तरह से वहां पर फेंका, और वेयन को ढांक दिया, दरवाजे की ओर दौड़ा।

261 यह किसी महिला की आवाज जैसी लग रही थी। मैंने दरवाजा खोला, और यह युवा लड़की दरवाजे पर खड़ी हुई थी। उसने कहा, “ओह, क्या मैं अंदर आ सकती हूं?”

मैंने कहा, “अंदर आ जाओ।” और मैंने बत्तियां जला दी।

262 और अब वह बस इस तरह से रोती जा रही थी, और उसने कहा, “ओह, बिली, मैं—मैं—मैं खत्म हो गई! मैं खत्म हो गई!”

263 मैंने कहा, “क्या बात है, नेल्ली? क्या तुम्हें एक—एक हृदय का दौरा पड़ा है?”

264 उसने कहा, “नहीं।” उसने कहा, “भाई बिल, मैं स्प्रिंग रास्ते में से नीचे की ओर आ रही थी।” उसने कहा, “यक्रीन मानिए, भाई बिल! यक्रीन मानिए, भाई बिल, मेरा कोई बुरा इरादा नहीं था। मेरा कोई बुरा इरादा नहीं था।”

265 मैंने कहा, “माजरा क्या है?” मैंने सोचा, “अब मैं उसके साथ क्या करूं?” मैं नहीं जानता था कि क्या करना है। मैं, बस एक युवा लड़का ही था। और मैं...

266 कहा, “ओह, भाई बिल,” कहा, “मैं बस—मैं बस—मैं बस पूरी तरह से टूट गई हूं।”

मैंने कहा, “अब, बहन, शांत हो जाओ। मुझे इसके बारे में सब बताओ।”

267 और उसने कहा, “ठीक है,” उसने कहा, “मैं सड़क से नीचे आ रही थी, और रेडमेन हॉल...” और वे वहां शनिवार रात को नृत्य किया करते थे। और उसने कहा, “मेरे पास कुछ सामान था, जिससे मैं अपने लिए एक ड्रेस बनाने के लिए घर जा रही थी।” और उसने कहा, “मैंने उस संगीत को सुना।” और उसने कहा, “आप जानते हैं,” कहा, “मैं बस एक मिनट के लिए रुक गई।” और उसने कहा, “यह और भी अच्छा होता जा रहा

था। इसलिए मैंने सोचा, 'आप जानते हैं, यदि मैं ठीक यहां खड़ी रहूं तो इससे कोई नुकसान नहीं होगा।'"

268 यहीं है जहां पर उसने गलती की, कुछ क्षण के लिए रुक गई। वह बस सुनती रही।

269 उसने कहा, "तो ठीक है, मैं सोचुंगी।" उसने कहा, "हे प्रभु, आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करती हूं।" कहा, "प्रभु, आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करती हूं। लेकिन मुझे वह समय अच्छी तरह याद है जब ली और मैं उन—उन सारे पुरस्कार इत्यादि को जीतते थे।" कहा, "ओह, मुझे याद है कि यह पहले का संगीत मुझे आकर्षित किया करता था। यह अब नहीं करता है।"

270 उह—ओह, उह—ओह! आप बस सोचते हैं कि यह आपको आकर्षित नहीं करता। इसने आपको पहले से ही ठीक वहां पर पकड़ लिया है। यह बस यही तो है जैसा वह चाहता है, ठीक वहीं पर। समझे?

271 कितने लोग कभी नेली सैंडर्स को जानते हैं? तो ठीक है, मुझे लगाता है कि आप में से बहुत से लोग जानते हैं। जी हां। निश्चय ही। इसलिए वे—वे थे—वे थे...

272 कहा, नेली ने कहा, "तो ठीक है, आप जानते हैं क्या?" कहा, "हो सकता है यदि मैं वहां सीढ़ियों पर चलकर जाऊं," कहा, "हो सकता है कि मैं उनमें से कुछ लोगों को गवाही दे सकूं।"

273 ओह! देखिए, आप ठीक शैतान की जमीन पर हो। इससे दूर ही बने रहो। "बुराई की छाया तक से अपने को बचाए रखो।"

274 लेकिन वह सीढ़ियों से ऊपर चली गई, और वहां कुछ मिनटों के लिए खड़ी रही। और पहली बात आप जानते हैं, वह किसी लड़के की बांहों में थी, वहाँ फर्श पर।

275 तब वह अपने होश में आई। और वह वहां खड़ी थी, रो रही थी बार-बार कहे जा रही थी, "ओह, अब मैं हमेशा के लिए नाश हो गई। मैं..."

276 मैंने सोचा, "ठीक है, मैं बाइबल के बारे में बहुत अधिक नहीं जानता, लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि यीशु ने यह कहा है, 'मेरे नाम से वे दृष्ट आत्माओं को निकालेंगे।' मैं..."

277 और वेयन थोड़ा सा होश में आ गया था, और वहां पर बैठ कर, देख रहा था। समझे? इसलिए मैंने कहा, “अब, शैतान, मैं नहीं जानता कि तू कौन है, लेकिन मैं अब तुझे बता रहा हूं, यह मेरी बहन है, और तेरा कोई काम नहीं है कि उसे पकड़कर रखे। उसका ऐसा करने का इरादा नहीं था। वह बस एक मिनट के लिए रुक गई थी।” हालांकि, यही है जहाँ पर उसने उसकी गलती की। मैंने कहा, “लेकिन तुम्हें उसमें से बाहर आना होगा। तू मुझे सुन रहा है?”

278 और सो मेरी सहायता करे, परमेश्वर, न्याय के कटघरे पर, जो जानता है। वह जालीदार दरवाज़ा अपने आप ही खुलने लगा और बंद होने लगा। “खटाक, खटाक,” वहां दरवाज़े पर आवाज़ हुई। “खट, खटा-खट, खटा-खट।” मैंने सोचा।

और उसने कहा, “बिल, वहां पर देखो। वहां पर देखो।”

और मैंने कहा, “हाँ। यह क्या है?”

उसने कहा, “मैं नहीं जानती।”

मैंने कहा, “ना ही मैं जानता हूँ।”

279 और दरवाज़ा ऐसा आवाज़ कर रहा था “खटा-खट, खटा-खट,” इस तरह से बंद हो रहा था। मैंने सोचा, “यहाँ पर क्या मामला है? क्या मामला है?”

280 मैंने फिर से इस तरह से देखा। और मैंने कहा, “उसे छोड़ दे, शैतान! यीशु के नाम में, उसमें से निकल आ!”

281 जब मैंने यह कहा, यह एक बड़े बड़े चमगादड़ की तरह दिखाई दिया, लगभग इतना लंबा, जो उसके पीछे से ऊपर आया, लंबे बालों के साथ जो उसके पंखों से नीचे लटक रहे थे और उसके पैर से इस तरह से। जो जा रहा था, “ऊऊऊऊह।” सीधे ठीक मेरी ओर आने लगा, जितनी तेज़ी से वो आ सकता था।

282 मैंने कहा, “हे प्रभु परमेश्वर, यीशु मसीह का लहू मेरी इससे रक्षा करे।”

283 और वेयन पलंग पर उछल पड़ा, उसने देखा। और यहाँ पर यह एक बड़ी परछाई की तरह था, गोल-गोल चक्कर लगाया, और वहां जाकर और पलंग के पीछे से नीचे चला गया। वेयन पलंग से बाहर आया और अगले कमरे में जितनी तेज़ी से हो सकता था वहां चला गया। सो हम...

284 मैंने नेल्ली को साथ लिया और उसे घर ले गया। और वापस आया, और मैं नहीं...

285 माँ वहां अंदर गई और चादर को झटका और इत्यादि चीजें की। उस पलंग में कुछ भी नहीं था। यह क्या था? उसमें से एक शैतान निकल गया। क्या हुआ? वह एक क्षण के लिए रुक गई थी। ऐसा ही है।

286 बिल्कुल भी ना रुके। जब परमेश्वर अपने वचन को आपके हृदय में डाल देता है, तो बस उस तलवार को ले ले और काटना और काट-छाँट करना आरंभ करें। हावेलुय्या!

287 “अब मेरे पास किसी और चीज के लिए रुकने का समय नहीं है। मैं अभी पार करके आया हूँ, मेरे पास तो बैठने तक का समय नहीं है।”

288 उसने कहा, “तो ठीक है, और मेरी लाठी लो और इसे उस बालक पर रख देना। और यदि कोई तुम से बात करे, तो यहाँ तक उनसे बात भी न करना।”

289 यदि शैतान कहता है, “हे, तुम जानते हो कि तुम क्या महसूस कर रहे हो?” उससे बात भी न करना। बस चलते रहना।

290 शैतान, आप जानते हो, शैतान कहता है, “लेकिन तुम जानते हो क्या? तुम जानते हो, *फलां-और-फलां*, जब उन्हें पवित्र आत्मा मिला, तो तुम्हें याद होगा कि वे—वे लगभग अपना दिमाग खो बैठे थे।” उससे बात भी मत करना। बस चलते रहना। आप *फलां-और-फलां* के विषय में नहीं जानते।

291 यह तो आप और परमेश्वर है। यह सही है। परमेश्वर का पालन करे। वह अपने सेवकों को अभिषेक करता है। मुझे जल्दी करना होगा। परमेश्वर अपने सेवकों को अभिषेक करता है। समझे?

292 अब मुझे यहां कुछ टिप्पणियों को छोड़ना होगा, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ। यहाँ, अब सुनना, बंद करने पर हूँ।

293 छोटी महिला, अब ध्यान से सुने।

294 यहां हम शैतान की युक्तियों को देखते हैं। हम कैसे जानते हैं? अब, मेरे पास यहाँ भविष्यवक्ताओं और इत्यादि के विषय में बहुत से वचन है, जहां पर वो उनके पास आया, और विभिन्न लोगों के पास बाईबल में से होते हुए, और उसी चीज को किया। यह हमेशा ही उसकी युक्ति होती है,

वो कोशिश करता है कि लोगों को परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने को लगाए। सुनना, आप क्रूस के योद्धा हो। जब आप परमेश्वर के लिखित बाईबल के एक वचन का भी अविश्वास करते हो, तो आप बिना हथियार के हो जाते हैं।

295 प्रिय, इसे विश्वास करते हो?

296 आप बिना हथियार के होते हैं। तुम समर्पण करो, तुम बिना हड्डी की मछली। परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो। आमीन। हम एक लड़ाई में हैं। परमेश्वर ने जो कहा वो सत्य है। “हर एक मनुष्य का शब्द झूठा है।” समझे? लेकिन जैसे ही आप... वो आपको एक बात को सुनने को लगाता हैं, यही उसकी युक्ति है, आप बिना हथियार के हो जाते हैं।

297 हव्वा को कितनी बातें सुनने की आवश्यकता थी? एक। तब वह बिना हथियार की हो गई। शैतान ने क्या किया? ठीक उसके मस्तिष्क में से होते हुए, उसकी आत्मा में घुस गया, और वहां वह दूषित हो गई थी। क्या यह सही है? वह दूषित हो गई उसी मिनट वह बिना हथियार की हो गई थी, जब उसने परमेश्वर के वचन पर अविश्वास किया। तो ठीक है। यहां हम उसकी युक्तियों को देखते हैं।

298 परमेश्वर के योद्धाओं को आज्ञा दी गई है कि “परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो।” क्या यह सही है? अब, यदि आप उस वचन को लिखना चाहते हैं, तो यह इफिसियों 6:10 और 13 में पाया जाता है। समझे? हमने इसे कुछ समय पहले पढ़ा था। यह हमारा मूल पाठ है। तो ठीक है। ध्यान दें। “परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो।” आइए हम... क्या आपके पास कुछ मिनटों का समय है? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] आइए हम बस एक मिनट के लिए यहां वापस चले। आइए हम अब देखते हैं कि परमेश्वर का सारे हथियार क्या है। तो ठीक है। आइए 10वें पद से आरंभ करें। अब, अब ध्यान से सुने। आइए परमेश्वर के सारे हथियारों का पता लगाये। “अंत में, मेरे भाइयों... ” अब, मैं जानता हूं कि मैं ले रहा हूं... मैं...

299 ठीक अभी, यह बारह बजने में बीस मिनट बचे हैं, बस लगभग। मैं—मैं नहीं... आज मैं आपको बहुत लंबे समय तक शिक्षा नहीं देना चाहता था, लेकिन मैं—मैं हो सकता है नहीं लेता लेकिन गर्मियों की अपनी यात्राओं पर निकलने से पहले मुझे सिर्फ एक और संदेश देने का ही मौका मिलेगा, आप समझ रहे हैं।

300 और आप जानते हैं क्या? आप जानते हैं कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ? मैं आपको बताऊंगा। एक दिन मैंने एक सपना देखा। मैं इसे बताने वाला नहीं था, लेकिन यह बात बस मेरे मन में आ रहा है। प्रभु ने जब मुझे इसका अनुवाद दे दिया है, तो अब मुझे इसे बता ही देना चाहिए।

301 मैंने सपना देखा कि मैं एक बड़ी नदी को पार करने जा रहा था, मिशन के कार्य के लिए। और अब, पहले, मैं वहाँ अपनी पत्नी के साथ ऊपर था...

302 और कितने लोग कभी जॉर्ज स्मिथ को जानते हैं, छह सेकंड स्मिथ को, जो यहाँ शहर के है? जॉर्ज स्मिथ, उसका लड़का यहाँ पुलिस बल में कार्य करता है। वह, बेचारा जॉर्ज, वो अब एक शराबी है। लेकिन वह सबसे अच्छे मुक़ेबाजी के लड़ने वालों में से एक था। वो ही एक था जिसने मुझे प्रशिक्षण दिया था, यहाँ तक कि वाय.एम.सी.ए. में भी गया और कहीं भी। वह हमें प्रशिक्षित किया करता था। और वह बहुत ही तेज था, बहुत ही तेज। वह केवल एक मध्यम वर्ग के वजन की श्रेणी में था, एक सौ पैतालीस पौंड के लिए। और उसने मुझे प्रशिक्षित किया। और वहाँ खड़ा हुआ करता था, और वह अपने मुक़े को इस तरह से लेकर, और मुझे सीधे पेट में मारता, मुझे दीवार से टिकाकर ऊपर उठा लेता, देखो, लेकिन, और इससे मुझे परेशानी नहीं होती। वो केवल मुझे प्रशिक्षित कर रहा था, वहाँ प्रशिक्षण के अतिरिक्त कुछ भी न था।

303 और फिर मैंने—मैंने एक रात को सपना देखा, कि मैंने छह-सेकंड स्मिथ को देखा। अब, यह एक दर्शन नहीं था। यह एक सपना था। और मैंने छह-सेकंड स्मिथ को देखा, एक युवा लड़का उसके सामने कुश्ती लड़ने को आ रहा था। और वह, वह बूढ़ा मनुष्य, लगभग, ओह, मैं समझता हूँ... मैं बावन वर्ष का हूँ। वह लगभग अट्ठावन या साठ का वर्ष है। उनमें से कोई भी युवा व्यक्ति उसे किसी भी तरह से छू भी नहीं सकता था। वह बस उन्हें एक गाँठ में बांध देता है, इस तरह से, बस उन्हें फर्श पर लेटाकर और उन्हें अपने हाथों से पकड़ लेता है।

304 और मैंने सोचा, “यह विचित्र बात है।” मैंने सोचा मेरी पत्नी मेरे साथ थी, और मैंने कहा, “यह विचित्र बात है।” मैंने कहा, “क्या तुम जानती हो, मेडा? वह मेरा प्रशिक्षक हुआ करती थी।”

उसने कहा, “मुझे—मुझे यह याद है, आपने मुझे इसके बारे में बताया

था।”

305 मैंने कहा, “जी हां, महाशय। उसके अच्छे प्रशिक्षण के कारण, मैंने पंद्रह पेशेवर मुकाबले के ईनाम जीते, और उस—उस काम को छोड़ कर; सुसमाचार का प्रचार करने लगा।”

306 बस तब यह दृश्य बदल गया, और मैं किसी—किसी जल के मार्ग के उस पार जाने लगा। लेकिन जब मैं जा रहा था, मैं एक मोटर से चलने वाली नाव से जाने वाला था। मैंने देखा, और वहां मेरे दो भाई डोंगी या छोटी सी नाव में बैठे हुए थे, जो मेरे साथ जाने के लिए तैयार हो रहे थे। मैंने कहा, “आप ऐसा नहीं कर सकते, भाइयों। ऊंह—हूंह। मुझे अकेले ही जाना है।”

307 और वो नाव वाला पास आया, और उसने कहा, “यहाँ पर आपके लिए एक नाव है,” एक बिल्कुल सफेद प्लास्टिक की छोटी सी नाव।

मैंने कहा, “नहीं। ऊंह—हूंह। इसमें नहीं।”

308 उसने कहा, “ठीक है, आप इसके साथ इस मार्ग से पचास मील प्रति घंटा चला कर जा सकते हैं।”

मैंने कहा, “लेकिन मुझे तो उस मार्ग को पार करना है।” देखा?

“ठीक है,” उसने कहा, “उन लोगों के साथ चले जाओ।”

309 मैंने कहा, “वे नाव चलाने वाले नहीं हैं। वे इसके बारे में इतना अधिक नहीं जानते हैं। वे तो बस उत्साहित हैं। वे इस नाव को नहीं चला सकते। वे दोनों वहां पर डूब जाएंगे। वे बस इसे नहीं कर सकते।”

और उसने कहा, “क्या आप... क्या आप भरोसा कर सकते हैं... ?”

310 मैंने कहा, “सुनना, मैं—मैं नावों के बारे में जितना वे जानते हैं उनसे अधिक जानता हूँ, बस उस तरह की चीज से बनी उस नाव को पानी में उतारने की कोशिश भी नहीं करूंगा।” मैंने कहा, “इसे पार करने के लिए एक मोटर से चलने वाली बोट की आवश्यकता पड़ेगी।” मैंने कहा, “इसके लिए उससे भी कुछ तो बढ़कर आवश्यकता पड़ेगी।”

311 और मैंने उसे यहाँ-वहाँ देखते हुए देखा, उसने भाइयों में से एक से कहा, “क्या तुम एक नाव चालक हो?”

भाइयों ने कहा, “हाँ।” देखा?

मैंने कहा, “यह गलत है।”

312 और नाविक वापस आ गया। उसने कहा, “मैं आपको बताता हूँ कि आपको क्या करना है।” कहा, “वे आपसे प्रेम करते हैं। वे आप पर विश्वास करते हैं। लेकिन,” कहा, “यदि आप मोटर से चलने वाली नाव से पार जाने की कोशिश करते हैं, तो उस छोटी नाव में वे आपके पीछे जाने की कोशिश करेंगे। वे दोनों मर जाएंगे, देखो।” कहा, “वे आपका पीछा नहीं कर सकते।”

और मैंने कहा, “अच्छा, मुझे क्या करना चाहिए?”

313 और यह नाविक घाट पर ही था, उसने कहा, “आप वहाँ ऊपर वापस जाये।” उसने कहा, “इस पूरे इलाके में बस एक ही छोटा गोदाम या स्टोरहाउस है, केवल एक छोटा गोदाम। और आप भरपूर भोजन की सामग्री जमा कर लो,” कहा, “और वे लोग यहीं पर रहेंगे। वे—वे आपके जाने के दौरान—आपके जाने के दौरान यहीं बने रहेंगे। लेकिन,” कहा, “आपको भोजन की सामग्री जमा करनी होगी।”

314 और मैं बस सभी प्रकार के बंदगोभी, और शलगम, और मूली, और ऐसी चीजों को मंगवा रहा था, उन्हें वहां इस तरह से ढेर कर दिया। तब मेरी नींद खुल गई।

315 मैं नहीं जानता था कि यह क्या था, लेकिन अब मैं जानता हूँ। देखो, हम भोजन सामग्री जमा कर रहे हैं, भाइयों। यह एक ऐसा जीवन है जिसे आपको अकेले ही चलना है।

316 लियो, आपको वह सपना याद है जो आपने उस समय देखा था जब आप पहली बार यहां आए थे? [भाई लियो मर्सिएर कहते हैं, “आमीन।”—सम्पा।] पिरामिड के बारे में, और आपने सोचा कि आप वहां ऊपर आ जाएंगे। मैंने कहा, “लियो, यहां ऊपर कोई मनुष्य नहीं आता। परमेश्वर को एक यहां ऊपर एक मनुष्य को रखना होता है। आप उस हर एक भौतिक क्षेत्र पर चढ़ जाते हैं जिसे आप चढ़ सकते हैं।” मैंने कहा, “लियो, आप यहां नहीं आ सकते। समझे? वापस नीचे जाओ। बस लोगों को बताओ कि यह तो परमेश्वर की ओर से आता है।” समझे? समझे?

317 यह एक कुछ तो ऐसी चीज़ है जिस पर आप—आप पूरी तरह निर्भर नहीं हो सकते, चाहे हमारे भाई—बहन और हमारी कलीसिया कितने भी अच्छे क्यों न हों, और बाकी कलीसियाएँ और भाई कितने भी भले क्यों न हों।

318 अब, मैं बाहर की उस कलीसिया से दूर नहीं रह सकता। कोई कहता है, “तो ठीक है, आप उन लोगों के साथ क्यों बाहर जाते हैं, वे त्रिएकतावादी, सारे यह, वो, और इत्यादि, और वो वननेस वाले, और जीसस नेम वाले, और वहां ये सारी अन्य चीजें हैं? आप उनके साथ पूरी तरह क्यों घुल-मिल जाते हो?” वे मेरे हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्होंने क्या किया है, वे मेरे हैं। वे मेरे पुलपीट हैं।

319 जब इस्राएल ने बहुत ही बुरा किया था, यहां तक कि परमेश्वर ने मूसा को बताया, कहा, “अपने आप को अलग कर लो। मैं तुम्हारे साथ एक नया—नया गोत्र आरंभ करूंगा।”

320 मूसा ने अपने आप को बीच में डाल दिया, कहा, “आप उन्हें लेने से पहले मुझे ले लो।”

321 कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्होंने क्या किया था, मुझे उन्हीं के लिए भेजा गया है। वह एक उजियाले को भेजता है, ना कि वहां चमकने के लिए जहां उजियाला है। जहां अंधकार होता है, वहीं पर उजियाले का स्थान होता है। और आपको लोगों के साथ जाना होगा। आपको उनके साथ खड़ा होना है, परवाह किए बिना, आपको उनके गलती में साथ होना है।

322 इस्राएल गलत था जितना गलत हो सकता था। वे इतने गलत थे यहाँ तक कि परमेश्वर ने उन्हें छोड़ दिया। लेकिन, मूसा में, मैं हमेशा सोचता था कि यह बात किस तरह से आई, लेकिन मूसा में मसीह की आत्मा थी। समझे?

323 देखो, हम सब गलत हैं। हम सब के लिए वह खड़ा हुआ था जब हम अपनी गलती में थे।

324 कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने गलत हैं, आइए हम किसी भी चीज के साथ संगति को ना तोड़े या अपने आप को अलग ना करें। जब तक हम एक प्राण को जीत सकते हैं, आइए हम “सांप की नाई चतुर, कबूतर की नाई भोले बने,” देखो, और हर एक प्राण को जीतने का प्रयास करें जो हम कर सकते हैं।

325 अब, आज सुबह यही है जो मैं कह रहा हूँ, ये है भोजन को जमा करना। भोजन को जमा कर रहा हूँ, जिससे कि आपके पास खाने के लिए कुछ हो, जिससे कि आपके पास कुछ तो हो कि जिस पर भोजन कर सके। इसे अपने टेप पर ले। कमरे की ठंडक में बैठे। हो सकता है, जब मैं बहुत दूर

निकल जाता हूँ, तब भी आपको याद रहेगा कि ये बातें सच हैं। अपने कमरे में बैठ जाए और सुने। समझे? और यह भोजन है, जो भंडार में जमा किया हुआ है। मैं नहीं जानता कि मेरी यात्रा कहां पर है, लेकिन, यह जहां कहीं भी है, वह जानता है कि वह कहां अगुवाई कर रहा है; मैं नहीं जानता, मैं बस उसका अनुकरण करता हूँ।

326 अब, उसने यहाँ अब क्या कहा? ध्यान से सुनना।

अंत में, मेरे भाइयों, प्रभु में, और उसकी सामर्थ में बलवान बनो।

... बलवन्त बनो... उसकी सामर्थ की शक्ति में।

परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, जिससे कि तुम शैतान की युक्तियों के विरोध में खड़े हो सको।

क्योंकि हमारा युद्ध मांस और लहू से नहीं हैं,...

गोली चलाना और चाकुओं से काटना, देखो, ये वो बात नहीं है।

... परन्तु प्रधानताओं के विरुद्ध, शक्तियों के विरुद्ध, इस संसार के अंधकार के हाकिमों के विरुद्ध,...

327 “अंधकार के शासक।” संसार पर कौन शासन करता है? शैतान। निश्चय ही। ये सारी बातें जो चल रही हैं, ये सारी अधार्मिक बातें जो चल रही हैं, यहाँ-वहाँ से होते हुए, और ये सरकारें, और इत्यादि? यह सब शैतान के हैं। बाईबल ऐसा कहता है। संयुक्त राज्य में शैतान का नियंत्रण है। शैतान ने जर्मनी को नियंत्रित किया है। शैतान संसार के हर एक राष्ट्र को नियंत्रित करता है। मैं इस पर बस कुछ ही मिनटों में आ रहा हूँ, और हम देखेंगे कि वह ऐसा करता है या नहीं। चाहे... हर एक राज्य जो कभी था और जो कभी होगा, जब तक परमेश्वर अपने राज्य को स्थापित नहीं करता है, ये शैतान के द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

328 अब, मेरा मतलब यह नहीं है कि इसमें हर कोई शैतान है। सरकारी ऑफिस में—में धर्मी लोग भी हैं।

329 यहाँ कुछ ही रातों में ठीक यहाँ पर एक धार्मिक व्यक्ति होगा, यहाँ इस स्थान पर भाई आर्गनब्राइट के साथ एक तस्वीर को दिखाने के लिए। वो लगभग पाँच विभिन्न राष्ट्रपतियों का राजदूत रहा है, भाई रोवे। और वह एक... वह यहां पर होगा, मैं सोचता हूँ कि वो यहाँ अप्रैल का दूसरा सप्ताह

के आसपास होगा। भाई नेविल इसकी घोषणा करेंगे। और वह एक अद्भुत व्यक्ति है।

330 उसने कहा कि वह आठ अलग-अलग भाषाओं में बोल सकता है, मैं सोचता हूँ। लेकिन जब उसने पवित्र आत्मा को पाया, तो उसके पास कोई भाषा नहीं थी कि वो प्रभु से बात कर सके, इसलिए प्रभु ने उसे तब एक भाषा को दे दिया, उसने कहा, इसलिए वह उससे उस एक भाषा के साथ बात करता है। उसे एक नयी भाषा देता है, जिस पर उसने कभी अभ्यास नहीं किया था। तो ठीक है।

... उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

इसलिए...

331 अब सुनना, अब आप सारे योद्धा, इससे पहले कि हम प्रार्थना पंक्ति को आरंभ करें।

... अपने लिए बाँध लो... (डब्लू-एच-ओ-एल-ई) सारे (केवल इसका एक भाग नहीं)... परमेश्वर के सारे हथियार को बाँध लो, जिससे कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको,...

यही वो दिन है जिसमें हम रह रहे हैं।

... और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।

स्थिर रह सको...

332 आमीन। इसे समझे? देखा, प्रिय? जब आप पूरा करते हैं जो भी आप कर सकते थे, ताकि स्थिर रह सको, तो स्थिर रहे। हिलना मत।

इसलिए स्थिर रहो, अपनी कमर को कसकर...

333 इसे सुनना। यहां सुनना, यह क्या है। “आपकी कमर।” यह आपका बीच का भाग है, यहाँ, देखिए।

... सत्य से अपनी कमर कसकर,...

334 सत्य क्या है? परमेश्वर का वचन। यह सही है। “तेरा वचन सत्य है।” तो ठीक है।

... और धार्मिकता का कवच पहिन कर;

335 यही है, “जो सही है वही करें।” आप में वो परमेश्वर का वचन है, जो सही है उसे करते हुए। “धार्मिकता का कवच।”

और अपने पावो में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहन कर;

336 कहीं भी जाए, किसी भी स्थान में, किसी भी समय, पैर सुसमाचार के साथ तैयार रखें। समझे? और देखो:

इस सब के ऊपर, इस सभी के ऊपर, विश्वास की ढाल को ले,...

337 यही वो एक है जो तीरों को नीचे गिरा देता है, देखो, “विश्वास की ढाल।”

... जिस से तुम दुष्टों के सभी जलते हुए तीरों को बुझा सको।

और उद्धार का टोप ले लो,...

338 यही प्राण है... यह मस्तिष्क—यह मस्तिष्क, यहां पर, वो सिर; जो ऊपर सिर को ढकता है।

... और उस—और उस आत्मा की तलवार को लो, जो कि परमेश्वर का वचन है:

339 आप इस टोप को कैसे लगाते हैं, यह क्या करता है? यह एक सुरक्षा है। टोप किस चीज का बना होता है? पीतल का। पीतल के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है; ये कठोर होता है, लोहे से भी कठोर। एक पीतल का बना सिर का टोप, (वह क्या है?) उद्धार, यह जानने का ज्ञान, “और मेरी चंगाई परमेश्वर की ओर से आती है। मेरा उद्धार परमेश्वर से आता है। मेरा अनुभव उसके वचन से मेल खाता है, ना कि कलीसियाओं के विचार से; वो वचन!” आमीन। आप वहां हैं। एक सुरक्षा के साथ ढका हुआ, उद्धार का टोप, छुटकारा। इसे ले, उसके बाद आगे की ओर बढ़ते जाए। ओह, अब, अब यही है जो हमें करना चाहिए। शैतान की सेना...

340 अब देखो, अब, हम... मुझे अब जल्दी करना है, लेकिन मुझे—मुझे इस बात को अंदर डालना है।

341 शैतान की सेना बीमारियों को लाती है। यही है जो शैतान है, वह एक नष्ट करने वाला है। शैतान, शैतान का सारा राज्य, बीमारी है, मृत्यु, और दुःख, और उतार-चढ़ाव, और चिंता, सब शैतान का है।

यहाँ पर परमेश्वर जीवन, विश्वास, आनंद, शांति है। समझे?

342 अब, यही दो बड़ी ताकत है जो ठीक अभी एक साथ आ रही है। वे लड़ाई कर रहे हैं। वे ठीक अभी इस समय यहाँ इस भवन में लड़ रहे हैं। वे दिन-प्रतिदिन, आपके साथ, हर एक ताकत के साथ लड़ रहे हैं।

343 शैतान, आपका पीछा कर रहा है, वो बड़ा, विशाल, राजसी, याजकीय गोलियत आपको अंदर तक डराने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो सही है, लेकिन परमेश्वर...

344 आप सुरक्षित हैं, आमीन, सुसमाचार के साथ, सत्य वचन के साथ जो आपकी कमर के चारों ओर बंधा है। महिमा! प्रचारक, यही वह बात है। उद्धार का टोप; विश्वास की ढाल; और तलवार, इसे आपके हाथ में लहराते हुए! "शैतान, मैं तेरा सामना करने आ रहा हूँ। तू मुझसे विज्ञान के नाम पर सामना करता है। तू मुझसे संस्कृति के—के नाम पर सामना करता है। तू मुझसे संस्था के नाम में सामना करता है। तू मुझसे इसके, उसके, या इत्यादि के नाम पर सामना करता है। लेकिन मैं तुझ से इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम में सामना करता हूँ। मैं तेरे पीछे-पीछे आ रहा हूँ। हट जा!" यहां तक कि स्वयं मृत्यु भी वहां खड़ी नहीं हो सकती। इसमें से होकर एक छेद को करे। यह सही है।

345 शैतान की सेना बीमारियों को लाती है, और परमेश्वर की सेना को उन्हें बाहर निकालने का अधिकार दिया गया है। आमीन। आप वहां हैं। हर बार जब शैतान आप पर कुछ भी फेंकता है, तो परमेश्वर की सेना उसे बाहर निकालने के लिए रहती है। आमीन। बाहर निकालो!

346 यह वही तकनीक है जिसे परमेश्वर ने प्रयोग किया। शैतान ने विनाश की सेना का उपयोग किया, ताकि परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करे, और अपने लिए मीकाएल से एक बेहतर राज्य स्थापित करे, और परमेश्वर ने उसे बाहर निकाल दिया।

347 परमेश्वर की विधि, ये हैं, जो दुष्ट को बाहर निकाल देती हैं। तर्क को बाहर कर देती हैं। अंधविश्वासों को बाहर कर देती हैं। चिंता को बाहर कर देती हैं। रोगों को बाहर कर देती हैं। पाप को बाहर कर देती हैं। आमीन। आप इसके ऊपर हैं, मसीह यीशु में जी उठे हैं, स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, हर एक शैतान आपके पैरों के नीचे है। यदि वह अपने सिर वहां पर उसमें डालना आरंभ करता है, तो क्या...

348 आप जानते हैं, आप मर चुके हैं। आपका जीवन छिपा हुआ है। मरा

हुआ क्या होता है? आप अपनी चेतनाओं के लिए मरे हुए हो। आप अपने विवेक के लिए मर चुके हैं। आपकी अपनी मानवीय इच्छा कहेगी, “हां, मैं समझता हूं मैं...” अपने तर्क के लिए मर जाए। उन सभी चीजों के लिए मर जाए। और आप यीशु मसीह के नाम में गाड़े जाते हैं; और उसके साथ जी उठते हैं। और जहां कहीं भी वो है, वहां आप भी होते हैं।

349 क्या होता है जब वे लोग, उन संदेह करने वालों में से एक, स्वर्ग में चला जाये? परमेश्वर उसे बाहर निकाल देता है। और जो मसीह में जी उठे उसने उन योद्धाओं से क्या कहा? “जब एक शैतान आता है, तो उसे बाहर निकाल देना। उसे बाहर कर देना।” जब यीशु ने अपनी सेना को प्रशिक्षित किया, और उन्हें संसार के छोर तक आज्ञा दी, “तुम सारे संसार में जाकर, हर एक सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करो। वह जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले वो बच जाएगा; जो विश्वास नहीं करेगा, वह नाश होगा। और ये चिन्ह विश्वासियों के पीछे-पीछे जाएंगे, मेरे सिपाहियों। मेरे नाम से वे शैतानों को बाहर निकालेंगे; नई-नई भाषा में बोलेंगे; सांपों को उठा लेंगे, या घातक वस्तु भी पी जाए, इससे उनकी कोई हानि नहीं होगी; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।”

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!

युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,

यीशु के क्रूस के साथ

आगे चलते रहना।

350 “मैं उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, फिर भी मैं जीवित हूं; ये मैं नहीं जो जीता हूं, लेकिन यह वह है जो मुझ में जीता है।” वचन आगे-आगे बढ़ रहा है, परमेश्वर अपनी तेज दोधारी तलवार से काट रहा है।

351 तब, कोई आश्चर्य नहीं, जब ग्रांट ने रिचमंड पर कब्जा किया, और उस छोटी दक्षिणी महिला ने ग्रांट को अंदर आते हुए देखा, प्रेरणा उस पर उतर आई। और उसने कहा:

मेरी आंखों ने प्रभु के आगमन की महिमा को देखा है;

वो उस दाख की बारी को रौंद रहा हैं जहाँ क्रोध से भरे

अंगूर जमा किए गए हैं;

उसने अपनी भयानक तेज तलवार के साथ घातक

बिजली को गिराया है;

उसके सैनिक आगे बढ़ रहे हैं।

352 आमीन। ग्रांट ने रिचमंड को कैसे कब्जा किया? जैसे ही वह वहां आया।
आमीन। इसी तरह से उसने रिचमंड को ले लिया।

353 इसी तरह से परमेश्वर के सिपाही पाप, बीमारी को ले लेते हैं; ठीक वैसे ही जैसे वे इस पर आते हैं। आमीन। इसी प्रकार से उन्होंने अपने संदेहों, और डर, और आदि चीजों पर जय पायी। जब एक भी ऊपर आता है, तो वे उसे काट देते हैं। “मार्ग से हट जाओ!” ओह, प्रभु! ऐसा ही है। परमेश्वर ने उन्हें बाहर निकाल देता है, जैसे उसने स्वर्ग में किया। हमारे मुख्य कप्तान ने हमें दिखाया कि इसे कैसे किया जाता है। आमीन।

354 रॉय रॉबर्सन और भाई फंक, आप में से बहुत से पुराने अनुभवी लोग, आप जानते हैं कि एक सच्चा कप्तान क्या होता है।

355 एक बार मैं... यह छोटा जेफरसनविले अग्रिशमन विभाग जो यहाँ नीचे है। पफाऊ के स्थान में आग लग गई। और यहां जेफरसनविले अग्रिशमन विभाग वहां पर खड़ा था, और उनका कप्तान यहां-वहां घूम रहा था, कहा, “यहाँ पर थोड़ा पानी ऊपर से छिड़को।” “स्प-स्प-स्प-स्प,” यहाँ एक छोटे पाइप की तरह होता है। यहाँ क्लार्क्सविल वाले आते हैं, “यहाँ थोड़ा पानी छिड़को।” “स्प-स्प-स्प।” पफाऊ की इमारत जल गई।

356 उन्होंने लुइसविले में फ़ोन किया। यहां पर प्रशिक्षण पाये हुए लोग आते हैं। ओह, किस तरह से वे सायरन वहां पर बज रहे थे!

357 और यहाँ पर साथ ही एक मुख्य कप्तान होता है, इन अग्रिशमन विभाग का, कहता है, “यहाँ ऊपर थोड़ा पानी छिड़को। थोड़ा सा पानी यहाँ पर छिड़को।” अप्रशिक्षित लोग।

358 भाई, जैसे ही वह इंजन रुका, सीढ़ी के उस ऊपरी भाग पर कौन था? कप्तान। जब वह सीढ़ी ऊपर चली गई, तो वह भी उसके साथ ऊपर गया। वह अभी तक खिड़की तक नहीं पहुंचा था, जब उसने खिड़की पर प्रहार किया। उसने अपनी कुल्हाड़ी जैसे औजार को पकड़ा और उसे खिड़की में से अंदर फेंका, और कहा, “लड़कों, आ जाओ।” और कुछ ही मिनटों में आग बुझ गई। एक कप्तान!

359 यह कोई कप्तान नहीं होता है, जो कहे, “यहां थोड़ा पानी छिड़को। यहां थोड़ा सा प्रयास करो।”

360 लेकिन, “लड़कों, आ जाओ!” आमीन। उसने मार्ग में अगुवाई की। उसने हमें दिखाया कि यह कैसे किया जाता है।

361 मैंने सोचा, “वह अच्छी तरह से प्रशिक्षित अग्निशमन विभाग, उन्होंने कुछ ही मिनटों में उस आग को बुझा दिया।” क्यों? उनके पास वहां एक कप्तान था जो जानता था कि वह क्या कर रहा था।

362 भाई, अपने सारे धर्मज्ञान की बातें करते हैं जो आप चाहते हैं। आपके मनुष्य के बनाये हुए संप्रदाय, आपके संगठन: इनके साथ खेलते हैं।

मेरे पास एक मुख्य कप्तान है जिसने मुझे बताया कि इसे कैसे करना है।

कहते हैं, “तो ठीक है, यदि मैं इसे सूँघ सकता हूँ, इसे महसूस कर सकता हूँ।” ओह, बकवास!

363 यहाँ वह तरीका है जैसा मुख्य कप्तान ने कहा इसे किया गया है, लूका के 4थे अध्याय में। मेरे पास इसे पढ़ने का समय नहीं है। इसे आप स्वयं पढ़ें। तो ठीक है। लूका 4था अध्याय, 1ले पद से आरंभ करें।

364 उसने कभी नहीं कहा, “अब मैं तुम्हें बताऊंगा। तुम यहां पर जाओ और तुम एक बड़े संगठन को बनाओ। तुम प्रेस्बिटर्स को लेना, और डिकन, और, या कार्डिनल को लेना, और बिशप, और तुम इसे लेना।” उसने ऐसा कभी नहीं कहा।

365 जब शैतान उससे मिला, तो उसने कहा, “अब तुम भूखे हो। इन पत्थरों को रोटी में बदल दो।”

उसने कहा, “ऐसा लिखा है... ”

366 उसने कहा, “यहाँ ऊपर, हम तुम्हें यहाँ ऊपर ले जाएंगे और तुम्हें कुछ दिखाएंगे।”

“लेकिन ऐसा लिखा है... ”

“यदि तुम इसे करोगे, तो मैं ऐसा करूँगा।”

“ऐसा लिखा है... ”

367 इसी तरह से मुख्य कप्तान ने कहा था इसे किया गया था। इसे कैसे किया गया, बहन? “ऐसा लिखा है, ‘यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।’” “ऐसा लिखा है, ‘मेरे नाम से वे दृष्ट आत्माओं को बाहर निकालेंगे।’” आमीन। यह क्या है? “ऐसा लिखा है!” यही कप्तान के

आदेश है। “ऐसा लिखा है, ‘जो कोई भी मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है।’ ऐसा लिखा है! ऐसा लिखा है! ऐसा लिखा है!” यही—यही वे आदेश है। यही वह योद्धा है। यही सही तरीका है। यही वह तोप है जिसे लेकर हम आगे बढ़ते हैं।

368 उसने क्या किया? वह सीधे वहां चलकर गया, एक गोलियत के सामने। उसने दिखाया... दाऊद ने कैसे एक सेना को दिखाया कि यह कैसे किया गया था? कैसे एक दाऊद ने इस्राएल को दिखाया कि यह कैसे किया गया था? दाऊद का अर्थ होता है “प्रिय, उद्धारकर्ता।” समझे? दाऊद ने यह कैसे किया? उसने कहा, “इसे इस तरह से किया गया है। प्रभु के वचन पर भरोसा करो।”

369 और वहां पर गोलियत सामने आया, कहा, “तुम जानते हो क्या? मैं तुम्हें इस भाले की नोक पर उठाऊंगा, और मैं तुम्हें पक्षियों को खिलाऊंगा।”

370 उसने कहा, “तुम मुझसे एक संगठन के रूप में सामना करते हो। तुम मुझसे एक आधुनिक वैज्ञानिक के रूप में सामना करते हो। तुम मुझे अपनी बड़ी चौदह फुट की तलवार के साथ सामना करते हो। तुम मुझसे पीतल का टोप पहनकर और ढाल का एक ऐसा भारी टुकड़ा लेकर सामना करने आये हो जिसे मैं ज़मीन से उठा भी नहीं सकता। तुम मुझसे एक प्रशिक्षित योद्धा के रूप में सामना करते हो। तुम मुझसे पीएच.डी. और एल.एल.डी., और डबल-एल.डी. के साथ सामना करते हो, तुम मुझसे इन सभी चीजों में सामना करते हो। लेकिन मैं इस्राएल के प्रभु परमेश्वर के नाम से आया हूँ, और आज मैं तुम्हारे सिर को तुम्हारे कंधों से काट कर अलग कर डालूँगा।” आमीन। वह छोटा सा नाटा वहां उस दानव के विरुद्ध सामना करने आ रहा था, लेकिन वह जानता था कि वह कहां खड़ा था।

इस्राएल, बस वहां पीछे काँप रहा था, “ओह, बेचारा छोटा सा लड़का।”

गोलियत ने कहा, “मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि मैं क्या करूँगा।” और यहाँ वह आता है।

371 उसके पास एफ़-ए-आई-टी-एच विश्वास था, समझे, आई-एन जे-ई-एस-यू-एस यीशु में, पांच चट्टान, पांच पत्थर। वहां पर इसे आरंभ

करने के लिए एक छोटा सा पत्थर। इसे इस तरह से घुमाते हुए, पवित्र आत्मा ने उस पत्थर को पकड़ लिया, और ये दूर वहां चला गया। गोलियत जमीन पर जा गिरा। इसी तरह से इसे किया गया है।

372 यही तरीका है जिस तरह यीशु ने कहा, जो उसने कहा। “अब, यदि आप भाई लोग जो बाहर प्रचार के कार्य क्षेत्र में जा रहे हैं, यदि आप जानना चाहते हैं कि इन शैतानों पर कैसे विजय प्राप्त करें, तो मैं आपको दिखाऊंगा कि यह कैसे किया गया है।”

373 शैतान ने कहा, “मैं तुमसे मिलूंगा।” गोलियत, “मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि मैं क्या कर सकता हूँ। तुम्हें भूख लगी है। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो मैं तुझे चुनौती दूंगा। तुम कहते हो कि तुम परमेश्वर के पुत्र हो। मैं तुम्हें चुनौती दूंगा। यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो इन पत्थरों से रोटी बना। खाओ; तुम्हें भूख लगी है। और यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो तुम्हारे पास इसे करने की सामर्थ्य है।”

374 उसने कहा, “लेकिन अब, ऐसा लिखा है, ‘मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा।’” ओह, इसी तरह से मुख्य कप्तान ने इसे किया था।

उसे मंदिर के सबसे ऊपर शिखर पर ले गया। उसने कहा, “यदि तुम अपने आप को नीचे गिरा दो,” कहा, “तुम जानते हो कि ऐसा भी लिखा है... ”

375 उसने कहा, “हाँ।” कहा, “फिर से, ऐसा लिखा है, ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा ना लेना।’” देखा उसने खुद को क्या कहा? “प्रभु तेरा परमेश्वर।” उह-हुंह। “तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा ना लेना,’ फिर से, ऐसा लिखा है, इस प्रकार से।” समझे? ओह, प्रभु!

376 उसने क्या किया? उसने उसे परमेश्वर के वचन के साथ पराजित किया। शैतान की चाल यह है कि वह आपको परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने को लगाये। और मुख्य कप्तान ने कहा, “परमेश्वर का वचन ले और इसे कर। मेरे नाम से वे शैतानों को बाहर निकालेंगे।”

377 ओह, शैतान, उनका मुख्य कप्तान, ओह, हाँ, आप जानते हो, इनमें से कुछ संप्रदाय आपको यह विश्वास दिलाने की कोशिश करते हैं कि उसके पास एक फटा हुआ खुर है, आप जानते हैं, और उसकी एक कटी हुई पूँछ होती है, और यह सारी चीजें। आप इसका विश्वास ना करें। वह इस प्रकार से नहीं है। नहीं, महाशय, भाई। वह एक बड़ा धूर्त है। आप विश्वास ना करे

कि उसके पास यह सब है। वे तो बस आपको डराने के लिए ऐसा करते हैं। यह शैतान नहीं है। शैतान के पास खुर नहीं होता है, आरंभ से ही; मुझे इसमें बहुत अधिक संदेह है। वह तो बस एक आत्मा है। शैतान एक आत्मा है। उसके पास कांटेदार खुर और ऐसी चीजें नहीं होती हैं, जैसे आप उसे चित्रित करने की कोशिश करते हैं। नहीं, नहीं।

378 लेकिन, वो बुद्धिमान है। भाई, वह एक बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति है, हर मामले में पढ़ा-लिखा और दुनियादारी की समझ रखने वाला, वो हमेशा से ऐसा ही रहा है। ओह, हाँ। वह सुंदर है। अपनी सेना को सांसारिक बुद्धि से संगठित करता है, इतना तक, भाई, आप अपने शब्दों को बोलने की—की कोशिश—कोशिश ना करे। जब की आप बेहतर जानते हैं कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं जब आप इन लोगों में से एक से मिलेंगे, कहते हैं, “आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए।” नहीं, उसके पास नहीं है—उसके पास एक फटा हुआ खुर नहीं होता है। वह, ओह, वह—वह—वह ठीक धर्म विद्यालय से बाहर आया है। वह चमकाया हुआ होता है, भाई। मेरा मतलब है, वह होशियार है, पीएच.डी., एल.एल.डी., क्यू.यू.एस.टी. और बाकी की सारी डिग्री। समझे? वहां उसमें सभी है, वह बस उतना होशियार है जितना होशियार वो हो सकता है। बुद्धिमान, निश्चय ही, वह एक सांप है, उन सभी से सबसे धूर्त है। बाल एकदम सलीके से कटे हुए, भाई, और, मेरा मतलब है, अच्छे कपड़े पहने हुए, और कोट में कोई सिलवट नहीं। चतुर, बस उतना ही बुद्धिमान और चालाक जितना वह हो सकता है। यह सही बात है।

379 आप उसके साथ ना उलझे जब तक कि आप नहीं जानते कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं। यह सही है। ओह, लेकिन हम उसकी पुरानी—उसकी पुरानी युक्तियों को जानते हैं। हम जानते हैं कि वह क्या करने की कोशिश कर रहा है: हमें परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करने को लगाता है।

380 और उसके पास फटे हुए खुर नहीं होते हैं। नहीं, नहीं, नहीं। अब, हम देखते हैं कि यदि उसके पास फटे हुए खुर नहीं है, तो उसे अवश्य ही कुछ तो और होना चाहिए। वह एक चालाक है। वह बुद्धिमान है, शिक्षित है, संगठित है। भाई, उसकी सेना भी उसी तरह की है।

381 देखो, एक बार, वहां स्विट्जरलैंड में। मुझे बस ठहरने के लिए स्थान

नहीं मिल पा रहा था, मित्रों। वहां एक—एक... स्विट्जरलैंड में, वहाँ यह जर्मन की सेना आई, बढ़-... साथ में विदेशियों का भी आगमन हुआ। क्यों, यह एक ईंट की दीवार की तरह दिखाई दे रहा था; हर एक व्यक्ति प्रशिक्षित था, हर एक भाला इस तरह से बाहर किए हुए, आठ या दस फुट आगे की ओर। और वे वहां पर बेचारे छोटे से स्विट्जरलैंड के पास आए, लेकिन उनके पास क्या है? वे अपने हंसिये से निकली धारदार ब्लेडों, लाठियों और पत्थरों के हथियार से सुसज्जित थे, और वहां वे खड़े थे। उन्होंने उन्हें पीछे धकेल दिया था। ठीक पहाड़ी के पार उनके घर थे। यहां से स्विट्जरलैंड की सेना उनका सामना करने निकल पड़ी। उन्होंने उनका कुछ नहीं बिगाड़ा था। वे बस अंदर घुसे चले आ रहे थे और उनके देश पर कब्जा कर रहे थे।

382 इस मासूम बच्ची ने क्या बिगाड़ रखा था, वो तो बस छोटी सी बच्ची ही है! यह सब शैतान का काम है, यदि उसका बस चले तो वह इसकी जान ही ले ले। बिल्कुल। वो वहां पर है; समय से पहले। समझे?

383 स्विट्जरलैंड ने कुछ भी नहीं किया था। वे अच्छे लोग थे। वे अपने घरों को बचाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वे वहां बचाव के लिए खड़े हुए थे। थोड़ी देर बाद, वहां अर्नोल्ड वोन विंकलरीड के नाम का एक व्यक्ति सामने आया। यहाँ यह सेना आती है। वे सभी घिरे हुए थे। कहा, “हम क्या कर सकते हैं?”

384 हर कहीं, बस मनुष्यों का सागर, अच्छी तरह से प्रशिक्षित। इसी तरह से शैतान ऐसा करता है। अच्छी तरह से प्रशिक्षित, उनका भाला सीधा आगे की ओर तना हुआ, हर एक मनुष्य कदम ताल में: एक, दो; एक, दो; बस इस छोटी सी सेना को चारों ओर से घेरने के लिए चले आ रहे हैं। बस—बस उन्हें आगे बढ़ते रहना था, उन्हें इतना ही करना था, और हर एक को अपनी तलवारों पर उठाना था। भाले उनके आर-पार निकल जाते। इससे स्विट्जरलैंड की सेना का अंत हो जाता। बस खेल खत्म हो जाता। पहाड़ी के ठीक पार उनके घर और उनके अपने प्रियजन थे। उनकी महिलाओं के साथ अत्याचार करते और बलात्कार होता, और उनकी जवान बेटियों और बच्चों को मार डाला जाता। और घर जलाए जाते, और इत्यादि हर एक चीज, भोजन को ले लिया जाता, पशु और सामान, चला जाता। वहां पर वे थे।

385 क्या हुआ? अर्नोल्ड वॉन विंकलरीड नाम के व्यक्ति के अंदर अचानक प्रेरणा उतर आई। उसने कहा, “स्विट्जरलैंड के लोगो, आज मैं स्विट्जरलैंड के लिए मर रहा हूँ।” आमीन। “आज के दिन मैं स्विट्जरलैंड के लिए मर रहा हूँ।”

उन्होंने कहा, “आप क्या करेंगे?”

386 उसने कहा, “तुम बस मेरा पीछे चलो और जो भी तुम्हारे पास है उससे लड़ो।” वह वहां ऊपर खड़ा रहा; अपने भाले को नीचे फेंका, एक छोटी सी लाठी जो उसके हाथ में थी, इस तरह से। और अपने हाथों को ऊपर उठाकर, इस तरह से चिल्लाया, और उस ओर दौड़ने लगा, चिल्लाते हुए, “आजादी के लिए एक रास्ता बनाओ!” वह जितनी जोर से दौड़ सकता था, सीधे सेना की ओर दौड़ने लगा। और, जब उसने ऐसा किया, तो उसने हर एक भाले को पकड़ लिया, जिसे वो पकड़ सकता था, और उन्हें लेकर ठीक इस तरह से उसकी छाती में डाल दिया, और मर गया।

387 उसने जाने से पहले उनसे कहा। कहा, “वहां उस ओर एक छोटा सा घर है, एक पत्नी और कुछ बच्चे हैं जिन्हें मैं छोड़ कर जा रहा हूँ, एक छोटा सा घर जिसे मैंने अभी खरीदा है।” और कहा, “मैं—मैं उनसे प्रेम करता हूँ, लेकिन, आज, मैं स्विट्जरलैंड के लिए मर रहा हूँ। उसने मेरा... ” उसने कहा, “मैं राष्ट्र को बचाने के लिए अपना जीवन देता हूँ।” और वह एक हीरो था। तब से लेकर उनका कोई युद्ध नहीं हुआ था। यही, इसने इसे समाप्त कर दिया।

388 उसने सेना को परास्त कर दिया, उस वीरता जो इतनी प्रदर्शित हुई, यहाँ तक कि वहां नहीं... वो—वो सेना बहुत ही उलझन में पड़ गई थी। स्विट्जरलैंड ने उन पर पत्थर को लुढ़काया, और उन्हें देश से बाहर भगा दिया; और वे तब से लेकर कभी वापस नहीं आये। यह सैकड़ों वर्ष पहले की बात है। समझे? क्यों? यह एक महान कार्य था।

389 लेकिन, ओह, भाई, एक दिन, जब अज्ञानता, अंधविश्वास, संदेह, घबराहट, और डर, इसने परमेश्वर के लोगों को कोने में घेर लिया था, तो वहां एक था जिसका नाम यीशु मसीह था: “आज के दिन मैं लोगों के लिए मरूंगा।” यह सही है।

390 उसने अपनी सेना से क्या कहा? “मेरे पीछे आओ और जो कुछ तुम्हारे पास है उससे लड़ो। यदि तुम्हारे पास एक लाठी है, तो एक लाठी के साथ

लड़ो। डरो मत। तुम्हारे पास एक छड़ी है, तो एक छड़ी से लड़ो। तुम्हारे पास एक पत्थर है, तो एक पत्थर के साथ लड़ो, तुम्हारे पास जो भी है।”

391 यही है जो आज हमारा मुख्य कप्तान कहता है। “मैंने परमेश्वर के वचन को लिया, और मैंने शैतान और उसकी शक्ति को हरा दिया।” उसने उस वचन के साथ, उसे काट कर टुकड़े कर दिया, आमीन। अब, आपके पास जो कुछ भी है, यदि आपके पास बस एक वचन है, “प्रभु तेरा परमेश्वर जो तुम्हें चंगा करता है,” उसे काट डालो। अनुकरण करें। आमीन। हमारे कप्तान का अनुकरण करें। जी हां, महाशय। उसने उसे काट दिया।

392 शैतान, अपने बड़े-बड़े खूबसूरत साम्राज्यों के साथ, और भी ज़्यादा सुंदरता, सब कुछ एकदम आधुनिक और जमाने के हिसाब से होता है। हमारे साथ कुछ लेना-देना नहीं रखता है। यह सही है। वह अब भी धरती के सारे पशुओं में सबसे धूर्त है। जी हां, महाशय। यीशु ने कहा कि इस संसार की संतान परमेश्वर के राज्य के संतान से अधिक बुद्धिमान है।

393 अब, ये दो बड़ी लड़ाईयां। हम जा रहे हैं... मुझे... बंद करना होगा। ये दो बड़ी लड़ाईयां ठीक अभी एक साथ आ रही हैं। अभी वह घड़ी है जब बीमारी और समस्याओं ने दुनिया को ऐसा जकड़ा है, यहाँ तक कि मेडिकल विज्ञान भी हैरान-परेशान है, और सब कुछ ठप पड़ गया है। कोई चारा नहीं है, और... और हम बस... और वो सेना, परमेश्वर की छोटी सेना, इसे पीछे धकेल कर कोने में घेरा जा रहा है और हर एक चीज। भाई, यह एक और अर्नोल्ड वॉन विंकलरीड का समय है। यह समय है, परमेश्वर के एक और मनुष्य का समय कि वो आगे खड़ा हो। यह एलिय्याह के प्रकट होने का समय है। यह कुछ तो बात जगह लेने का समय है।

394 परमेश्वर की सेना, अपने मस्तिष्क को बंद करें। एक मिनट के लिए भी ना रुके, किसी भी चीज के बारे में सोचने के लिए जो शैतान ने आपको आपकी चेतनाओं के ज़रिए से प्रस्ताव दिया है। लेकिन याद रखें, परमेश्वर का वचन कभी विफल नहीं हो सकता।

395 ये दो बड़ी सेनाएं! जब शत्रु बाढ़ के समान भीतर आता है, जैसा कि आज आ रहा है, परमेश्वर ने क्या कहा कि वह करेगा? “परमेश्वर का आत्मा इसके विरोध में एक दर्जे को ऊँचा उठाएगा।” क्या आप उनमें से एक हैं? जी हां, महाशय।

396 हमें याकूब 4:7 में सिखाया गया है, मेरे पास इसे पढ़ने का समय नहीं

है, याकूब 4:7, “शैतान का सामना करो, और,” वह बस ऐसे ही चलकर दूर नहीं जाएगा, लेकिन, “वह भाग जाएगा।” “शैतान का सामना करो।” आप शैतान का सामना कैसे करते हैं? उसी तरह से जैसे हमारे मुख्य कप्तान ने हमें इसे करने के लिए कहा है। परमेश्वर के वचन को ले। इसी तरह से आप शैतान का सामना करते हैं, यह परमेश्वर के वचन के द्वारा होता है। मुख्य कप्तान ने हमें बताया कि इसे कैसे किया गया था। तो ठीक है।

397 अब, बंद करते हुए, मैं यह कहना चाहता हूँ। वह पुराना शैतान, अब, आप सोचते हैं कि वह बेशर्म है। आप सोचते हैं कि वह एक बच्चे पर आक्रमण करेगा? वह किसी भी चीज पर आक्रमण करेगा। उसने यीशु मसीह पर आक्रमण किया था। वह उसके पास तीन जंगली आक्रमणों के साथ आया। क्या आपको यह पता था? शैतान ने बस केवल एक बार आक्रमण नहीं किया। वह आप पर एक बीमारी के साथ आक्रमण करेगा, फिर यहां पर वह वापस आकर और आप पर आक्रमण करेगा, आपको बताएगा, “आश्चर्य कर्मों के दिन बीत गए। तुम चंगे नहीं हुए हो। इसमें कुछ भी नहीं है।” आप जानते हैं यह सही है?

398 उसने यीशु पर तीन बार आक्रमण किया। तीन जंगली आक्रमण, वह परमेश्वर के वचन में अपने अविश्वास के साथ यीशु पर टूट पड़ा। यीशु वचन था। निश्चय ही, शैतान ने इसका विश्वास नहीं किया। “यदि तू है... यदि तू है...” यहाँ वो आया, जंगली आक्रमण, जैसे आज कभी-कभी दुश्मन आता है। यहां उन लोगों ने आकर, कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो मुझे एक आश्चर्य कर्म को दिखा। मुझे इसे पूरा करते हुए दिखा।” भाई, तीन जंगली आक्रमण के साथ वो वहां पर आया, “यदि तू... यदि तू...”

399 अब, यीशु ने क्या किया? यीशु परमेश्वर का वचन था। वह वचन था। शैतान ने वचन पर आक्रमण किया। महिमा! मैं—मैं बस... बस अच्छा महसूस कर रहा हूँ, कि अब प्रचार करूँ, मैं सच कह रहा हूँ। ये सही है। यीशु वचन है। “आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ, और वास किया...” यीशु वो वचन था। उसने क्या किया? उसने उसे काट कर टुकड़े कर दिया। ओह, प्रभु! मैं छोड़ रहा हूँ। यीशु ने क्या किया? वो वचन था। इसलिए, वचन के

साथ, उसने शैतान को उसके जंगली आक्रमण करने पर काट दिया। वो तो सीधे हवा की तेज़ी से यूँ आ झपटा, जैसे कोई लड़ाकू दस्ता, तूफ़ानी फ़ौज हो, या ऐसे ही कुछ तो और, सीधे इस तरह से यीशु पर झपटा, यानी वचन पर। यीशु ने वचन को लिया उसे काट कर टुकड़े-टुकड़े कर दिया। हाँल्लेलुय्या! निश्चय ही, उसे काटकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया, उसे वचन से हरा दिया।

400 उसके आक्रमण को देखा? देखो, इसे ध्यान से सुने, इसे बंद करते हुए। उसका आक्रमण क्या है? परमेश्वर के वचन पर अविश्वास करना, यही उसका आक्रमण है। वहाँ, क्या आप देख सकते हैं कि अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ी गई थी? वहाँ केवल दो ताकते हैं: शैतान और परमेश्वर। और आपके विरुद्ध शैतान का हथियार क्या है? ये आपको आपके हथियार पर अविश्वास करने को लगाने की कोशिश करता है। वो आपको बिना हथियार का कर देता है। आइए हम—आइए हम अब बहुत ही शांति से सुने। सुनना। यदि वह आपको अविश्वास दिला सकता है कि आपका हथियार उसके हथियार के बराबर नहीं है, यदि वह आपको यह विश्वास दिला देता है कि आपका हथियार इतना प्रबल नहीं है, तो उसने आपको बिना हथियार कर दिया है।

401 ओह, भाई नेविल, मैं आशा करता हूँ कि हम कभी भी उस पर विश्वास नहीं करेंगे।

402 देखिए, वो आपको बिना हथियार का कर देता है, जब वह आपको उस हथियार पर अविश्वास करने को लगाता है। जब आप उसे नीचे डाल देते हैं, तो यह आपकी लड़ाई को समाप्त कर देता है, आप खत्म हो जाते हैं। उस हथियार को पकड़े रहे, आप इसे नीचे ना रखें। हम उसके अविश्वास को देखते हैं। आइए...

एक और बात जो मैं कहना चाहता हूँ, एक मिनट में।

403 रूस। मैं इसे अनुभवी सैनिकों और इत्यादि के लाभ के लिए कहना चाहता हूँ, यहाँ, और आप जो बाइबल के विद्यार्थी हैं। आप रूस के बारे में क्या वाद-विवाद और उपद्रव मचा रहे हैं? हूँह! क्या आप मुझे यह कहते हुए सुना हैं कि बम से बचने का आश्रय बनाये, क्या आपने सुना हैं? आप रूस के बारे में क्यों विवाद करते हैं? रूस कुछ भी नहीं है। वे कोई युद्ध नहीं जीतने जा रहे हैं। वे किसी भी संसार को नहीं जीतने जा रहे हैं। साम्यवाद

किसी भी संसार को जीतने वाला नहीं है। लोगों के साथ क्या मामला है? क्या परमेश्वर का वचन विफल हो सकता है?

404 सुनना, यह अब टेप के लिए है, संसार के लिए, मैं बोल रहा हूँ, या जहाँ कहीं भी ये टेप जाता है। और आप लोगों के लिए जो यहाँ है, कोई मतलब नहीं कि मेरे साथ जो भी होता है, आप इसका विश्वास करें।

405 रूस, साम्यवाद, किसी पर भी जय को नहीं पाता है। परमेश्वर का वचन विफल नहीं हो सकता। रोमनवाद संसार को जीतने जा रहा है।

406 आइए दानियेल के दर्शन को लें। यही परमेश्वर का वचन है। “तू हे दानियेल... ” “तू हे राजा नबूकदनेस्सर, ये सोने का सिर है,” बाबुल। “एक और तुझ पर सफल होगा, जो चांदी है,” देखो, जो कि मादी-ओ-फारसी था। दूसरा एक यूनानी था, सिकंदर महान। इसके बाद, रोम में आता है। और वहाँ एक साम्यवाद के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया था। रोम ने दुनिया को जीत लिया।

407 यीशु मसीह रोमन राज्य में जन्मा था, और सताया गया, वो पहली बार यहाँ आया, रोमन राज्य के द्वारा। और उसके दूसरे आगमन पर, जो अब आ रहा है, उसका संदेश रोमन संप्रदायों के द्वारा सताया गया है, जो कि उन सब की माता है। और जब वह लौटता है, तो वह वापस आकर उस रोमन राज्य को मिटा देगा, जिसकी यहूदियों ने हमेशा ही आने की प्रतीक्षा की है कि आकर और रोमन राज्य का मिटा दे।

408 कैथोलिक पुरोहितवाद संसार के सारे संप्रदायों के साथ, ठीक अभी एक संगठन के रूप में एक साथ आ रहे हैं, कलीसियाओ का संघ खुद को एक साथ संगठित कर रहा है। यह रूस नहीं है। यह रोम है। **यहोवा यों कहता है।** जी हां। मुझे एक भी वचन दिखाओ जहाँ पर रोम के अलावा साम्यवाद, या कोई भी और राज्य करेगा।

409 क्या मादी-ओ-फारसी नबूकदनेस्सर पर सफल हुए? निश्चय ही। क्या यूनानी उन पर सफल हुए? जी हां। क्या रोम ने वहाँ से उन पर कब्जा किया? क्या ये दस साम्राज्य की शक्तियों में विभाजित हो गया, जैसा कि अभी हमारे पास हैं?

410 क्या *आइजनहावर*, जिसका अर्थ होता है “लोहा,” *खुश्वेव* का अर्थ होता है “मिट्टी,” क्या उनकी ठीक यहाँ पर सभा हुई? और *खुश्वेव* ने अपना जूता उतारा, [भाई ब्रन्हम ने पुलपीट को खटखटाया—सम्पा।] इसे एक

स्पष्ट, खुली हुई चीज बनाने के लिए, लोगों को दिखाने के लिए, इस तरह से, मेज पर दे मारा। [भाई ब्रन्हम ने पुलपिट को खटखटाया।]

411 तो, आज लोगों के साथ क्या मामला है? विश्वास कहां पर है? क्यों, आप विश्वास नहीं करते कि परमेश्वर का वचन सत्य है? और वह चीज यहां पर नहीं है। आज प्रचारकों के साथ क्या मामला है? “साम्यवाद!” हर एक प्रचारक यहां साम्यवाद से लड़ने की कोशिश कर रहा है। साम्यवाद, कुछ भी नहीं!

412 वो चीज, शैतान इसे आपकी नाक के नीचे बुन रहा है, और आपको ये नहीं पता; यह रोमनवाद है, संप्रदायवाद। और रोम ये संप्रदायों की माता है। बाईबल ने कहा, “वह एक वेश्या है, और उसकी बेटियां व्यभिचारणी हैं,” परमेश्वर के विरोध में, उसके वचन के विरोध में।

413 सिपाहियों, वचन को उठाओ। दया के दूत, उस वचन के साथ बने रहे। मैं एक दिन खत्म हो जाऊंगा, लेकिन यह वचन नष्ट नहीं हो सकता। और आप युवा लोग, यदि यह मेरी पीढ़ी में नहीं होता है, तो आप देखोगे। वहां वो बात है।

414 क्या आपने आज सुबह खबर सुनी? श्रीमती कैनेडी पोप से मिलने जा रही है, और पोप ने क्या कहा? देखो, दुनिया के सारे धर्म! ओह! तो ठीक है, हो सकता है अगले रविवार को इस पर कुछ और लेंगे।

415 देखो, रूस के बारे में चिंता मत करो। रूस समुद्र के किनारे का एक छोटा सा कंकड़ है। आप साम्यवाद के बारे में चिंता ना करें। आप रोमनवाद को देखें जब यह कलीसियाओं के साथ एक हो रहा है। वहां वचन में साम्यवाद के विषय में कुछ भी नहीं लिखा है कि दुनिया पर राज्य करेगा।

416 और मैं वचन के अनुसार जाता हूं, चाहे कुछ भी और बात चल रही हो। यह वचन है जिसका मैं विश्वास करता हूं। यह रोमनवाद है जो दुनिया पर अधिकार करता है। और रोमनवाद संगठन की माता है। वहां रोम से पहले कभी भी कोई संगठन नहीं था, और उनमें से हर एक इस में से बाहर आया। और बाईबल ने ऐसा कहा, “वह वेश्याओं की माता थी।” मैं इस पर फिर से आधे दिन तक बना रह सकता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अच्छा होगा मैं आगे बढ़ूँ।

417 जब शत्रु हम पर आक्रमण करता है, तब, “ओह, मैं तुम्हें बताता हूं, तुम्हें आकर हमारे साथ जुड़ना चाहिए... ” आप क्या करेंगे, पीछे हटकर,

समझौता करेंगे? ना ही एक सच्चा सिपाही ऐसा नहीं करेगा, वो नहीं करेगा। नहीं, महाशय।

418 तब हम क्या करते हैं? वो मन, “वह मन जो मसीह में था... ” क्या बाईबल ने यही कहा है? “वो मन जो मसीह में था, वह तुम में हो।” उसके पास किस प्रकार का मन था? वचन के साथ बने रहे। यह सही बात है। वचन के साथ बने रहे, पिता के वचन के साथ, और हर बार शत्रु को परास्त किया जाता है। अब जब शत्रु आक्रमण करता है और कहने का यत्न करता है कि तुम्हें यह करना है और वह करना है, तो आप क्या करेंगे? वचन के साथ बने रहे। ये सही बात है।

419 तब आप क्या करना चाहेंगे? वचन को ले। वचन क्या है? बाईबल ने यहां कहा। हमने अभी इसे पढ़ा है। क्योंकि आत्मा, जो परमेश्वर का है, ये वचन है। समझे? यहाँ देखे। “और उद्धार का टोप ले लो, और तलवार, आत्मा की तलवार को ले।” आत्मा की तलवार! क्या? वह आत्मा जो आपके मन में से होकर आता है और आप में प्रवेश करता है, और वो आत्मा की तलवार ये परमेश्वर का वचन है।

420 वह आत्मा किससे लड़ता है? पवित्र आत्मा किससे लड़ता है? सनसनियाँ? भावनार्ये? वचन; हृदय! व्यूह! महिमा! यह किससे लड़ता है? भावनार्ये? वचन! वचन! आइए इसे कहे, वचन! वचन! परमेश्वर का वचन ही है जिसको लेकर आत्मा लड़ता है।

421 परमेश्वर का आत्मा सीधे शैतान के पास जाता है, और कहता है, “ऐसा लिखा है!” आमीन! “ऐसा लिखा है!” और शैतान रास्ते से हट जाता है।

422 हम क्या करते हैं? तलवार को ले, जो कि परमेश्वर का वचन है, इसे उठाए (किससे?) विश्वास के हाथ से, विश्वास के मजबूत हाथ से, दोधारी तलवार को। बाईबल ने इब्रानियों 4 में कहा, “यह—यह एक दोधारी तलवार है,” आते और जाते दोनों ओर से काटती है।

423 भाई, वह क्या करता है? वचन को ले। आत्मा को ले, आत्मा को आपके हृदय में आने दो। अपने मन को खोल दे, कहे, “तेरा वचन सच्चा है।” अब, आप ऐसा करे, बहन। “तेरा वचन सत्य है।”

424 “प्रभु, मैं इस पर कोई ध्यान नहीं दूंगा कि मैं कैसा महसूस करता हूँ, कोई भी और, या मैं खुद क्या कहता हूँ। मैं इसे रोक रहा हूँ, मैं अपने

अंदर के हर एक रास्ते को बंद कर रहा हूँ, सारी उलझनें, और संदेह, और अविश्वास जो मेरे पास कभी थे। हर एक अनुभूति जो कभी मुझे हुई थी, सारी बीमारियाँ जो मुझे कभी हुई थी, जो कुछ भी मेरे पास कभी था, मैं उन सभी को उड़ाकर बाहर कर रहा हूँ। मैं इन सब को छोड़ते हुए आगे निकल रहा हूँ। मैं सीधे अपनी आत्मा में आ रहा हूँ। हे प्रभु, नीचे उतर आ। आपने कहा कि आपने मुझे एक स्वतंत्र नैतिक इच्छा का अधिकारी बनाया है।”

“तू है, मेरे पुत्र।”

425 “तो ठीक है, मैं अपने हृदय और मन को खोल देता हूँ। अंदर आए, प्रभु यीशु।”

426 और विश्वास को पकड़ ले, उस आत्मा की तलवार को, **यहोवा यों कहता है।** चिल्लाए, “हाल्लेलुय्या!” आमीन। तब अपने सामने के हर एक शत्रु को काट दो। आमीन। यही है वो। हर एक शत्रु को काट दे। यदि एक—एक पुरानी डरावनी आत्मा आपको महसूस करा रही है... उस चीज को काट दो, प्रभु के वचन को लेकर।

लेकिन हमारी ताकत, ये है, “प्रभु का आनंद है मेरी ताकत।”

427 “मुझ से दूर हो जा।” सटाक! आप उसे वचन से काट डालो। चाहे वह दृष्ट हो, चाहे वह शत्रु हो, चाहे वह बीमारी हो, चाहे वह रोग हो, ये जो कुछ भी हो, उस वचन को लेकर और उस तलवार को लेकर इसे काट दे। और यदि आप इसे पहली बार प्रहार करते हैं, तो ऐसा दिखाई देता है यह हिलता ही नहीं, इसे फिर से प्रहार करें, और इसे फिर से प्रहार करें, और इसे फिर से प्रहार करें। और इसे तब तक प्रहार करते रहे जब तक आप काटकर आरपार एक छेद ना दे, जैसे कि एक छोटा चूजा अपने आप से चोंच मार कर अंडे के छिलके से बाहर आता है; या एक उकाब, जो आप हो। अपने आप को ठीक बीमारी के उस पुराने छिलके में से चोंच मार कर बाहर लाए। अपने मार्ग को काट कर बाहर निकले, और कहे, “हाल्लेलुय्या! अगला वाला कहां है?” आमीन। यही वो लड़ाई है। यही एक सिपाही है। यही क्रूस का सिपाही है। जी हां, महाशय। हर एक शत्रु को मार गिराओ।

428 क्यों? क्यों? हम, पहले से ठहराए गए, अब्राहम के शाही बीज हैं। जब अब्राहम ने हर उस बात का इन्कार किया जो परमेश्वर के वचन के विरोध में था, उसने अपने सामने आने वाली हर एक रोकने वाली वस्तु में से

होकर रास्ते को काट कर बनाया। उन्होंने कहा, “तुम्हारी पत्नी बहुत बूढ़ी है।” उसने बस उस चीज को रास्ते से काट कर हटा दिया। शैतान ने कहा, “तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुम वैसा नहीं कर सकते।” अब्राहम ने उसे काट कर रास्ते से हटा दिया। उसने इस पर प्रहार किया, और इस पर प्रहार किया, जब तक कि यह अपने आप से कट नहीं गया।

“अगला कहाँ है, प्रभु? ”

429 “अपने तंबू को यहां से आगे ले जाओ।” वह आगे चला गया और उसके लिए वहां पर एक वेदी बनाई।

430 वहां ऊपर गया, और शैतान ने आकर कहा, “अब, मैं तुम्हें बताता हूं, यह सही स्थान नहीं है।”

“मैं ठीक यहीं पर रहूंगा। मेरी भूमि से हट जा।” उसने कहा, “हाल्लेलुय्या!”

431 लूत ने कहा, “अच्छा होगा कि तुम यहां पर आ जाओ। हम यहां पर अच्छा समय बिता रहे हैं। हमारे पास यहाँ पर हमारे सारे संगठन है। क्यों, मेरी पत्नी शहर में साहित्य समाज की और बाकी की हर एक चीज की अध्यक्ष है। मैं तुमसे कहता हूं, तुम्हें यहां पर आना चाहिए।”

साराह ने कहा, “अब्राहम... ”

432 “चुप हो जाओ, साराह।” हाल्लेलुय्या! “ठीक यहीं पर रहो। यही है जहां परमेश्वर ने मुझे रखा है। ठीक यही है जहां पर मैं खड़ा हूं।”

433 यहाँ है जहाँ परमेश्वर ने मुझे रखा है:

पूर्ण रूप से यीशु के नाम की सामर्थ की जय हो!

दूतों को गिरकर दंडवत करने दो;

शाही मुकुट को सामने लाओ,

और उसे ताज पहनाओ, जो सबका प्रभु है।

मसीह पर, वो ठोस चट्टान है, मैं खड़ा हूं;

बाकी सारी भूमि धंसती हुई रेत है,

बाकी सारी भूमि धंसती हुई रेत है।

434 यहां तक कि स्वयं मृत्यु, बाकी की हर एक चीज, धंसती हुई रेत है। मसीह पर, वो ठोस चट्टान, मैं खड़ा हूं।

435 “अब्राहम का शाही बीज।” शाही बीज! क्यों, इंग्लैंड की सबसे चुनी हुई सेना इंग्लैंड की शाही सेना है, शाही लहू, हर एक चीज। और मसीह का शाही बीज पवित्र आत्मा से भरी हुई कलीसिया है, जो पवित्र आत्मा से भरी हुई है। क्या? शाही बीज, प्रतिज्ञा के द्वारा, ना ही सनसनी के द्वारा। लेकिन, परमेश्वर की प्रतिज्ञा के द्वारा, वे परमेश्वर के वचन के साथ खड़े होते हैं, और उसमें से अपने रास्ते को काटते हुए आगे बढ़ते हैं, चिल्लाते हुए, “हाल्लेलुय्या!”

यहां तक कि मृत्यु आकर और कहती है, “यह तुम्हारा अंत निकट आ रहा है।”

436 कहे, “यर्दन, हट जा। मैं उस पार जा रहा हूं।” अपने मार्ग को काटते हुए प्रतिज्ञा के देश की ओर आगे बढ़ते हैं। आमीन।

437 जब सारी लड़ाई समाप्त हो जाएगी तो क्या होगा? मैं अब बंद कर रहा हूं, निश्चय ही ये पर्याप्त है। जब सारी लड़ाई समाप्त हो जाएगी, और संत घर की ओर बढ़ते हुए आते हैं, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं, क्या हुआ?

438 क्या हुआ जब हिटलर फ्रांस में चला गया? क्यों, उन्होंने कहा कि थोड़ी देर के लिए आप आकाश को भी नहीं देख सकते थे, वहाँ इसने हवाई जहाज थे। जर्मन की सेना का कदमताल। [भाई ब्रन्हम हंस के कदमों से आवाज करते हैं—सम्पा।] देखो, वे खड़े हुए थे, वहां से गुजर रहे थे, एक जीत का जश्न मना रहे थे।

439 जब स्टालिन रूस में आया, मीलों तक पीछे, हर एक टैंक बस एक पीछे के पीछे एक, बस बर्लिन पर बमबारी की इतना तक कि इसमें से कुछ भी नहीं बचा था। ऐसा ही है। और जब वे चले गए, और ये जर्मन... ये रूसी सैनिक जीत का जश्न मना रहे थे, वे इसके साथ अंदर गए, आप जानते हैं, वे कुछ तो थोड़ी अजीब सी चीज को करते हैं। मैंने इसे एक बार लंदन में एक तस्वीर पर देखा था, कि वे कैसे अंदर आए, उस चीज की वास्तविक तस्वीर जहां पर, यह हुआ, वे अंदर आ रहे थे, जश्न मनाते हुए। ओह, प्रभु!

440 जब हमने सुना कि युद्ध समाप्त हो गया है, हम चिल्लाए, हमने सीटियाँ बजाईं। जब वे हीरो वापस लौटे, तो हम उनसे वहां पर मिले। वे चीखने लगे। वे चिल्लाने लगे। मेरा एक चचेरा भाई वहां पर था, कहा, जब वह वापस आया, तो सारे पूराने... वे अनुभवी योद्धा जो बहुत ही बुरी तरह से जख्मी हो गए थे, वे खाट से उठ नहीं पा रहे थे, इसलिए उन्होंने बस उन्हें जहाज

के ऊपर छत पर लेकर गए जब वे अंदर आए, तो वे उस स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी यानी उस आजादी की मूर्त को खड़ा हुआ देख सके। कहा, “इस देख वे बड़े, विशाल पुरुष जो वहां पर खड़े हुए थे, वे बस रो पड़े, और ठीक इस तरह से वहीं गिर पड़े, जब उन्होंने उस आजादी की मूर्त को देखा।” वे जो चार वर्षों से घर से दूर रहे थे, लड़ रहे थे, लड़ाई के सदमे में थे, और बाकी की हर एक चीज। लेकिन वे जानते थे कि पत्नी, और हृदयप्रिय, और माता, और पिता, और बच्चों, और वे सब जिससे वे प्रेम करते थे, वे ठीक उस आजादी की मूर्त के पीछे थे। यह उस बात का प्रतीक था जिसके लिए वे लड़ रहे थे। ओह, सीटियाँ बजने लगी, और न्यूयॉर्क चीखों के गूँज उठा, ऐसा ही है, जब उनके हीरो आगे की ओर बढ़ते हुए आ रहे थे। यह तो एक छोटी सी बात होगी।

441 एक बार जब कैसर, एक बड़ी लड़ाई के बाद, उसने कहा, “मैं चाहता हूँ कि मेरा सबसे प्रसिद्ध योद्धा हमारे शत्रु पर विजय के इस महान उत्सव में मेरे साथ सवारी करे।” और हर एक अधिकारियों ने अपने टोपी के पंखों को ठीक किया और अपनी ढालों को चमकाया, और जैसे—जैसे सच्चे सैनिक करते हैं, आपको पता है, वैसे ही कदमताल करते हुए आगे बढ़े। कुछ देर बाद, एक छोटा सा, बूढ़ा व्यक्ति वहाँ से गुजरा, उस पर घाव थे। ओह! उसने बस एक प्रकार से ऊपर की ओर देखा, इस तरह से, और आगे बढ़ गया। कैसर ने कहा, “एक मिनट रुको। एक मिनट रुको। तुम,” यहाँ तक कि तुमने एक—एक सेना के अधिकारी की तरह कपड़े भी नहीं पहने हैं, कहा, “यहाँ आओ।” कहा, “तुम्हें वे घाव कहां पर लगे?”

उसने कहा, “वहां लड़ाई के मैदान में।”

442 कहा, “यहाँ ऊपर चढ़ो। तुम वो व्यक्ति हो जिसे मैं अपने पास बैठाना चाहता हूँ।” क्यों? उसने दिखाया कि वह लड़ाई में था।

443 हे परमेश्वर, उस मनुष्य पर दया करें जो अपने हाथ को खाने के टीन के डिब्बे पर काट सकता है और प्रशंसा-पत्र प्राप्त को लेता है। मैं लड़ाई से घायल होना चाहता हूँ। जैसा कि पौलुस ने कहा, “मैं अपनी देह में यीशु मसीह के दागों को लिए फिरता हूँ।” यही कारण है कि मैं मैदान पर लड़ना चाहता हूँ।

444 किसी दिन, जब हमारा महान प्रधान कप्तान आएगा, जिसने हमें हथियार पहनाये, जो हमें परमेश्वर के सारे हथियार को देता है, अर्थात्

पवित्र आत्मा को, हमें उसके वचन को देता है ताकि इसके साथ लड़ें, वहां पर खड़े रहे; जब हमारा महान कप्तान सवार होकर आता है, मैं उसके साथ रथ पर चढ़ना चाहता हूं और सवारी करके घर जाना चाहता हूं, क्या आप नहीं चाहेंगे? फिर जब मैं अपनी छोटी बूढ़ी पत्नी को हाथ से पकड़ता हूं, इधर-उधर देखता हूं तो यहाँ मेरे भाइयों और उनकी पत्नियों को देखता हूं, और उनके बच्चे, जब हम परमेश्वर के उन स्वर्ग में से होकर चलना आरंभ करेंगे, और दूत स्तुतिगान से वातावरण को भर रहे होंगे, ऊपर इस प्रकार से, एक जीत के उत्सव के विषय में बात करें!

445 और जब लड़ाई खत्म हो जाएगी, तो हम ताज पहनेंगे। ओह, प्रभु! ओह, क्रूस के योद्धा, आज सुबह, विश्वास के उस हाथ को यहां बाहर निकाले, और इस हथियार को पकड़े।

446 इस विषय में क्या है, बहन, क्या आप तैयार हैं? उस हथियार को बाहर निकालकर, कहे, “परमेश्वर, मैं परवाह नहीं करता कि शैतान ने मुझसे क्या—क्या कहा, आज सुबह किसी और ने कितना कुछ कहा, मैं विश्वास करता हूं, मैं विश्वास करता हूं।”

447 जैसा कि मैंने एक दिन कहा, एक छोटा... मैं सोचता हूं कुछ रविवार पहले, एक व्यक्ति ने एक सपना देखा था। उसने सपने में देखा कि शैतान एक छोटी सी पुरानी चीज था, उसके पास दौड़ कर आया। उसने कहा, “बू!” और वह पीछे हट गया, और शैतान और बड़ा हो गया। “बू!” और वह पीछे हट गया, और शैतान और बड़ा हो गया। अंत में, शैतान जितना वो बड़ा था उससे और बड़ा हो गया, वो उस पर जय पाने जा रहा था। वह जानता था कि उसे किसी चीज के लिए लड़ना था, इसलिए उसने चारों ओर देखा। उसे उससे लड़ने के लिए कुछ भी नहीं मिल सका। उसने बस बाइबल को उठाया। और शैतान ने जब कहा, “बू!” उसने कहा, “बू!” वापस ठीक उस पर ऐसा किया, और शैतान छोटा गया, और छोटा, और छोटा होता चला गया। और, अंत में, उसने उसे वचन के साथ मार डाला।

448 आप एक योद्धा है, क्या आप नहीं है, बहन? उस वचन को ले और कहे, “ऐसा लिखा है।” आमीन। “मैं न मरूंगा। मैं जीवित रहूंगा। मैं ठीक इस आराधनालय में बैठकर और परमेश्वर की भलाई के लिए उसकी स्तुति करूंगा, उन बाकी लोगों के साथ।”

449 आप ऐसा विश्वास करते हैं, संतों? आमीन।

आइए हम अपना सिर झुकायें।

450 हे प्रभु परमेश्वर, आकाश और धरती के सृष्टिकर्ता, ये आज प्रकट होने देना कि आप अब भी परमेश्वर हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितना भी प्रचार करूं, मैं कितनी भी बातें कहूं, प्रभु, आपसे आए हुए एक वचन से बात खत्म हो जाती है।

451 ये रुमाल यहां रखे हुए हैं, जो बीमार लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि आपकी आशीष और सामर्थ्य उनमें से हर एक पर बनी रहे, जैसे मैं अपने हाथों को उन पर रखता हूं। परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इन रुमालों को अपनी पवित्र उपस्थिति से अभिषेक करें, क्योंकि ऐसा वचन मैं लिखा है। यह वचन के विरोध में कुछ भी नहीं है। लेकिन यह वचन मैं कहा गया है, कि, “उन्होंने पौलुस की देह में से रुमाल और वस्त्रों को लिया। अशुद्ध आत्माये लोगों में से निकल गयी, और वे भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों से चंगे हो गए।” अब, हम संत पौलुस नहीं हैं, लेकिन आप अब भी परमेश्वर हैं, और आप अब भी वही पवित्र आत्मा हैं। मैं अपने हाथों को इन रुमालों पर रखता हूं, प्रभु यीशु के नाम में, और मांगता हूं कि आप आशीषित करें और उनमें से हर एक को चंगा करें।

452 और, परमेश्वर, यहाँ एक खाट पर लेटी हुई है, जो यहाँ पर लेटी हुई है, वो बस एक छोटी सी बच्ची ही है, बस एक सुंदर सी छोटी लड़की। वह जीवित नहीं रह सकती, प्रभु। शैतान ने उसके साथ बुरा किया है। और इस धरती के प्रिय चिकित्सकों ने बालक को बचाने के लिए, इसमें कोई संदेह नहीं, बहुत प्रयास किया। वे बस इसे नहीं कर सकते। वे अपनी बुद्धि के अंत में हैं। वे और कुछ नहीं जानते कि क्या करना है। लेकिन, प्रभु, मैं बहुत खुश हूं कि वहां एक और अध्याय लिखा हुआ है। हम एक और पन्ना पलट सकते हैं, और इस पन्ने पर हम महान चिकित्सक को अंदर आते हुए देखते हैं। हम उसे आज सुबह परामर्श के लिए बुला रहे हैं।

453 अब, प्रभु, क्या यह यहाँ आपके वचन में नहीं लिखा है, कि, “ये चिन्ह उनके पीछे जाएंगे जो विश्वास करते हैं”? प्रभु, यदि मैं एक विश्वासी नहीं हूं, तो मुझे अब एक विश्वासी बनाये। यदि यह छोटी लड़की विश्वासी नहीं है, तो उसे अब एक विश्वासी बनाये। “ये चिन्ह उनके पीछे जाएंगे जो विश्वास करते हैं; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।”

ऐसा भी लिखा है, “मेरे नाम से वे दृष्ट आत्माओं को निकालेंगे।” प्रभु, वे—वे आपके वचन हैं। यह आपके हैं। यह आपका वचन है। और अब जैसे आपका दास...

454 जैसा कि आपने कहा, “यदि तुम में से दो या तीन एक साथ इकट्ठा होंगे, तो मैं तुम्हारे बीच में रहूंगा; और यदि तुम सहमत होंगे, जैसे कि एक चीज को छूते हुए, और मांगते हो, तो तुम इसे पा लोगे।”

455 परमेश्वर, यह बालक हो सकता है इस भवन में सबसे ज्यादा बीमार व्यक्ति है, क्योंकि वह आपके बिना और अधिक समय तक नहीं जी सकती है, और वह सबसे ज्यादा बीमार है। इसलिए, हम सभी सहमत हो रहे हैं, जैसा की हर एक योद्धा यहां खड़ा हुआ है। और इस झुंड में अब्राहम के शाही बीज खड़े हुए हैं।

456 हम अब शैतान की ओर बढ़ रहे हैं। और हो सकता है शैतान जाने के लिए तैयार है, क्योंकि हमारे हथियार चमक रहे हैं, रंगों की धारियां जगमगा रही हैं; पुरुष और महिलाएं तलवारें पकड़े हुए हैं, अब आप पर आगे बढ़ रहे हैं, इस छोटी लड़की के लिए। शैतान, उसमें से बाहर आ। उस बालक को छोड़ दे। जीवित परमेश्वर की सेना के रूप में, हम तुझे चुनौती देते हैं। उसे छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में।

457 मैं उस पर हाथ रखने जा रहा हूं। और, शैतान, तूने इस बालक को बांध कर रखा है, तूने इस दुष्ट काम को किया है। मैं जानता हूं कि तू एक मनुष्य जाति के मुकाबले ज्यादा ताकतवर है, लेकिन तू मेरे प्रभु का मुकाबले नहीं कर सकता है, इसलिए मैं उसके नाम में आया हूं। उसे छोड़ दे, तू शैतान की आत्मा। तू बीमारी के दुष्ट आत्मा, इस बालक में से बाहर निकल आ जा, और होने पाए वह इस दिन से आजाद हो जाए। मैं यीशु मसीह के नाम में इसकी घोषणा करता हूँ।

458 अब, प्रभु परमेश्वर, आप जिसने मुर्दों को जिलाया और साबित किया कि आप ही परमेश्वर है, इस युवा महिला को उसके स्वास्थ्य और शक्ति में उठा कर खड़ा करे, कि वह यहां इस भवन में खड़ी हो जाए। शैतान उसमें से चला गया है!... ? ... उसे चंगा करने जा रहा है। होने पाए वह परमेश्वर की महिमा और आदर के लिए जीवित रहे।

इसे—इसे बोला गया है, अब इसे होने दे।

459 क्या यहां कोई और है जो अपने हाथों को उठाकर और कहना चाहता है, "मैं चाहता हूं कि मेरे लिए प्रार्थना करे। मैं बीमार हूं। मुझे परमेश्वर की आवश्यकता है"? मैं नहीं जानता कि हमारे पास कितना समय है। हमारे पास उन लोगों के यहां से पंक्ति में होकर जाने के लिए पर्याप्त समय है। मैं आज सुबह बस बहुत ही शांति को महसूस कर रहा हूं। जी हाँ। जी हाँ। मैं चाहता हूं कि तुम यहां पर नीचे आ जाओ, बिली, और बस हो सकता है कि इस एक हिस्से को ठीक यहां पर लो, इस तरफ यहां पर, अकेले। बस इस वाले हिस्से को पहले आने दो, फिर हम उसके बाद पीछे वाले हिस्से को लेंगे, बस वहां उस गलियारे तक। तब हम उन्हें बस इस तरह से लेंगे, तब वे नहीं...

460 और अब मैं चाहता हूं कि भाई नेविल और मेरे कुछ सेवक भाई यहां मेरे पास खड़े हो जाये, ठीक यहां पर, जिससे कि आप उन्हें फिर से गलियारे में ले जा सके। तो ठीक है। तो ठीक है। अब मैं...

461 आप में से कितनों ने अपने हथियार को बांध लिया हैं?

462 (अब कुछ अलग होने जा रहा हैं। घर जाये, अब पूरी तरह से स्वस्थ रहे, चंगे हो जाये।)

463 आमीन। ओह, प्रभु! आप सारे योद्धा, तलवार को बाहर निकाले। तलवार को बाहर निकाले, क्रूस के योद्धा, आगे बढ़ते रहे, आगे बढ़ते रहे।

मसीह पर, जो ठोस चट्टान है, मैं खड़ा हूं।
बाकी सारी जमीन धंसती हुई रेत है।

464 तो ठीक है, ठीक साथ-साथ आ जाये, ठीक यहाँ नीचे किनारे की ओर। अब हर कोई प्रार्थना में रहे, जब वे वहां से होकर गुजरते हैं।

यीशु के नाम में, इस महिला को चंगा करे। आमीन।

अब अपनी तलवार को बाहर निकाले। चिल्लाते हुए, ठीक अपने सीट पर बने रहे।

465 [भाई ब्रन्हम लगातार लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं, उनके बहुत से शब्द स्पष्ट नहीं हैं—सम्पा।]... ? ...

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!
युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,

यीशु के क्रूस के साथ
आगे बढ़ते रहो।

466 शैतान, छोड़ दे! क्या बात है, सिपाहियों? क्या आप नहीं सोचते कि हम जय को पा सकते हैं? उसने पहले ही जय को पाया है। हम मसीह यीशु में जयवन्त से भी बढ़कर हैं! हर एक शैतान को निकाला गया, बाकी की हर एक चीज। आमीन।

मेरे भाइयों, यहां आओ!... ? ...

मैं प्रार्थना करता हूं कि आप चंगा करेंगे... ? ...

मेरे भाई को चंगा करे, डॉक्; उसे चंगा करे, पिता, यीशु के नाम में।

यीशु मसीह के नाम में, इस महिला को चंगा करे। आओ... ? ...

467 अब, उसने लिया... मुझे पीछे बैठे भाइयों से पूछना था। हर जगह, प्रभु... ? ...

468 हे प्रभु परमेश्वर, आकाश और धरती के सृष्टिकर्ता! हे परमेश्वर, आप जानते हैं कि उसके हृदय में क्या है। आप इसके विषय में सब कुछ जानते हैं। मैं माता और पिता दोनों के लिए प्रार्थना करता हूं। यीशु मसीह के नाम में, मैं सौंपता हूं... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, मैं... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, मैं... ? ...

469 हे परमेश्वर, मेरी बहन के साथ होना। हम जानते हैं कि जैसे-जैसे साल बीतते जाते हैं और मृत्यु स्त्री के शरीर पर कब्जा करना चाहती हैं। अब, यीशु के नाम में... ? ...

470 यीशु मसीह के नाम में, हे प्रभु, इस छोटी बच्ची को आशीषित करें। वहां स्कूल में जो हमारी लड़ाईयां हैं, मैं जानता हूं कि वह किस बात से होकर गुजर रही है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आशीष देंगे। आज सुबह होने पाए वह उस तलवार को बाहर निकाले, और आगे बढ़े!... ? ... इस छोटे बच्चे को आशीष दे, प्रभु; वह आ रहा है, आज सुबह आपके नाम को पुकार रहा है; मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उसके साथ होंगे... ? ...

471 परमेश्वर, मेरे भाई को आशीष दे, उसके विनंती को प्रदान करे। हमारे प्रभु यीशु के नाम में, मैंने इसे बोला है!... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, हम इस प्रार्थना को करते हैं।

यीशु मसीह के नाम में, हम इस प्रार्थना को करते हैं।

यीशु मसीह के नाम में, हम इस प्रार्थना को करते हैं।

यीशु मसीह के नाम में, हम... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, हम इस प्रार्थना को करते हैं।

यीशु मसीह के नाम में... ? ...

यीशु मसीह के नाम में... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु मसीह के नाम में... ? ...

यीशु मसीह के नाम में!

यीशु मसीह के नाम में!

यीशु मसीह के नाम में!

यीशु मसीह के नाम में!

यीशु मसीह के नाम में!

472 [कोई कहता है, “पिता की मृत्यु हो गई।” —सम्पा।] परमेश्वर, उसकी सहायता करे, यीशु के नाम में।

परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, हम... ? ...

परमेश्वर, यीशु के नाम में!

यीशु मसीह के नाम में... ? ...

यीशु मसीह के नाम में, मेरे भाई को चंगा करे।

यीशु के नाम में... ? ...

अब आप समझ गए?

हे परमेश्वर, होने पाए यह दूर हो जाए... ? ...

473 यीशु मसीह के नाम में, हम प्रार्थना करते हैं!... ? ... प्रदान करें बहन... ? ...

474 हे परमेश्वर, यह जानते हुए कि वह बहुमूल्य छोटी मां, जो इस सारी परेशानी से होकर गुजर रही है, मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप... ? ... उस पर।

एड, उस तलवार को बाहर निकालो और आगे बढ़ो, यीशु के नाम में।

475 हे परमेश्वर, स्त्री को चंगा करे। उसके विनंती को प्रदान करें। होने पाए वह उस तलवार को अपने सामने रखें, कठिन समय में।

हे परमेश्वर... ? ... आज सुबह। मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप... ? ...

476 पिता परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप हमारे भाई को चंगा करेंगे और उसे स्वस्थ करेंगे। और यीशु मसीह के नाम में... ? ...

477 परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप हमारी बहन को चंगा करेंगे, उसे ठीक करेंगे, यीशु मसीह के नाम में।

478 पिता परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप—आप हमारे भाई को चंगा करेंगे।

हे प्रभु, हमारी बहन को चंगा करे!... ? ...

पिता, यीशु के नाम में, इसे चंगा करे, हमारी बहन को, पिता।

479 पिता... ? ... हम यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर, इस महिला को चंगा करे।

हे परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप... ? ...

480 हे परमेश्वर, उसे आशीष दे, पिता!... ? ... हम उन बुजुर्ग लोगों से कितना प्रेम करते हैं, प्रभु। और मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उनकी विनंती को स्वीकार करेंगे!... ? ...

481 हमारे स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूँ कि मेरा भाई... ? ... हे परमेश्वर, ... ? ... वो, हे परमेश्वर... ? ... क्रूस का सिपाही। और वह आज सुबह उस तलवार को बाहर निकालेगा, और आगे बढ़ेगा।

परमेश्वर, हम... ? ... इसे प्रदान करें, हे प्रभु, उनकी विनंती को प्रदान करें।

482 परमेश्वर, आशीष दे भाई... ? ... मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उसे चंगा करेंगे, प्रभु!... ? ... उसे उसके हृदय की इच्छा को देना, यीशु मसीह के नाम में।

483 हे स्वर्गीय पिता, इस सुसमाचार के छोटे से सेवक का गला... ? ... जहां उसने बर्तनों को धोया है... ? ... परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप... ? ... और जब कि परमेश्वर की महान सेना अब आगे की ओर बढ़ रही है, तलवारों को ऊपर उठाए हुए, उसे जय को देना, प्रभु। उसका पति यहां पर है, प्रभु, जिसे उस कैंसर के बिस्तर से लाया गया था, जहां पर

वो लेटा हुआ था, एक कैंसर से मर रहा था, और डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया, जब वह चला गया। और आज सुबह, वो यहां पर है, कूस का एक छोटा सा सिपाही। प्रभु, उसे शक्ति प्रदान करे, आपकी सेवा के लिए, हम प्रार्थना करते हैं, यीशु के नाम में।

484 मैं चाहता हूँ वो छोटी महिला... यहां इस छोटे से प्रचारक के साथ कुछ तो और बात है। भाई किड, यहां आ जाये। इस व्यक्ति को अभी हाल ही में अस्पताल से घर भेजा गया था, वो मर रहा था, कैंसर से खाया हुआ। [बहन किड कहती है, “एक वर्ष पहले की बात है।”—सम्पा।] एक वर्ष पहले। [“दो।”] दो वर्ष पहले, वो प्रोस्टेट के साथ था। उसके डॉक्टर ने बताया कि वो कुछ ही दिन जीवित रहेगा। और एक सुबह, हम बहुत ही सबेरे को वहां पर चले गए, उसके लिए प्रार्थना की, उसी तरह जैसे आपके लिए प्रार्थना की थी, और वे यहाँ तक इसका एक भी अंश नहीं ढूँढ पा रहे थे। वह चंगा हो गया था। आमीन। वो—वो... [“उसे इसे स्वीकार करना था।”] अब उसका वजन पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। वो और उसकी छोटी पत्नी सुसमाचार के कार्य क्षेत्र में काम करते आ रहे हैं, हो सकता है मेरे जन्म से पहले। वो अब यहां पर है... [भाई किड कहते हैं, “पच्चपन वर्षों से।”] पच्चपन वर्षों से। मेरे धरती पर आने से पहले ही, वे सुसमाचार का प्रचार कर रहे थे। और यहाँ है वो, लगभग पचहत्तर वर्ष की आयु में चंगाई पाकर, या, [“इक्यासी।”] वे इक्यासी वर्ष के हैं। [“हमारे पास एक बेदारी की सभा करते हैं, दो सप्ताह की सभा, हर रात को प्रचार होता है।”] दो सप्ताह की बेदारी सभा, अभी दो सप्ताह की बेदारी सभा रखी गई थी, और हर रात को प्रचार किया गया। इक्यासी वर्ष के, कैंसर से चंगाई को पाकर, जब वो बूढ़े हैं।

485 तो ठीक है, बहन, अब आपका समय है। आप विश्वास करती हैं? *आगे बढ़ो, मसीही योद्धा*। तो ठीक है, बहन। आप, आप में से हर एक जन, हम क्या करने जा रहे हैं? **यहोवा यों कहता है।** हम क्या करते हैं, यहाँ पर बने रहे?

486 शैतान, तू हारा हुआ है। अब हम वहां आ रहे हैं। हम प्रतिज्ञा के देश में आगे की ओर बढ़ रहे हैं। यह क्या है? “जरुब्बाबेल के सामने यह पहाड़ क्या है? यह कौन है, जो वहां सामने खड़ा है? तू एक मैदान बन जायेगा।” क्यों? एक दोधारी तलवार के साथ, हम उसे काटकर जमीन पर गिरा देंगे।

यह सही है। तो ठीक है।

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!
युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,
यीशु के क्रूस के साथ
आगे बढ़ते रहो;
मसीह, वो शाही स्वामी,
शत्रु के विरुद्ध अगुवाई करता है; (उसके वचन के
साथ।)

लड़ाई में आगे बढ़ो,
देखो, उसके झण्डे लहरा रहे हैं!

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!
युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,
यीशु के क्रूस के साथ
आगे बढ़ते रहो।

⁴⁸⁷ हाल्लेलुय्या! उन्होंने क्या किया? पहली चीज जो लड़ाई में आगे गई, इस्राएल के लिए, वो पहली चीज क्या थी? गीत गाने वाले पहले आगे जाते हैं। उसके पीछे क्या आता है? वो सन्दूक। उसके बाद लड़ाई। तो ठीक है। क्या आप इसे अब विश्वास करते हैं? हम गीत गा रहे हैं, *आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों*। हम हर संदेह को दूर कर रहे हैं। अब अपने पैरों पर खड़े हो जाए, हम लड़ाई के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

आइए अब खड़े हो जाए, हर एक जन।

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!
युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,
यीशु के क्रूस के साथ
आगे बढ़ते रहो;
मसीह, वो शाही स्वामी,
शत्रु के विरुद्ध अगुवाई करता है;

हम उसे कैसे हराते हैं? वचन के साथ।

युद्ध में आगे बढ़ो,
देखो, उसके झण्डे लहरा रहे हैं!

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!

युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,

यीशु के क्रूस के साथ

आगे बढ़ते रहो।

हम विभाजित नहीं हैं,

हम सब एक देह हैं;

आशा और शिक्षा में एक,

दैविक प्रेम में एक।

488 वे सब जो अब विश्वास करते हैं, कहे, “आमीन।” [सभा कहती है, “आमीन।” —सम्पा।] हाल्लेलुय्या! आप यह विश्वास करते हैं? हम जयवंत है। हर एक शत्रु कहाँ है? हमारे पैरों के नीचे। आज हम क्या हैं? मसीह में जी उठे है!

489 अब, यह समाप्त हुआ है, बहन। आप इसे विश्वास करती हैं? अब घर जाए। आप अच्छा महसूस कर रही हैं? वह कहती है कि वह अब अच्छा महसूस कर रही है। हर एक चीज ठीक है।

490 वहां पर कितने लोग अच्छा महसूस कर रहे हैं? और जब वे चिल्लाए, तो दीवार गिर पड़ी, आमीन, और उन्होंने इसे अधिकार में ले लिया। आमीन। उन्होंने नगर को अधिकार में ले लिया। आमीन! आमीन! आप उस पर विश्वास करते हैं?

491 अब, आज रात की सभा को मत भूलना। भाई नेविल आज रात यहां पर होंगे, और हमारे लिए एक अच्छा संदेश ला रहे हैं। और रविवार, अगले रविवार, प्रभु ने चाहा तो, यहां पर रहूंगा।

492 अब आइए हम जाएंगे, जैसे हम आगे बढ़ते हैं। और अब, भवन से बाहर निकलते हैं, आइए गाते हैं, *आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों*। और आज के दिन के बाद से, उस तलवार को कभी भी इसके बाद म्यान में ना रखे। इसे बाहर ही निकाल कर रखे। आइए जय को पाए। “वे आगे बढ़े, जय पाते हुए, और जय पाने के लिए।” तो ठीक है, फिर से, उस पहले पद को गाये।

आगे बढ़ो, मसीही सिपाहियों!

युद्ध के लिए आगे बढ़ते हुए,

यीशु के क्रूस के साथ

आगे बढ़ते रहो। 

62-0311 सबसे बड़ी लड़ाई जो कभी लड़ी गई
ब्रह्म टेबरनेकल
जेफ़रसनविल, इंडियाना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. Box 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE

19 (New No: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM

CHENNAI 600 034, INDIA

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. Box 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

www.branham.org